THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 58 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.13 2082 रविवार, 25 मई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

'देश में अंतिम सांस ले रहा माओवाद'

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। झारखंड में लातेहार पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन में टॉप नक्सली नेता सहित दो को मार गिराया है। टॉप नक्सली नेता झारखंड जन्म मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) का सुप्रीमो पप्पू लोहरा है। उस पर 10 लाख रुपये का इनाम था।

मुठभेड़ को लेकर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा है कि देश में माओवाद अंतिम सांस ले रहा है और देश के कई राज्यों में माओवादियों और नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया जा रहा है। आईजी ऑपरेशन अमोल होमकर ने बताया कि लातेहार पुलिस के विशेष दस्ते और स्थानीय पुलिस ने जंगलों में नक्सलियों की तलाश में अभियान शुरू किया था।

टीम इंडिया की तरह काम करना होगा : पीएम

> राज्य विकसित, तभी भारत विकसित होगा > नीति आयोग की बैठक में तीन राज्यों के सीएम नहीं आए

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को हुई। नई दिल्ली में गवर्निंग काउंसिल की बैठक का विषय 'विकसित राज्य के लिए विकसित भारत@2047' था। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। विकास, नवाचार और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए। राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए। वहां सभी सुविधाएं और बुनियादी ढांचे उपलब्ध कराने चाहिए। एक राज्य- एक वैश्विक गंतव्य। इससे पड़ोसी शहरों का भी पर्यटन स्थल के रूप में विकास होगा। पीएम मोदी ने कहा कि हमें अपने कार्यबल में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में काम करना चाहिए। हमें ऐसे कानून और नीतियां बनानी चाहिए, जिससे उन्हें कार्यबल में सम्मानपूर्वक शामिल किया जा सके। हमें इस तरह काम करना चाहिए कि लागू की गई नीतियां आम नागरिकों के जीवन में बदलाव ला सकें। जब लोग बदलाव महसूस करते हैं, तभी यह बदलाव मजबूत होता है और बदलाव को एक आंदोलन में बदल देता है। उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में हमारे पास 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का एक बड़ा अवसर है। हमें एक लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए- 2047 तक भारत को विकसित बनाना। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हर राज्य विकसित हो, हर शहर विकसित हो, हर नगर पालिका विकसित हो और हर गांव विकसित हो। अगर हम इन तर्ज पर काम करेंगे, तो हमें विकसित भारत बनने के लिए 2047 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

इस बीच उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में राज्य के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में 'विकसित राज्य-विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने के लिए आयोजित यह बैठक राज्यों की सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

'आतंकवाद पर चुप नहीं बैठेंगे'

✻ जो वर्षों से झेल रहे, वो साझा करेंगे ✻ यूएस जाते वक्त बोले थरूर

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि देश अब आतंकवाद के खिलाफ चुप नहीं बैठेगा। हम वर्षों से जिस दहशतगर्दी को झेल रहे हैं, उसे दुनिया के सामने लाने का वक्त आ गया है। अमेरिका समेत पांच साझेदार देशों के लिए रवाना होने वाले एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के नेता के रूप में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद पर भारत के रुख को साझा करेगा और दुनिया को बताएगा कि भारत पिछले कई वर्षों से किस तरह से पीड़ित है।

मीडिया से बात करते हुए शशि थरूर ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल अमेरिका में 9/11 स्मारक का दौरा करेगा। गुयाना में प्रतिनिधिमंडल स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेगा और अधिकारियों से मुलाकात करेगा। उन्होंने कहा, हम वहां लोगों को अपने अनुभव के बारे में बताने जा रहे हैं, हमने जो किया, वह क्यों किया और भविष्य में भारत का रवैया क्या होगा। हम लोगों से मिलेंगे और पिछले कई सालों से जो झेल रहे हैं, उसे साझा करेंगे। इससे पहले थरूर ने 'एक्स' पर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की एक तस्वीर भी साझा की और कहा कि अन्य लोग रास्ते में शामिल होंगे। भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या ने मीडिया से कहा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम सभी पर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी डाली है कि हम दुनिया को पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे आतंक के बारे में भारत की स्थिति से अवगत कराएं। इसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की जरूरत है। दुनिया को पाकिस्तान की ओर से तैयार किए गए आतंकी प्रतिष्ठान, बुनियादी ढांचे पर ध्यान देने की जरूरत है। यह न केवल भारत के लिए खतरनाक है, बल्कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए भी खतरा है।

पाकिस्तान आज एक आतंकवाद निर्यातक देश : उन्होंने पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा, अपनी स्थापना के बाद से, अपने जन्म के बाद से, पाकिस्तान ने 1947 के युद्ध से भारत के खिलाफ कई आतंकी हमलों की साजिश रची है। सबसे हालिया पहलगाम हमला पाकिस्तान की उन जघन्य और बर्बर आतंकी गतिविधियों की याद दिलाता है, जो उसने भारत के खिलाफ शुरू की हैं।

दावा-शख्स ने मंदिर परिसर में नमाज पढा

> पुलिस कर रही है तलाश

तिरुपति, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के तिरुमाला स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर में व्यक्ति के नमाज पढ़ने की घटना सामने आई। सोशल मीडिया पर उस व्यक्ति का एक वीडियो वायरल हो रहा है। घटना 22 मई की बताई जा रही है। यही शख्स मंदिर के बाहर खड़ी एक कार में भी नजर आ रहा है। दावा किया जा रहा है कि नमाज पढ़ने का यह वीडियो मंदिर परिसर में बने कल्याण मंडपम का है। हालांकि, टीटीडी ने इस मामले पर अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। नमाज पढ़ते हुए शख्स को न तो मंदिर प्रशासन के लोगों ने रोका, न किसी और ने इस पर आपत्ति ली। इससे मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। यह मुस्लिम व्यक्ति का गुरुवार दोपहर तमिलनाडु के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली टीएन 83 टी 6705 वाली कार में आया था। मामला सामने आते ही तिरुपति एसपी हर्षवर्धन राजू मौके पर पहुंचे। जहां उन्हें पता चला कि श्रद्धालुओं के एक ग्रुप के साथ तिरुमाला आए ड्राइवर ने नमाज पढ़ी थी। ड्राइवर की हरकतें सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गईं। तिरुमाला पुलिस अब इस शख्स की तलाश कर रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि वह व्यक्ति पहले ही तिरुमाला छोड़ चुका है। उसने ऐसा क्यों किया। तिरुमाला में कड़े नियमों के बावजूद उन्होंने प्रार्थना क्यों की? वह व्यक्ति कौन है? उसने यह काम जानबूझकर किया या नियमों की जानकारी के बिना। पुलिस इसकी जांच कर रही है। दरअसल, हिंदुओं के अलावा बाकी धर्मों के लोग जो भगवान बालाजी के दर्शन करना चाहते हैं, उनके लिए तिरुपति मंदिर में घोषणापत्र पर साइन करने की एक प्रथा है।

पीड़ित परिवारों से मिले राहुल गांधी : दिलाया मदद का भरोसा

पुंछ, 24 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तानी गोलीबारी से प्रभावित लोगों से मिलने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ पहुंचे। गांधी ने पीड़ित परिजनों को आश्वस्त किया कि इस मुश्किल समय में वो उनके साथ हैं। स्कूली बच्चों से भी राहुल मिले और हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वो उनसे बहुत प्यार करते हैं।

उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ी त्रासदी है। इसमें कई लोग मारे गए। बड़े पैमाने पर संसाधनों को भी नुकसान पहुंचा है। हमने लोगों से मुलाकात की। उनका दुख-दर्द जाना। हमने लोगों की समस्या को समझने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि मुलाकात के दौरान लोगों ने मुझे अपनी कुछ समस्याएं बताई और मुझसे आग्रह किया कि इसे मैं राष्ट्रीय स्तर पर उठाऊं। मैं निश्चित तौर पर इसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाऊंगा और मेरी कोशिश रहेगी कि इन लोगों की समस्या का समाधान किया जाए। राहुल गांधी ने पुंछ में स्कूली बच्चों से भी मुलाकात की। उनसे कहा, आप लोग घबराइए मत।

राहुल के खिलाफ जारी किया गैर जमानती वारंट

रांची, 24 मई (एजेंसियां)। झारखंड के चाईबासा में एक मानहानि मुकदमे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की परेशानी बढ़ सकती है। वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े केस में झारखंड के चाईबासा के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने उनके खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किया है। राहुल गांधी को 26 जून को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया गया है।

चाईबासा निवासी प्रताप कटियार नामक शख्स ने राहुल गांधी के खिलाफ 9 जुलाई, 2018 को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया था कि उन्होंने वर्ष 2018 में कांग्रेस के अधिवेशन में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। शिकायत के अनुसार, राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है।

क्या बीआरएस-भाजपा का गठबंधन होने जा रहा?

केसीआर के रुख के बाद अटकलें तेज

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के नेता के. कविता ने अपने अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को एक पत्र लिखा।

आमतौर पर एक बेटी का अपने पिता को पत्र लिखा सामान्य सी बात है, लेकिन इस स्थिति ने तेलंगाना की सियासत में नई अटकलों को जन्म दे दिया। कहा जा रहा है कि कविता ने केसीआर को एक हस्तलिखित फीडबैक पत्र लिखा था। इसमें पार्टी की हालिया बैठक को लेकर फायदेमंद और नुकसानदायक पहलुओं को उजागर किया गया था। इसमें भाजपा और बीआरएस के बीच संभावित गठबंधन की अटकलों का भी जिक्र था। अब इस पत्र लीक होने से तेलंगाना के राजनीतिक हलकों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

कविता के खत में क्या : कविता ने तेलुगु और अंग्रेजी में लिखे पत्र में लिखा, जैसा कि आपने (केसीआर) सिर्फ दो मिनट बात की और भाजपा पर भी चुप ही रहे, इससे कुछ लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि भविष्य में पार्टी का भाजपा के साथ गठबंधन होगा। मुझे तो यहां तक लगा कि आपको भाजपा के खिलाफ मजबूती से बोलना चाहिए था। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि मुझे भाजपा के कारण तकलीफ हुई है, आपको भाजपा पर और निशाना साधना चाहिए था, डैडी।

खत के बाद अटकलें क्यों लगने लगीं

इस पूरे वाकये के के सामने आने के कई घंटे बीत जाने के बावजूद विपक्षी पार्टी ने इसका खंडन नहीं किया। बीआरएस एमएलसी कविता के कार्यालय की ओर से भी तत्काल टिप्पणी नहीं की गई। चूंकि, कविता वर्तमान में अपने बेटे के स्नातक समारोह में भाग लेने के लिए अमेरिका में थीं, इस वजह से उनकी प्रतिक्रिया नहीं आई। हालांकि, देर रात देश वापस लौटते ही उन्होंने पत्र लीक होने पर आश्चर्य जताया और कहा कि केसीआर भगवान जैसे हैं, जो शैतानों से घिरे हुए हैं। पार्टी को सही दिशा में लाने के लिए जरूरी कदमों की जरूरत है।

दरअसल, बीआरएस ने 27 अप्रैल को वारंगल में अपनी रजत जयंती मनाई। इस दौरान केसीआर ने कुछ मिनटों में ही अपना संबोधन खत्म कर दिया। इस दौरान उन्होंने कई अहम मुद्दों पर बात नहीं की। उन्होंने भाजपा पर भी खुलकर हमला नहीं बोला।

केसीआर की चुप्पी पर कविता ने क्या कहा :

> कविता ने बैठक में पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण, अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण, वक्फ संशोधन अधिनियम और अपने संबोधन में उर्दू को शामिल न करने जैसे प्रमुख मुद्दों पर के. चंद्रशेखर राव की चुप्पी पर सवाल उठाए।

> पत्र में उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार ने जमीनी स्तर पर अपना समर्थन खो दिया है और कुछ बीआरएस कार्यकर्ता अब भाजपा को एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में देखते हैं।

> कविता ने कहा कि जब बीआरएस ने हाल ही में एमएलसी चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया, तो इससे पार्टी कार्यकर्ताओं को एक मजबूत संकेत गया कि वे भाजपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं।

> उन्होंने पूर्व सीएम से निर्णायक रूप से कार्य करने का आग्रह करते हुए कहा कि सभी को उम्मीद थी कि आप राजनीतिक परिदृश्य को संबोधित करने के लिए विशिष्ट कार्यक्रम या दिशा-निर्देश देंगे।

'राहुल गांधी को लगता है एलओपी मतलब लीडर ऑफ पाकिस्तान'

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर को निशाने पर ले रहे हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई। राहुल गांधी के आरोपों पर अब भाजपा ने भी पलटवार किया है। भाजपा ने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया है।

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, राहुल गांधी का कहना है कि भारत-पाकिस्तान को जोड़ दिया गया है, लेकिन असल में कांग्रेस और पाकिस्तान को जोड़ लिया गया। कांग्रेस पार्टी लगातार पाकिस्तान के डीजी आईएसपीआर की भाषा बोलती रही है। यह पहली बार नहीं है। जब पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है कि ऑपरेशन सिंदूर कितना सफल रहा, यहां तक कि पाकिस्तानी सांसद भी स्वीकार कर रहे हैं कि वहां कितनी तबाही हुई, 9 आतंकी ठिकाने नष्ट किए गए, उसके बाद भी कांग्रेस पार्टी पाकिस्तान की भाषा बोलती है।

तेजप्रताप के फेसबुक से गर्लफ्रेंड के साथ तस्वीर शेयर की

लिखा-12 साल से रिलेशन में हूं, कई दिनों से कहना चाहता था

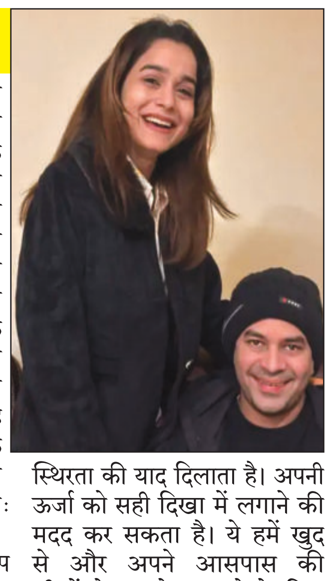

पटना, 24 मई (एजेंसियां)। लालू यादव के बड़े बेटे और आरजेडी विधायक तेजप्रताप यादव के फेसबुक अकाउंट से शनिवार एक पोस्ट किया गया है। इस पोस्ट में तेजप्रताप यादव एक लड़की के साथ दिख रहे हैं।

तेजप्रताप के ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट से एक लड़की की फोटो के साथ पोस्ट कर लिखा गया कि- मैं तेजप्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं उनका नाम अनुष्का यादव है। हम दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते हैं और प्यार भी करते हैं। हम लोग पिछले 12 सालों से रिलेशनशिप में रह रहे हैं। मैं बहुत दिनों से आप लोगों से यह बात कहना चाहता था पर समझ नहीं आ रहा था कैसे कहूं। इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल का बात आप सब के बीच रख रहा हूं। आशा करता हूं आप लोग मेरी बातों को समझेंगे। इस पोस्ट को पहले डिलीट किया गया, फिर तेजप्रताप के ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट से यही पोस्ट दोबारा किया गया।तेजप्रताप यादव मालदीव ट्रिप पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को अपने इंस्टा अकाउंट से एक वीडियो भी शेयर किया था। 1.21 मिनट के इस वीडियो में वे काले रंग की हाफ पैंट और शर्ट पहने और कैप लगाए ध्यान की मुद्रा में दिख रहे हैं। तेजप्रताप समुद्र किनारे एक रिसॉर्ट के कॉटेज में बैठे हैं। इस दौरान बैकग्राउंड में 'ऊं नमः शिवाय' मंत्र बज रहा है।

वीडियो शेयर करते हुए तेजप्रताप ने इंग्लिश में पोस्ट लिखा। जिसका हिंदी में मतलब है- 'शांति जीवन में बहुत जरूरी है। इसके बिना जीवन में अफरातफरी मच जाती है।' बहते पानी की आवाज में अद्भुत ताकत है। ये हमें प्रकृति की स्थिरता की याद दिलाता है। अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाने की मदद कर सकता है। ये हमें खुद से और अपने आसपास की चीजों से तालमेल बनाने के लिए प्रेरित करता है। लैंड फॉर जॉब केस में आरोपी तेजप्रताप यादव ने 14 मई को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से विदेश जाने की इजाजत मांगी थी।

भारत परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा : जयशंकर

> संदीप दीक्षित बोले 'हम समर्थन करते हैं'

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शनिवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर का पूरा समर्थन किया, जिन्होंने जर्मनी की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान एक कड़ा संदेश देते हुए कहा कि 'भारत कभी भी परमाणु धमकियों के आगे नहीं झुकेगा' और पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय आधार पर मुद्दों को सुलझाएगा। जयशंकर के 'दृढ़ कूटनीतिक लहजे' की पार्टी लाइन से ऊपर उठकर कांग्रेस के नेता संदीप दीक्षित ने तारीफ की है। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने एक बयान का स्वागत करते हुए कहा, बिल्कुल सही।

हम हमेशा से यह अधिकार रखते आए हैं, और मैं यह भी उम्मीद करता हूं कि जब हम जर्मनी जैसे देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं, तो हम पाकिस्तान के खिलाफ भी उनका समर्थन मांगें। पाकिस्तान क्या करता है, उसकी अर्थव्यवस्था कैसी है, यह उनकी चिंता है। हमने हमेशा कहा है कि हम अपने सभी पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 30-35 सालों से पाकिस्तान ने जिस तरह से आतंकवाद को बढ़ावा दिया है, वह पूरी तरह से आपराधिक कृत्य है, मानवता के खिलाफ अपराध है। उन्होंने कहा, इन देशों को भी पाकिस्तान को एक 'धूर्त राष्ट्र' के रूप में पहचानना चाहिए और उसके अनुसार काम करना चाहिए। इंडिगो विमान की आपातकालीन लैंडिंग की इजाजत न दिए जाने की भी कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने निंदा की। उन्होंने कहा, अगर देश को ऐसी जरूरत थी तो कोई भी देश हो, उसको सामने आना चाहिए। लड़ाइयां सरकारों से होती हैं।

मानवता को आगे रखना चाहिए। कई बार ऐसा हुआ है कि इमरजेंसी लैंडिंग हुई है, कई बार ऐसे देशों में लैंडिंग हुई है जिनसे कोई संबंध नहीं हैं। लड़ाई आपकी देश और फौज से होती है, सरकार से होती है। अगर पाकिस्तान ने ऐसा किया है तो वह निंदनीय है। बता दें, 21 मई को मौसम खराब के कारण दिल्ली से श्रीनगर जा रहे विमान ने इमरजेंसी लैंडिंग के लिए पाकिस्तान के एटीएस से बात की थी लेकिन उन्होंने हवाई जहाज को अपने क्षेत्र में उतरने की इजाजत नहीं दी। दीक्षित ने तिरंगा यात्रा के सवाल पर कहा कि भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम के लिए तिरंगा यात्राओं को निकाला जाना बहुत अच्छी बात है। इसमें लोगों में एक अच्छा संदेश जाता है।

भाजपा सांसद का विवादित बयान

सुहाग खोने वाली महिलाओं में वीरांगनाओं जैसा जोश नहीं था, इसलिए 26 लोग मरे

भिवानी, 24 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले पर अब हरियाणा से भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अपना सुहाग खोने वाली महिलाओं में वीरांगना का भाव व जोश नहीं था, इसलिए 26 लोग गोली का शिकार बने। सांसद ने कहा कि पर्यटक हाथ जोड़कर मारे गए। अगर पीएम की योजना के तहत ट्रेनिंग लेते और सामना करते तो इतनी मौतें नहीं होतीं। वे शनिवार को भिवानी के पंचायत भवन में आयोजित अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान जिला संगोष्ठी कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे।

जांगड़ा ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं में वीरता की भावना पैदा करने के लिए एक बहुत बड़ी योजना (अग्निवीर) चलाई। पहलगाम हमले के बाद पूरा देश महसूस कर रहा है कि अगर मोदी देश के युवाओं को जो ट्रेनिंग देना चाहते हैं, वह ट्रेनिंग यात्रियों के पास होती तो 3 आतंकवादी 26 लोगों को नहीं मार पाते।

अगर यात्रियों के हाथ में लाठी, डंडा कुछ भी होता और वे चारों तरफ से आतंकवादियों की तरफ दौड़ते, तो मैं दावा करता हूं कि शायद 5 या 6 लोगों की ही जान जाती, लेकिन तीनों आतंकवादी भी मारे जाते। पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 टूरिस्ट की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

'डीएमके लीडरशिप मोदी-ईडी से नहीं डरता'

सीएम स्टालिन नीति आयोग की बैठक में शामिल हुए

चेन्नई, 24 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी डीएमके का लीडरशिप पीएम मोदी या ईडी से नहीं डरता है।

उनका यह बयान तब आया है जब उनके पिता और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन आज दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में शामिल हुए। उन्होंने यहां पीएम मोदी से मुलाकात भी की।

दरअसल, तमिलनाडु में विपक्ष की भूमिका में एआईएडीएमके है। पार्टी के नेता एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने कहा था कि डीएमके ने पिछले 3 साल से नीति आयोग की बैठकों का बहिष्कार किया। पिछली बार तमिलनाडु को मिलने वाले रकम का नुकसान हुआ। एमके स्टालिन इस साल इसलिए शामिल हुए हैं क्योंकि उन्हें जांच एजेंसियों की रेड का डर है।

डेलिगेशन में शामिल कांग्रेसी दिग्गज ने जापान यात्रा को बताया शानदार

> आतंकवाद के खिलाफ भारत को पूर्ण समर्थन

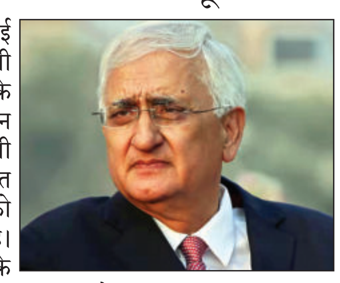

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के स्टैंड पर जापान से मिली प्रतिक्रिया पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि भारत के आतंकवाद विरोधी रुख को जापान का पूरा समर्थन मिला है। जेडी(यू) सांसद संजय झा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जापान गया है। सलमान खुर्शीद भी इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि यह दौरा बहुत अच्छा रहा। उन्होंने कहा, यह बहुत संतोषजनक और एक शानदार यात्रा रही। हमें बहुत प्रोत्साहन मिला कि भारत के आतंकवाद पर रुख को वहां सहज समर्थन मिला। यहां आतंकवाद के किसी भी रूप के खिलाफ पूरी सहमति है, और पहलगाम में जो नुकसान हुआ, उसके लिए विशेष संवेदना व्यक्त की गई। इस प्रतिनिधिमंडल में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्य शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल जापान में भारतीय समुदाय के साथ मिलकर आतंकवाद के खतरे के बारे में जागरूकता फैला रहा है। कांग्रेस नेता खुर्शीद ने कहा कि जापान ने प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठकों के दौरान आतंकवाद पर भारत के रुख का समर्थन किया। सलमान खुर्शीद ने आगे कहा, हमने ऑपरेशन सिंदूर को निलंबित कर दिया है, लेकिन हमने भविष्य के लिए कुछ संदेश दिए हैं। जापान जैसे देशों को हर तरह से हमारा समर्थन करना महत्वपूर्ण होगा।

काम कर रहे मजदूर की करंट लगने से मौत

सीहोर, 24 मई (एजेंसियां)। सीहोर जिले के धबोटी गांव में बिजली के खंभे में करंट दौड़ने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब वह लोडिंग वाहन से खली-चूरी उतार रहा था। इसी दौरान वह पास के बिजली पोल से टकरा गया। पोल में दौड़ रहे करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। शव को लेकर वे सीहोर मुख्यालय स्थित बिजली कार्यालय पहुंच गए और हंगामा कर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान प्रेम सिंह पिता ललता प्रसाद (35) निवासी पार्वती कॉलोनी के रूप में हुई।

केरल में 8 दिन पहले ही हो गई मॉनसून की एंट्री

साल 2009 में आखिरी बार हुआ था ऐसा

तिरुअनंतपुर, 24 मई (एजेंसियां)। इस बार अपने तय वक्त से 8 दिन पहले ही मानसून ने केरल के तट पर दस्तक दे दी। आईएमडी ने इसकी जानकारी दी है। पिछले 16 सालों में मानसून इस साल सबसे पहले पहुंच रहा है। आईएमडी के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून आज यानी 24 मई, 2025 को केरल में दस्तक दे चुका है, जबकि सामान्य तिथि 1 जून है। इस प्रकार, दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य तिथि से 8 दिन पहले केरल में दस्तक दे चुका है।

कब आता है मानसून?

केरल में मानसून सामान्यतः 1 जून तक आता है। आखिरी बार केरल में सबसे पहले 2001 और 2009 में मानसून इतनी जल्दी पहुंचा था।

तब मानसून ने 23 मई को ही केरल में एंट्री मार दी थी। वहीं साल 1918 में मानसून अब तक सबसे पहले पहुंचा था। उस साल 11 मई को ही मानसून केरल पहुंच गया था। वहीं 1972 में मानसून सबसे लेट पहुंचा था। इस साल 18 दिन की देरी से 18 जून को मानसून ने दस्तक दी थी।

कई राज्यों में भारी बारिश के आसार

मौसम विभाग ने हल्की और गरज के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, 15 राज्यों में अगले कुछ दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। बिहार, झारखंड और ओडिशा में 26 मई तक भारी बारिश हो सकती है। गुजरात, गोवा, महाराष्ट्र कर्नाटक और केरल के तटीय इलाकों में 200 एमएम तक बारिश हो सकती है। इन राज्यों में अगले सात दिन तक भारी बारिश हो सकती है।

तीन राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट

मौसम विभाग ने देश के तीन राज्यों में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। खराब मौसम की चेतावनी के साथ कर्नाटक के उत्तरा कन्नड़, उडुपी, दक्षिण कन्नड़, कोडागु, शिवमोग्गा और चिकमंगलूर जिलों में भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। गोवा में भी 25 मई तक भारी बारिश की चेतावनी के साथ रेड अलर्ट घोषित किया गया है। वहीं मानसून के एंट्री प्वाइंट केरल के कई जिलों में 27 मई तक भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

एटीएस ने कच्छ सीमा से संदिग्ध पाकिस्तानी जासूस को किया गिरफ्तार

बीएसएफ ने बनासकांठा में ढेर किया घुसपैठिया

अहमदाबाद, 24 मई (एजेंसियां)। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने कच्छ सीमा के पास एक संदिग्ध पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया है। उसक पहचान सहदेव गोहिल के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, सहदेव गोहिल कच्छ के दयापार में एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहा था। वह कथित तौर पर पाकिस्तान की ओर से जासूसी गतिविधियों में शामिल था।

रिपोर्ट के मुताबिक, जांच में पता चला है कि सहदेव गोहिल अदिति भारद्वाज नाम की एक महिला के संपर्क में आया था, जो एक पाकिस्तानी जासूस है। इस बीच बीएसएफ के जवानों ने 23 मई की रात गुजरात के बनासकांठा जिले में भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। बीएसएफ ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके सीमा बाड़ की ओर बढ़ते देखा। उन्होंने घुसपैठिए को चुनौती दी, लेकिन वह आगे बढ़ता रहा, जिससे उन्हें गोली चलानी पड़ी। घुसपैठिए को मौके पर ही मार गिराया गया।

कांग्रेस ने नीति आयोग को बताया 'अयोग्य निकाय'

कहा ये सिर्फ पाखंड और भेदभाव बढ़ाने वाली कवायद

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने नीति आयोग की बैठक पर तीखा हमला बोलते हुए इसे अयोग्य निकाय बताया और कहा कि यह और कुछ नहीं बल्कि पाखंड और भेदभाव बढ़ाने वाली कवायद है। कांग्रेस के संचार प्रभारी और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट कर शनिवार को हो रही नीति आयोग की बैठक पर सवाल खड़े किए।

नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की यह बैठक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रही है, जिसका उद्देश्य विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा करना है।

ये कैसा विकसित भारत होगा

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ये कैसा विकसित भारत होगा अगर जो लोग सत्ता में बैठे हैं, वो ही देश के सामाजिक सद्भाव को अपने शब्दों और कर्मों से तबाह करने लगें? ये कैसा विकसित भारत होगा, अगर सत्ता में बैठे लोग ही अपने नापाक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संसद, न्यायपालिका, विश्वविद्यालयों, मीडिया और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करेंगे? कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि 'ये किस तरह का विकसित भारत होगा, अगर जिन मूल्यों के लिए हमेशा भारत खड़ा रहा, उन्हें ही संस्थागत तरीके से खत्म किया जाएगा? ये किस तरह का विकसित भारत होगा, जहां आर्थिक असमानता होगी और धन सिर्फ कुछ लोगों तक ही सीमित रहेगा? अगर भारत की गौरवशाली विविधताओं का जानबूझकर अपमान किया जाएगा और उन्हें खत्म करने की कोशिश होगी?'

कुएं में गिरा तेंदुआ, वन विभाग की टीम ने बचाया चिड़ियाघर लाए

इंदौर, 24 मई (एजेंसियां)। इंदौर जिले में कुएं में गिरे तेंदुए को वन विभाग ने जिंदा बाहर निकाला है। वह पानी से भरे कुएं में गिर गया था। पाइप के सहारे वह कुएं में रहा। सुबह जब किसान की नजर उस पर पड़ी तो वन विभाग को सूचना दी। पिंजरा डालकर उसे बाहर निकाला गया। संभवतः वह रात भर से कुएं में था। इंदौर से करीब 20 किलोमीटर दूर दतोदा गांव के एक खेत के कुएं में तेंदुआ गिर गया था और ग्रामीणों की भीड़ इसके आस-पास जमा हो गई थी। इसकी सूचना मिलने पर वन विभाग ने बचाव दल भेजकर तेंदुए को पानी से भरे कुएं से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जब उसे इंदौर के चिड़ियाघर में लाए तो वह पिंजरे में बैठे-बैठे गुर्राता रहा रेंजर योगेश यादव ने बताया तेंदुए को इंदौर के चिड़ियाघर लाकर पिंजरे में कुछ समय के लिए निगरानी में रखा गया है।

तिहाड़ जेल के लिए नई जगह की तलाश, क्या हैं चुनौतियां

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी जेल तिहाड़ के लिए नई जगह तलाशने का काम इतना आसान नहीं है। करीब 400 एकड़ में फैले तिहाड़ जेल परिसर को जहां भी शिफ्ट किया जाएगा, वहां कम से कम 400 एकड़ जमीन तो होनी ही चाहिए। साथ ही, इसकी कड़ी निगरानी और सुरक्षा के लिए इसके चारों ओर बफर जोन भी बनाया जाना चाहिए। इसके लिए इसकी परिधि में कम से कम 400 एकड़ जमीन खाली होनी चाहिए। फिलहाल दिल्ली की किसी भी जेल की परिधि में बफर जोन नहीं है। भविष्य में बनने वाली जेलों में भी ऐसी व्यवस्था हो, इसके लिए अधिकारी सतर्क हैं।

अभी मास्टर प्लान में बफर जोन की नहीं कोई व्यवस्था

एक तो आबादी से दूर 400 एकड़ जमीन मिलना मुश्किल है और दूसरा बफर जोन के लिए अतिरिक्त जमीन का इंतजाम करना मुश्किल है। दूसरी बड़ी समस्या यह है कि किसी भी राज्य के मास्टर प्लान में जेल के साथ बफर जोन का प्रावधान नहीं है। अगर बफर जोन बनाना है तो मास्टर प्लान में इसका प्रावधान करना होगा।

अभी क्या है हाल?

तिहाड़ जेल की बात करें तो इसकी चारदीवारी से सटे इलाके में आपको सबकुछ दिखेगा- व्यस्त सड़कें, फ्लाईओवर, घनी आबादी वाली रिहायशी कॉलोनियां, पेट्रोल पंप, बहुमंजिला सरकारी दफ्तर। इन जगहों पर कोई भी कभी भी बिना किसी रोक-टोक के आ-जा सकता है। फ्लाईओवर से कोशिश करें तो तिहाड़ जेल परिसर की अर्ध और खुली जेल साफ नजर आती है। सड़क और जेल की चारदीवारी के बीच की दूरी इतनी कम है कि अगर कोई बाहर से तेज आवाज भी लगाए तो ध्यान देने पर अंदर से सुनाई दे सकती है। अगर कोई बाहर से कोई चीज अंदर फेंकना चाहे तो यह भी आसानी से किया जा सकता है। मंडोली जेल परिसर की चारदीवारी और कॉलोनी के बीच सिर्फ एक सड़क की दूरी है।

मोबाइल नेटवर्क को रोक पाना असंभव

जेल अधिकारियों का कहना है कि सबसे बड़ी समस्या मोबाइल नेटवर्क को लेकर है। जेल परिसर की बाहरी चारदीवारी से कम से कम 500 मीटर की दूरी पर कोई भी मोबाइल टावर नहीं होना चाहिए, ताकि किसी भी हालत में इसका नेटवर्क जेल परिसर तक न पहुंच सके। लेकिन अभी ऐसा नहीं हो रहा है। अभी जेल के आसपास बड़ी संख्या में मोबाइल टावर लगे हुए हैं। इनसे जेल के जैमर की क्षमता कम हो जाती है। वहीं कई बार जेल के जैमर की वजह से रिहायशी कॉलोनी में भी नेटवर्क प्रभावित होता है। यानी समस्या दोनों तरफ होती है।

मानसून से पहले निगम को आई खतरनाक मकानों की याद

चार हजार वर्गफीट में बना पुराना मकान तोड़ा

इंदौर, 24 मई (एजेंसियां)। बरसात से पहले इंदौर नगर निगम एक्शन में आ गया है। छोटी ग्वालटोली क्षेत्र में अति संवेदनशील स्थिति में पहुंचे एक जर्जर भवन को ध्वस्त कर दिया गया। करीब चार हजार स्क्वेयर फीट में बने इस खतरनाक भवन को लेकर निगम ने पंद्रह दिन पहले ही नोटिस जारी कर दिया था, लेकिन मकान मालिक ने खतरनाक हिस्से को नहीं तोड़ा। शनिवार सुबह नगर निगम का अमला मौके पर पहुंचा, तो किराएदारों भवन में थे। उन्होंने सामान निकालने को कहा तो किराएदार विरोध करने लगे। उनका कहना है कि वे वर्षों से मकान में रह रहे है, लेकिन उन्हें मकान मालिक की तरफ से पर्याप्त मुआवजा नहीं दिया गया। अफसरों ने कहा कि हादसा न हो, इसलिए मकान तोड़ना जरुर है। दबाव बनाने के बाद किराएदारों ने सामना बाहर निकाला और नगर निगम ने जेसीबी की मदद से मकान को तोड़ना शुरू कर दिया। निगम के अमले के साथ पुलिस जवान भी मौजूद थे। इस कारण विरोध करने वाले प्रदर्शन नहीं कर पाए। करीब दो घंटे में पूरे मकान को जमींदोज कर दिया गया।

यह मकान 70 साल से ज्यादा पुराना था और तल मंजिल के हिस्से में कुछ दुकानें भी थी। मकान तोड़े जाने के दौरान कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित होता रहा नगर निगम अब अन्य जर्जर भवनों की सूची पर भी कार्रवाई की तैयारी में है ताकि बारिश में कोई बड़ा हादसा न हो सके। खतरनाक मकानों की सूची में 100 से ज्यादा मकान है।

अस्पताल में भर्ती सत्यपाल मलिक

सीबीआई चार्जशीट के बाद लिखा पोस्ट

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक इन दिनों बीमारी के चलते दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती हैं। जिसके जानकारी उन्होंने खुद अपने एक्स हैंडल पर दी थी। वहीं दूसरी तरफ सीबीआई ने किरु जल विद्युत परियोजना में 2200 करोड़ के घोटाले में भ्रष्टाचार को लेकर सत्यपाल मलिक के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इसमें सात अन्य आरोपी भी शामिल हैं। और आज सत्यपाल मलिक ने उनके स्वास्थ्य को लेकर मिलने वाले युवाओं को धन्यवाद किया है। जिसका पोस्ट भी उनके अधिकृत अकाउंट से है। राजस्थान यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष निर्मल चौधरी को धन्यवाद देते हुए सत्यपाल मलिक ने लिखा, "आज आप युवाओं से मिलकर शरीर में वही जोश व हिम्मत आ गई जो किसान मसीहा चौधरी चरणसिंह जी के समय मेरे अंदर थी। मैं जल्द ही स्वस्थ होकर जनता के बीच जाऊंगा ओर बेरोजगार युवाओं व किसानों के मुद्दे निरंतर उठाऊंगा।

राहुल गांधी ने की मुलाकात

पूर्व राज्यपाल मलिक से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी मुलाक़ात की थी, उन्होंने उनके स्वास्थ्य के बारे में हालचाल लेकर जल्द स्वस्थ्य होने की प्रार्थना की थी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी पूर्व राज्यपाल के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई थी।

संजय सिंह हुए नाराज

आम आदमी पार्टी के महासचिव और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सीबीआई चार्जशीट की टाइमिंग को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा, मोदी सरकार निर्दयी है। एक तरफ सत्यपाल मलिक अस्पताल में भर्ती हैं, जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। दूसरी तरफ सीबीआई ने आज उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है।

इसलिए चर्चा में सत्यपाल मलिक

यहां बता दें कि पूर्व राज्यपाल मलिक किसान आन्दोलन से मोदी सरकार के खिलाफ बगावत पर उतर आए थे। उन्होंने कई संगीन आरोप मोदी सरकार पर लगाए। यही नहीं उन्होंने 2019 पुलवामा अटैक पर कई गंभीर सवाल दागे, जिसके बाद मालिक मोदी सरकार के निशाने पर आ गए। विपक्षी नेताओं ने भी पूर्व राज्यपाल को समर्थन दिया। और अब जल विद्युत परियोजना में नाम शामिल करना उनके खिलाफ साजिश बताया जा रहा है।

सिरसा में नशे के लिए प्रयोग होने वाली गोलियों को बढ़ रहा कारोबार

घर से 81900 गोलियां व कैप्सूल बरामद

सिरसा, 24 मई (एजेंसियां)। पंजाब के साथ लगते कालांवाली और डबवाली में वैकल्पिक तौर पर नशे के लिए प्रयोग होने वाली गोलियां व कैप्सूल बरामद किए जा रहे है। मेडिकल एक्ट के तहत आरोपियों पर ड्रग्स विभाग कार्रवाई करता है। एनडीपीएस एक्ट में नहीं आने कारण आरोपियों को कोर्ट से लाभ मिल जाता है और जमानत पर आरोपी बाहर आ जाता है। इसी प्रकार की एक कार्रवाई कालांवाली पुलिस टीम ने सूचना के आधार आरोपी चिराग गर्ग उर्फ चिंकी पुत्र अशोक कुमार गर्ग निवासी नजदीक आईस फैक्ट्री मंडी कालांवाली के घर से 81900 गोलियां व कैप्सूलों बरामद किए है। इन दवाओं को वैकल्पिक तौर पर प्रयोग किया जाता है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए चौकी शहर कालांवाली प्रभारी एसआई सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर उन्होंने मंडी कालांवाली में एक घर पर रेड की तो आरोपी चिराग उर्फ चिंकी के घर से कार्टूनों में 32400 कैप्सूल पैरोग्बलिन यानी सिग्नोर व 49,500 गोलियां टेपेंटाडोल बरामद की। दोनों दवाएं बिना वैध लाइसेंस व चिकित्सीय परामर्श के रखना गैरकानूनी है। इस दौरान ड्रग्स इंस्पेक्टर ने मौके पर अपनी रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस इस मामले में आगामी कार्रवाई करेंगे। हाल ही में सीआईए कालांवाली की टीम ने कार सवार व्यक्ति जोगेंद्र पुत्र जगदीश निवासी मंदिर गली, पुरानी मंडी, कालांवाली को 72,400 नशीली गोलियों व कैप्सूल के साथ काबू किया था।

आतंकियों को भारत की जमीन पर नहीं दफनाया जाएगा

जनाजे की नमाज नहीं पढ़ाई जाएगी', चीफ इमाम का फतवा जारी

ग्वालियर, 24 मई (एजेंसियां)।

आतंकवाद पर एक बड़ी चोट की गई है। ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के चीफ इमाम डॉ उमर अहमद इलियासी ने आतंकवाद के खिलाफ फतवा जारी किया है। उन्होंने फतवा जारी कर कहा है, 'देश में मरने वाले आतंकवादी के जनाजे की नमाज नहीं पढ़ाई जाएगी। आतंकियों को भारत की जमीन पर नहीं दफनाया जाएगा। आतंकी संगठन अपने नाम से इस्लाम और मोहम्मद जैसे पाक शब्द भी हटाएं।'

लव जिहाद को लेकर कही ये बात

इलियासी ने लव जिहाद को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा, 'जो शादी समाज में होती हैं, उनमें बरकत होती है। जिहाद जैसे शब्द ही नापाक हैं, जिन शादियों से फसाद फैलता हो, उससे बचना चाहिए। परहेज करना चाहिए। नाम व पहचान छुपाकर ऐसे कामों को नहीं करना चाहिए। समाज में अच्छे लोग ज्यादा होते हैं, और बुरे लोग कम होते हैं। बलूचिस्तान की मांग को लेकर चीफ इमाम ने कहा, 'मुस्लिम समाज भारत की डिप्लोमेसी और पॉलिसी के साथ है। बलूचिस्तान की लंबे समय से मांग हो रही है। पाकिस्तान अन्याय कर रहा है, बलूचिस्तान की आजादी का वक्त आ गया है। आजादी सभी का अधिकार, बलूचिस्तान आजाद होना चाहिए।' शंकराचार्य के इस्लाम को आतंकवाद का धर्म बताने वाले बयान पर चीफ इमाम इलियासी बोले, 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता है। आतंकवादी, आतंकवादी होता है, शैतान होता है।

शैतान के साथ शैतानों सा व्यवहार करना चाहिए।' जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर इलियासी ने कहा, 'जनसंख्या नियंत्रण कानून राष्ट्रीय विषय है। जो देशहित में होता है, उस पर किसी को आपत्ति नहीं होना चाहिए।' वक्फ कानून को लेकर डॉ इलियासी ने कहा, 'मामला विधाराधीन है, फिर भी भारत सरकार जो नया कानून लाई है, वह कहीं ना कहीं बेहतर है।'

विपक्ष को लेकर कही ये बात

भारत पाक तनाव पर राहुल गांधी के सवालों को लेकर इलियासी ने कहा, 'मैं किसी भी उन वक्तव्यों को नहीं मानूंगा, जो देश की पॉलिसी के विरोध में हो। आज भारत एकजुट है और जब से पीएम मोदी आए हैं, विपक्ष लगातार हमलावर है। विपक्ष खुद ईमानदार नहीं है। 2014 में आई मोदी सरकार ने कोई तो सही काम किया होगा, हर काम का विपक्ष द्वारा विरोध करना, उन पर सवाल खड़े करता है। देशहित में हो रहे कार्यों पर प्रधानमंत्री का समर्थन करना चाहिए, खासतौर पर आतंकवाद के मामले में।' इलियासी ने कहा, 'सोशल मीडिया पर भी लोगों के अलग अलग मत हैं। एकजुटता के साथ ही आतंकवाद से मुकाबला हो सकता है। कोई सवालिया निशान ना लगाया जाए।' ग्वालियर में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने आए डॉ इल्यासी ने मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए ये बातें कहीं।

फैक्टरी में लगी भीषण आग, धमाकों के बाद भरभराकर गिरी इमारत

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार सुबह एक प्लास्टिक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस दौरान फैक्टरी में कई धमाके हुए, जिससे फैक्टरी की इमारत भरभराकर गिर गई। गनीमत है कि इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नही है।

दमकल विभाग के अनुसार, सुबह करीब 4:50 बजे बवाना औद्योगिक क्षेत्र में स्थित फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की 17 गाड़ियां तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया।

इस दौरान फैक्टरी में कुछ धमाके हुए और फैक्टरी की इमारत गिर गई। धमाकों की तेज आवाज और काले धुएं का गुबार दूर तक फैल गया। फिलहाल दमकल कर्मी आग पर काबू पाने और राहत कार्य में जुटे हुए हैं। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस और प्रशासन ने इलाके को अपने कब्जे में ले लिया है।

2 महीने तक रोज बैंक में मारो झाड़ू

लोन लेने वाली महिला को कोर्ट ने क्यों दी ये सजा?

भुवनेश्वर, 24 मई (एजेंसियां)। ओडिशा हाईकोर्ट ने जालसाजी के एक मामले में हैरान कर देने वाला फैसला सुनाया है, जिसकी चर्चा अब हर तरफ हो रही है। इसके साथ ही फैसले में जो शर्त रखी है उसकी भी चर्चा हो रही है। कोर्ट ने जालसाली के मामले में जेल में बंद एक महिला की जमानत याचिका पर सुनवाई पर ये फैसला सुनाया है। जमानत पर रिहा होने के बाद आवेदनकारी महिला को कटक रिंगरोड स्थित आईसीआईसीआई बैंक शाखा परिसर की 2 महीने तक सफाई करनी होगी। सुबह 8 से 10 बजे के दौरान आवेदनकारी आईसीआईसीआई बैंक परिसर को साफ करेगी। इसके लिए आईसीआईसीआई बैंक को आवेदनकारी को खुद अनुरोध करना होगा। जमानत पर रहने के दौरान आवेदनकारी किसी आपराधिक मामले में शामिल नहीं होगी। इसके अलावा महिला बैंक के बैंक में सफाई के दौरान और सफाई सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस की रहेगी।

महिला ने गिरवी रखी जमीन बेंची

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, महिला और उसके साथ वाले ने आईसीआईसीआई बैंक की कटक ब्रांच से कुल मिलाकर 1.05 करोड़ का लोन लिया था। ये लोन 3 अलग-अलग बार में लिया गया। बैंक से लोन लेने के एवज में महिला और उसके साथी ने भुवनेश्वर में तीन आवासीय संपत्तियों को गिरवी रखा था, लेकिन तीनों लोन जब्त होने से पहले महिला के सह-उधारकर्ता ने गिरवी रखी गई संपत्तियों में से एक को तीसरे व्यक्ति को बेच दिया, जिसने तुरंत बैंक में शिकायत दर्ज कराई। महिला और उसके साथी ने यह लोन साल 2018 में लिया था। पुलिस इस मामले में महिला की लंबे समय में तलाश कर रही थी।

क्राइम ब्रांच की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 5 फरवरी को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं 420 (धोखाधड़ी), 467 (जालसाजी), 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी), 471 (जाली दस्तावेज को असली के रूप में इस्तेमाल करना) और 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत गिरफ्तार किया था। कोर्ट के इस फैसले की चर्चा अब देश भर में हो रही है। तो वहीं दूसरी तरफ इस तरह का क्राइम करने वालों की नींद उड़ गई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
रविवार, 25 मई, 2025

मेरा हैदराबाद

सुविचार: व्यक्ति की सफलता उसके कर्म पर आधारित होती है कर्म अच्छे करो सफलता ज़रूर मिलेगी ।

मुख्यमंत्री रेवंत ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

राज्य के मुद्दों पर चर्चा की

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और तेलंगाना में कई विकास कार्यों के लिए केंद्रीय सहायता पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने हैदराबाद मेट्रो रेल चरण-2 परियोजना के लिए धन आवंटन की मांग की। उन्होंने कहा कि हैदराबाद के कई अन्य हिस्सों में मेट्रो का विस्तार करने की तत्काल आवश्यकता है क्योंकि पिछली बीआरएस सरकार द्वारा पिछले 10 वर्षों में कोई विस्तार नहीं किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने पहले ही चरण-2 के प्रस्ताव आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय को सौंप दिए हैं और प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि वे आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय को हैदराबाद मेट्रो रेल चरण-2 परियोजना के लिए तेजी लाने और कैबिनेट की मंजूरी देने का निर्देश दें। रेवंत रेड्डी ने नरेंद्र मोदी से क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) परियोजना के लिए वित्तीय स्वीकृति और कैबिनेट की मंजूरी देने का भी आग्रह किया। उन्होंने उत्तरी गलियारे के साथ-साथ आरआरआर के दक्षिणी हिस्से को भी समानांतर रूप से मंजूरी देने का अनुरोध किया। >>14

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश खरीद और निर्यात को सुचारू बनाने के लिए मिलकर करेंगे काम

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश ने खरीद को सुव्यवस्थित करने, खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने और निर्यात क्षमता को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों राज्यों के नागरिक आपूर्ति मंत्रियों और उनके नागरिक आपूर्ति आयुक्तों की भागीदारी में यहां आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक ने इस समझौते का मार्ग प्रशस्त किया। इस समझौते में आंध्र प्रदेश के बंदरगाह बुनियादी ढांचे का उपयोग करके संयुक्त निर्यात संचालन और प्रभावी खरीद और वितरण के लिए ज्ञान-साझाकरण तंत्र शामिल है। तेलंगाना को रणनीतिक भंडारण सुविधाएं प्राप्त होंगी, जबकि आंध्र काकीनाडा बंदरगाह के माध्यम से चावल निर्यात की सुविधा प्रदान करेगा। जल्द ही गठित की जाने वाली एक समन्वय समिति इस पहल के कार्यान्वयन की देखरेख करेगी।

कुख्यात वाहन चोर गिरफ्तार, पांच वाहन बरामद

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। लैंगर हाउस पुलिस ने बाइक चोरी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इस मामले में वर्तिया गोपाल उर्फ तावरिया निवासी डोतनपल्ली गांव, महाराजपेट पंचायत, शंकरपल्ली मंडल, रंगारेड्डी को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त दक्षिण पश्चिम क्षेत्र, हैदराबाद ने चन्द्र मोहन बताया कि 23 मई को शाम सैयद खाजा पुत्र सैयद यासीन, निवासी एडी बाजार, फतेह शाह नगर, संतोष नगर, हैदराबाद 5 मई को अपनी होंडा सीबी शाइन मोटरसाइकिल को रामालयम ग्राउंड, लैंगर हाउस में पार्क किया तथा सजावट के कार्य हेतु मोइनाबाद चले गए। जब वे अगले दिन वापस लौटे तो उन्होंने पाया कि बाइक गायब थी। उन्होंने आस-पास के क्षेत्रों में खोजबीन की, लेकिन बाइक नहीं मिल पाई तथा उन्हें संदेह हुआ कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी की है। चोरी हुई बाइक का अनुमानित मूल्य 50 हजार रूपये है। कार्य में व्यस्त होने के कारण उन्होंने बाद में थाने में शिकायत दर्ज कराई तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर लैंगर हाउस थाने में अपराध क्रमांक 101/2025 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। 23 मई को रात एसआई राघवेंद्र क्राइम स्टाफ के साथ रामालयम मंदिर के पास बापूघाट के पास गश्त कर रहे थे। गश्त के दौरान उन्होंने एक व्यक्ति को संदिग्ध तरीके से घूमते देखा। जब उन्होंने उससे पूछताछ की तो उसने मौके से भागने की कोशिश की। हालांकि क्राइम स्टाफ की मदद से उसे कुछ ही दूरी पर पकड़ लिया गया और थाने लाया गया। गहन पूछताछ करने पर उसने अपना नाम वर्तिया गोपाल उर्फ टावरिया बताया और विभिन्न थानों की सीमा में कई बाइक चोरी करने की बात कबूल की। लैंगर हाउस पुलिस ने चोरी की पांच बाइक बरामद की। डीसीपी ने बताया कि बाइक चोर, वर्तिया गोपाल उर्फ तावरिया, मोटरसाइकिल चोरी करने के लिए व्यस्त और भीड़भाड़ वाली जगहों को निशाना बनाता है। वह आमतौर पर बस स्टॉप, रेलवे स्टेशन, मंदिर और यहां तक कि शराब की दुकानों और बार के बाहर के इलाकों में जाता है।

वह बाइक को अनलॉक करने और चोरी करने के लिए डुप्लीकेट मास्टर चाबी का इस्तेमाल करता है, जिसे वह अपनी बुरी आदतों, जैसे शराब, ताड़ी और सिगरेट पीने के लिए बहुत कम कीमत पर जरूरतमंद व्यक्तियों को बेच देता है।

वह विभिन्न क्षेत्रों में, विशेष रूप से लैंगर हाउस पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में ये चोरियाँ कर रहा है। उसके कुछ मुख्य संचालन स्थलों में बापू घाट बस स्टॉप और अन्य व्यस्त सार्वजनिक स्थान शामिल हैं जहाँ लोग अक्सर अपने वाहनों को लावारिस छोड़ देते हैं।

ओवैसी खाड़ी पहुंचे और शिंदे हुए रवाना

ऑपरेशन सिंदूर की शुरूआत

दुबई, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल करते हुए, केंद्र सरकार प्रमुख देशों से इस ऑपरेशन पर भारत का रुख बताने के लिए संपर्क कर रही है। शनिवार को एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल बहरीन पहुंचा। भाजपा सांसद बैजयंत जय पांडा के नेतृत्व में हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी सहित अन्य लोगों के साथ आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत भारतीय राजदूत विनोद के. जैकब ने किया।

51 राजनीतिक नेताओं के साथ कुल सात प्रतिनिधिमंडल दुनिया के विभिन्न हिस्सों का दौरा कर रहे हैं। इनमें तेलंगाना से असदुद्दीन ओवैसी अकेले सांसद हैं।

झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, जो मुसलमानों पर अपनी विवादास्पद टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं, ओवैसी के साथ प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे, जो इस्लाम के जन्मस्थान सऊदी अरब, कुवैत और अल्जीरिया का भी दौरा करेंगे। दुबे ने पहले टिप्पणी की थी कि वह और ओवैसी दोनों एक ही प्रतिनिधिमंडल में हैं, 'यह लोकतंत्र की खूबसूरती है'। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आज़ाद और विदेश मंत्रालय के पूर्व सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ओवैसी के साथ प्रतिनिधिमंडल में अन्य उल्लेखनीय व्यक्ति हैं।

प्रतिनिधिमंडल कुवैत जाएगा और वहां से 27 तारीख को सऊदी अरब जाएगा तथा 30 तारीख को अल्जीरिया के लिए रवाना होगा।

इसके अलावा, शिवसेना सांसद श्रीकांत एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में एक अन्य प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अपनी यात्रा पूरी की, जहां उन्होंने भारत के रुख को समझाने के लिए शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की।

इसमें भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज और मुस्लिम लीग के सांसद ईटी मोहम्मद बशीर भी शामिल थे।

उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए मिला 5 करोड़ का अनुदान

राष्ट्रीय प्रासंगिकता के साथ उन्नत तकनीकी अनुसंधान को देना है बढ़ावा

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) को डिजिटल ट्विन प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से 5 करोड़ रुपये के सीएसआर फंड से अपनी शोध और नवाचार क्षमताओं को बढ़ावा मिला है। इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय प्रासंगिकता के साथ उन्नत तकनीकी अनुसंधान को बढ़ावा देना है।

सीएसआर निधि का उपयोग एक व्यापक अनुसंधान अवसंरचना स्थापित करने के लिए किया जाएगा, जिसमें अत्याधुनिक डिजिटल ट्विन अनुसंधान प्रयोगशाला, व्यावहारिक कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण प्रयोगशाला, तथा डिजिटल ट्विन प्रौद्योगिकियों में छात्रों और शोधकर्ताओं के कौशल उन्नयन के उद्देश्य से सतत प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं की सुविधा के लिए पूर्ण रूप से सुसज्जित सभागार शामिल होगा।

इस केंद्र का उद्देश्य डिजिटल ट्विन प्रणालियों में अत्याधुनिक अनुसंधान, अंतःविषय सहयोग और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना है, जो एयरोस्पेस, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण और स्मार्ट बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों के लिए तेजी से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। इस प्रस्ताव की परिकल्पना प्रो. सम्राट सबात और प्रो. सिबा उद्गाता ने की थी, जिसमें प्रो. एम. घनश्याम कृष्ण का भी योगदान था। प्रो. सबात आईओई इंटरडिसिप्लिनरी सेंटर के तहत एआई रिसर्च क्लस्टर में परियोजना के कार्यान्वयन का नेतृत्व करेंगे। हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.जे. राव ने कहा कि यह आगामी केंद्र डिजिटल ट्विन प्रौद्योगिकी में नवाचार और मानव संसाधन विकास के लिए एक राष्ट्रीय संसाधन के रूप में काम करेगा।

तेलंगाना सरकार ने बीआरएओयू को 100 करोड़ रुपये मंजूर किए

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय के डॉ.बी.आर. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय शोध केंद्र की स्थापना के लिए 100 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। शनिवार को कुलपति प्रो. घंटा चक्रपाणि ने विश्वविद्यालय के निदेशकों, डीन, विभागाध्यक्षों और विभिन्न सेवा संघों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और शोध केंद्र की आवश्यकता बताई। उन्होंने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और राज्य सरकार के अन्य लोगों को उनके प्रस्तावों को मंजूरी देने और धनराशि मंजूर करने के लिए धन्यवाद दिया।

विभिन्न पबों पर छापेमारी में 2 लोग ड्रग्स के लिए पाए गए पॉजिटिव

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद विशेष अभियान दल (एसओटी) ने माधापुर क्षेत्र के विभिन्न पबों में छापेमारी की और मेहमानों का मौके पर ही ड्रग परीक्षण किया, जिनमें से दो में शनिवार को मारिजुआना सेवन की पुष्टि हुई। सूचना के आधार पर एसओटी अधिकारियों ने पबों पर छापा मारा और कम से कम 10 संभावित ड्रग उपभोक्ताओं की पहचान की। उनमें से पांच का उन्नत ड्रग परीक्षण किया गया और उनमें से दो व्यक्तियों का परीक्षण सकारात्मक आया।

अधिकारियों ने अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग किया, जिसमें उन्नत ड्रग डिटेक्शन किट, त्वरित परिणाम देने वाली मूत्र और लार परीक्षण किट शामिल हैं। इन उपकरणों की मदद से मौके पर ही सटीकता के साथ जांच की जा सकी। उन्नत तकनीक ने तत्काल परिणाम सुनिश्चित किए।

इस बीच, पुलिस अधिकारियों ने शहर भर के सभी पब और बार को निर्देश दिया है कि वे प्रमुखता से प्रदर्शित करें कि उनका प्रतिष्ठान नशा-मुक्त स्थान है और कम उम्र में शराब पीने के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति का सख्ती से पालन करें। इन मानदंडों का किसी भी प्रकार का उल्लंघन गंभीर कानूनी परिणामों को आकर्षित करेगा। नशीली दवाओं के सेवन या तस्करी के बारे में सूचना टीजीएएनबी के टोल-फ्री नंबर 1908 पर दी जा सकती है।

केसीआर को कोई भी पत्र लिख सकता है : केटीआर

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने पार्टी एमएलसी और उनकी बहन के. कविता का नाम लिए बिना आज कहा कि अगर कोई बीआरएस पार्टी में सुझाव देना चाहता है तो वह पार्टी प्रमुख केसीआर को पत्र लिख सकता है। उन्होंने कविता को परोक्ष रूप से चेतावनी दी कि पार्टी के भीतर ही बात करना बेहतर है। केटीआर ने शहर के तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए कविता के पत्र पर प्रतिक्रिया दी। इस अवसर पर बोलते हुए केटीआर ने कहा कि उनकी पार्टी में लोकतांत्रिक भावना है और उन्होंने कहा कि पार्टी में कोई भी सुझाव दे सकता है और कोई भी पत्र लिख सकता है।

नकली कपास के बीज की तस्करी के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नाटक से कागजनगर तक नकली कपास के बीज की तस्करी करने के आरोप में टास्क फोर्स टीम ने शनिवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 60 लाख रुपये कीमत के 20 क्विंटल बीज और एक वैन जब्त की है। एक अन्य आरोपी फरार हो गया है।

गिरफ्तारियों की जानकारी मीडिया को देते हुए जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने बताया कि कागजनगर के कोट्टापल्ली सदाशिव, कुरनूल के पुप्पाला लक्ष्मण और महाराष्ट्र के अहेरी के संतोष किशोर को बीज की तस्करी के आरोप में पकड़ा गया है। कागजनगर में वाहन जांच के दौरान उन्हें वैन में बीज ले जाते हुए पकड़ा गया। राजन्ना-सिरसिल्ला जिले का वेणुगोपाल रेड्डी अभी भी फरार है।

पूछताछ के दौरान सदाशिव ने पैसे कमाने के लिए अपराध करना कबूल किया। उसने वेणुगोपाल रेड्डी और लक्ष्मण की मदद से कर्नाटक के एक निर्माता से बीज खरीदने की बात स्वीकार की। उसने खुलासा किया कि वह संतोष की मदद से जिले और पड़ोसी महाराष्ट्र के किसानों को बीज बेच रहा था। कागजनगर डीएसपी ए रामानुजम, टास्क फोर्स इंस्पेक्टर राणाप्रताप, ग्रामीण इंस्पेक्टर श्रीनिवास राव, टास्क फोर्स एसआई वेंकटेश, ग्रामीण एसआई संदीप, टास्क फोर्स के कर्मचारी मधु, रमेश, मोहम्मद, देवेंद्र और संजीव मौजूद थे।

एनआईएमजेड विस्थापितों को रेवंत रेड्डी से मिलने से रोका गया

संगारेड्डी, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी पुलिस ने राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना क्षेत्र (एनआईएमजेड) के विस्थापित गांवों के लोगों को जहीराबाद में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की जनसभा स्थल तक पहुंचने से रोक दिया। जब लोग अपने-अपने गांवों से जहीराबाद शहर की ओर बढ़ने के लिए एकत्र हुए, तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

विस्थापितों ने कहा कि वे मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं उठाना चाहते थे। पुलिस ने केवल चार प्रतिनिधियों को ही अनुमति दी जो वास्तव में कांग्रेस पार्टी से जुड़े थे। विस्थापित ग्रामीणों ने ममीडगी, गंगवार जंक्शन और कई अन्य स्थानों पर पुलिस के साथ बहस की। इस बीच, पुलिस ने जहीराबाद और अन्य स्थानों पर कई लोगों को एहतियातन हिरासत में भी लिया, क्योंकि उन्हें संदेह था कि वे जनसभा में खलल डाल सकते हैं।

श्रीवारी सेवा को विदेशों में भी विकसित करने की कार्ययोजना : टीटीडी ईओ

तिरुमला, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ईओ जे. श्यामला राव ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन चंद्रबाबू नायुडू के निर्देशानुसार विदेशों में भी श्रीवारी सेवा को विकसित करने की कार्ययोजना तैयार की है। 14 देशों से आए एनआरआई के साथ वर्चुअल मीटिंग हुई।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, JC 783694N, Nb Sub, Narendra Kumar Poonia, R/o, Churu Dist, Rajasthan, changed my Father's name from Norang Singh Poonia to Norang Singh vide Affidavit dt 23.05.2025, before Medchal Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

फर्जी पुलिस अधिकारी गिरफ्तार

नौकरी दिलाने के नाम पर कई लोगों से लाखों की ठगी

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स, पश्चिम क्षेत्र टीम के अधिकारियों ने मुशीराबाद पुलिस के साथ मिलकर एक व्यक्ति को पकड़ा जो खुद को वन बीट अधिकारी या पुलिस अधिकारी बताकर लोगों को सरकारी नौकरी दिलाने का वादा करके उनसे धोखाधड़ी से पैसे वसूल रहा था। पुलिस उपायुक्त, आयुक्त टास्क फोर्स, हैदराबाद वाईवीएस सुधींद्र ने बताया कि आरोपी कोनाकांची किरण कुमार निवासी श्री कृष्ण नगर, यूसुफगुडा, हैदराबाद, के पास फर्जी आईडी कार्ड, तीन नेमप्लेट, पुलिस सायरन के साथ लाल ग्लैमर टू-व्हीलर आदि बरामद हुआ है। जांच के दौरान, आरोपी, के किरण कुमार ने वन विभाग के बीट अधिकारी या पुलिस कांस्टेबल के रूप में खुद को पेश करने की बात कबूल की। वह पुलिस की वर्दी पहने हुए और "पुलिस" शब्द वाली हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल चलाते हुए सार्वजनिक क्षेत्रों में गश्त करते हुए पाया गया था और सायरन से लैस था, जिससे वह अधिकार की झूठी भावना पेश करके जनता को गुमराह कर रहा था। किरण कुमार ने आगे यह भी स्वीकार किया कि उसने एक मध्यस्थ के रूप में काम करते हुए, भोले-भाले युवाओं से पैसे के बदले में धोखाधड़ी करके सरकारी नौकरी दिलाने का वादा किया। उसने जे. सुभाष, कुमार और अश्विनी के रूप में पहचाने गए पीड़ितों से सरकारी सेवाओं में रोजगार दिलाने के बहाने पैसे एकत्र किए। उसने पुलिस अधिकारी बनकर जे. सुभाष से मूल दस्तावेज भी प्राप्त किए। आरोपी ने खुद को सरकारी अधिकारी के रूप में गलत तरीके से पेश करते हुए इसी तरह की धोखाधड़ी योजनाओं के माध्यम से अन्य व्यक्तियों को धोखा देना और उनसे पैसे ऐंठना जारी रखा।

इस तरह आरोपी किरण ने नौकरी दिलाने के बहाने 5 निर्दोष लोगों को धोखा दिया और उनसे 20,00,000 रुपये की ठगी की। आरोपी का आपराधिक इतिहास ज्ञात है और वह विभिन्न जिलों में धोखाधड़ी के कई मामलों में शामिल है। आरोपी व्यक्ति को जब्त सामग्री के साथ आवश्यक कार्रवाई के लिए एसएचओ मुशीराबाद पीएस को सौंप दिया गया। आरोपी की गिरफ्तारी सीएच यादेंद्र, पुलिस निरीक्षक, पश्चिमी क्षेत्र, आयुक्त टास्क फोर्स द्वारा एसआई जी नवीन के सहयोग से पश्चिमी क्षेत्र टीम, आयुक्त टास्क फोर्स और मुशीराबाद पीएस हैदराबाद के कर्मचारियों के साथ की गई।

कोविड मामलों को लेकर घबराने की जरूरत नहीं : स्वास्थ्य मंत्री

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने लोगों को आश्वस्त किया है कि कुछ राज्यों में हाल ही में सामने आए कोविड मामलों को लेकर चिंता करने की कोई बात नहीं है। मंत्री ने शनिवार को तेलंगाना में कोविड-19 की मौजूदा स्थिति और मौसमी बीमारियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों का आकलन करने के लिए एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक में स्वास्थ्य सचिव क्रिस्टीना जेड. चोंगथु के साथ स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और महामारी विज्ञानियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान, अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों ने भारत और अन्य देशों में मौजूदा स्थिति पर विस्तृत जानकारी दी। यह नोट किया गया कि जहां कुछ देशों में कोविड-19 मामलों में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है, वहीं अस्पताल में भर्ती होने की दर काफी कम है। भारत में स्थिति स्थिर बनी हुई है। अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि जेएन.1 वैरिएंट के सीमित संख्या में मामले पाए गए हैं, यह वैरिएंट 2023 से प्रचलन में है और वर्तमान में कोई महत्वपूर्ण चिंता का विषय नहीं है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कोई नई सलाह या दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए हैं, जिसका श्रेय स्थिति की नियंत्रित प्रकृति को दिया जा सकता है। महामारी विज्ञानियों ने मंत्री को बताया कि कोविड-19 लगभग तीन साल पहले स्थानिक अवस्था में पहुंच गया था, और मामलों की संख्या में समय-समय पर उतार-चढ़ाव स्थानिक व्यवहार के अनुरूप है। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा मौसम की स्थिति के कारण खांसी, जुकाम और बुखार जैसे श्वसन संक्रमणों में भी वृद्धि होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा कि कोविड के खिलाफ टीकाकरण के कारण सामूहिक प्रतिरक्षा, जेएन.1 वैरिएंट के कारण लक्षणों की हल्की प्रकृति और अस्पताल में भर्ती होने की कम घटना जैसे कारक, सभी संकेत देते हैं कि स्थिति नियंत्रण में है। आज की तारीख में चिंता का कोई तत्काल कारण नहीं है। राजा नरसिम्हा ने कहा कि उपलब्ध स्वास्थ्य कर्मियों और बुनियादी ढांचे के साथ कोविड-19 के छिटपुट मामलों को बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित किया जा सकता है। अस्पताल में भर्ती होने या संस्थागत रोगी देखभाल की कोई रिपोर्ट नहीं है, जब तक कि अन्य अंतर्निहित पुरानी बीमारियों के कारण सह-मौजूदा रुग्णता न हो। उन्होंने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के अलावा परीक्षण किट, दवाएं और परीक्षण सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। मंत्री ने लोगों से शांत रहने और अपने स्तर पर व्यक्तिगत स्वच्छता और एहतियात बरतने का आग्रह किया। मंत्री ने निर्देश दिया कि अन्य राज्यों और देशों में विकसित स्थिति पर कड़ी निगरानी जारी रखी जानी चाहिए और कोविड-19 की स्थानिक प्रकृति पर निरंतर सार्वजनिक शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। मानसून की शुरूआत और डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया आदि मौसमी बीमारियों की संभावित शुरुआत के संबंध में उन्होंने लोगों से मानसून के मौसम में सतर्क रहने और वेक्टर जनित बीमारियों को रोकने के लिए आसपास की सफाई और स्थिर जल स्रोतों को खत्म करने जैसे उचित निवारक उपाय अपनाने की अपील की। उन्होंने निर्देश दिया कि नागरिकों को बीमारियों की रोकथाम और पर्यावरण स्वच्छता के बारे में शिक्षित करने के लिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यापक रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। राजा नरसिम्हा ने स्वास्थ्य विभाग को राज्य भर में सभी स्वास्थ्य सुविधाओं में मौसमी बीमारियों के प्रभावी उपचार के लिए आवश्यक दवाओं और अन्य आवश्यक उपभोग्य सामग्रियों के पर्याप्त स्टॉक की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

खरीदार बनकर मनुगुर की एक दुकान से चुरा लिया 13 तोला सोना

कोत्तागुडेम, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मनुगुर कस्बे में एक आभूषण की दुकान से एक व्यक्ति ने खरीदार बनकर कथित तौर पर करीब 13 तोला वजन का सोना चुरा लिया और पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। यह घटना शुक्रवार को शहर के अंबेडकर सेंटर स्थित श्रीवारी ज्वेलर्स में हुई। दुकान की मालकिन कल्याणी ने मीडिया को बताया कि दोपहर में वह लंच के लिए गई थी और दुकान में एक कर्मचारी मौजूद था।

आरोपी जो कुछ चांदी के सामान खरीदना चाहता था, उसने कर्मचारी से कहा कि वह इसके लिए 500 रुपये एडवांस देगा और शाम को चांदी के सामान लेने आएगा। उस व्यक्ति के दुकान से जाने के करीब चालीस मिनट बाद, मालिक दुकान पर वापस आया और पाया कि सोने के सामान वाला एक बॉक्स गायब था। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक करने पर पता चला कि व्यक्ति ने ही डिब्बा उठाया था। दुकान मालिक ने मनुगुर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। डीएसपी रविंदर रेड्डी और एसआई मेदा प्रसाद ने घटना की जांच शुरू की।

पुलिस ने चोर का सीसीटीवी फुटेज जारी करते हुए कस्बे के सभी दुकान मालिकों से अपील की है कि वे अपनी दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच करें, ताकि चोर की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और उसे देखे जाने पर पुलिस को सूचित किया जा सके।

बाढ़ की धारा में फंसा ऑटो-रिक्शा यात्रियों को बचाया गया

आसिफाबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को आसिफाबाद मंडल के गुंडी गांव में बारिश के पानी में एक अस्थायी पुल बह जाने के बाद एक ऑटो-रिक्शा बाढ़ की धारा में फंस गया। वाहन का चालक और दो यात्री सुरक्षित बच निकलने में सफल रहे। स्थानीय लोगों ने बताया कि दो यात्रियों को लेकर ऑटो-रिक्शा अस्थायी पुल से नदी पार करने की कोशिश कर रहा था, तभी ऊपर की ओर भारी बारिश के कारण अचानक जलस्तर बढ़ गया। बहाव के तेज बहाव में पुल ढह गया। खतरे को भांपते हुए यात्री और ड्राइवर नीचे उतर गए और स्थानीय लोगों ने उनकी मदद की। बाद में रस्सी की मदद से तिपहिया वाहन को बाहर निकाला गया। घटना में सुरक्षित बच जाने पर तीनों ने राहत की सांस ली।

दाखिल-खारिज के लिए मांगी 20 लाख रुपये की रिश्वत

अंचल निरीक्षक को तीन लाख लेते दबोचा गया

मधुबनी, 24 मई (एजेंसियां)। मधुबनी में निगरानी की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। जयनगर अंचल के अंचल निरीक्षक अजय कुमार मंडल को टीम ने तीन लाख रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अजय कुमार मंडल ने दाखिल-खारिज के लिए 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में की थी। इसी शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई हुई। इधर, अंचल निरीक्षक की गिरफ्तारी के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। निगरानी की टीम अजय कुमार मंडल को लेकर पटना रवाना हो गई। शनिवार को निगरानी की अलग-अलग टीम जयनगर अंचल

कार्यालय और अंचल निरीक्षक के आवास पर पहुंची। इसके बाद पीड़ित को किस्त की पहली रकम लेकर पहुंचने के लिए कहा। निगरानी की टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। इसके बाद जैसे ही पीड़ित ने रिश्वत के नाम पर तीन लाख की रकम आरोपी को दिया वैसे ही निगरानी के अधिकारियों ने उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद अजय मंडल को आगे की पूछताछ के लिए पटना ले जाया गया।मामले में डीएसपी सुजीत कुमार ने बताया कि अजय कुमार मंडल के खिलाफ एक आवेदन प्राप्त हुआ था, जिसमें रिश्वत मांगने की जानकारी दी गई थी। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि वरिष्ठ अधिकारियों की संलिप्तता की संभावना है, जिसकी गहराई से जांच की जा रही है।

दाखिल खारिज के नाम पर मांगी रिश्वत

बताया जा रहा है कि अजय कुमार मंडल ने एक जमीन के दाखिल-खारिज के मामले में 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। पीड़ित ने एक साथ पूरी रकम देने से इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़ित को किस्त में रिश्वत देने बात कही गई। पीड़ित ने इसकी शिकायत निगरानी में की। निगरानी की टीम ने पहले शिकायत की जांच करवाई। मामला सही पाया गया। इसके बाद डीएसपी सुजीत कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

प्रतिबंधित पशु कट्टी के आरोप में चार लोगों को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा, हंगामा, मुकदमा दर्ज

अलीगढ़, 24 मई (एजेंसियां)। अलीगढ़ में पनैठी के पास अलहदादपुर में प्रतिबंधित पशु कट्टी को गाड़ी में ले जा रहे चार लोगों को बजरंग दल और अखिल भारतीय हिंदू सेना के कार्यकर्ताओं ने पकड़ लिया। चारों को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा गया।

एक की हालत मरणासन्न और तीन की हालत गंभीर है। सूचना मिलते कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। चारों को पीटने से पुलिस ने बचाने की कोशिश की, पर बचा नहीं पाई। पकड़ी गई गाड़ी में से एक दर्जन से अधिक प्रतिबंधित पशु के अंग मिले हैं। आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया।

गौकशों के साथ पुलिस के प्रति भी भारी रोष

गुस्साएं लोगों का आरोप है कि इतने दिनों से गौकशी के वाहन पानेठी चौकी और हरदुआगंज क्षेत्र में होकर निकल रहे थे। इसके बावजूद आज तक पुलिस ने कोई वाहन नहीं पकड़ा। आज रात दो बजे से गौ सेवक गौमांस से भरी गाड़ी को पकड़ने की फिराक में बैठे हुए थे। गाड़ी चालक ने उनके ऊपर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया।

गौमांस से भरा ट्रक पलटा

थाना हरदुआगंज अन्तर्गत सूचना प्राप्त हुई कि कुछ लोग पशुओं को काटकर अपनी गाडी में सप्लाई कर रहे है, कुछ ग्रामीणों ने उन्हे रोका था व उनके साथ मारपीट की थी, प्राप्त सूचना पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारी व स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची , पब्लिक द्वारा पिटने वाले 04 लोगों को उनकी सुरक्षा के दृष्टिगत घटनास्थल से हटाकर चिकित्सीय उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है, सभी आरोपों पर जांच की जा रही है और पशु की सैम्पलिंग हेतु पशु चिकित्सक को बुलाकर सैम्पलिंग कर ली गई है, और प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना हरदुआगंज पर अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है, विवेचना के क्रम में जो भी तथ्य सामने आयेगें उसमें गिरफ्तारी व विधिक कार्यवाही अमल में लाई जायेगी, मौके पर शांति है ।

अपराधियों ने पांच लोगों को मारी गोली, तीन की मौत

बक्सर, 24 मई (एजेंसियां)। बिहार में विपक्ष लगातार कानून व्यवस्था के सवाल को लेकर सत्ता पक्ष को घेरने में जुटा है। इस बीच, बक्सर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र में शनिवार के दिन की शुरुआत अपराधियों की फायरिंग से हुई।

अपराधियों ने सुबह अहियापुर गांव में पांच लोगों को गोलियों से भून डाला, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। ये सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक, आज सुबह लगभग पांच बजे नहर के पास विनोद सिंह, सुनील सिंह और वीरेंद्र सिंह टहल रहे थे तभी कार से कुछ अपराधी आए और गोलीबारी करने लगे। अपराधियों ने इन तीनों को गोली मार दी। इन्हें बचाने आए दो अन्य सदस्यों को भी अपराधियों ने गोली मार दी। पुलिस के अनुसार इस घटना में विनोद और सुनील सिंह की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि वीरेंद्र सिंह ने अस्पताल जाते समय दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पहुंचकर जांच में जुट गई है। पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया इस घटना के पीछे गिट्टी-बालू के व्यवसाय को लेकर विवाद बताया जा रहा है। कुछ ही दिन पहले इनका गांव के ही कुछ लोगों से विवाद हुआ था। घटना की सूचना मिलने के बाद बक्सर के पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य और सदर एसडीपीओ धीरज कुमार भी मौके पर पहुंचे।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बताया जा रहा है कि वाहन से अपराधी आए थे और घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। इस मामले की जांच और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन कर दिया गया है और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

मामले की आगे की कार्रवाई की जा रही है। इधर, इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोग अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी करने की मांग कर रहे हैं।

लिव-इन कपल ने की आत्महत्या

महोबा, 24 मई (एजेंसियां)। महोबा में लिव-इन में रह रहे एक कपल ने खुदकुशी कर ली। दोनों के बीच कोल्ड-ड्रिंक को लेकर झगड़ा हुआ, फिर दोनों ने अलग-अलग कमरे में जाकर फांसी लगा ली। घटना चरखारी के मोहल्ला चिंतेपुरा की है। धीरेन्द्र (18), चिंतेपुरा निवासी सुरेंद्र कुमार अहिरवार का बेटा था। सोनिया (16), चंद्रपुरा निवासी अजय कुमार की बेटी थी। दोनों की मुलाकात एक शादी समारोह में हुई थी। शुरुआत में परिजनों ने विरोध किया, लेकिन सोनिया की जिद के आगे उसके पिता को झुकना पड़ा और बेटी को प्रेमी के पास छोड़ दिया। दोनों ढाई महीने से एक साथ रह रहे थे।

चपरासी ने सांसद महोदय को 39 सेकेंड में बकी 27 गाली!

> ऑडियो वायरल हुआ तो नेताओं से अफसरों तक के उड़े होश

कानपुर, 24 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर के बिल्हौर में एक प्राइमरी स्कूल के चपरासी का ऑडियो वायरल है। वह फोन पर बात करते हुए एक सांसद सहित अन्य कई नेताओं को ताबड़तोड़ गाली बकता सुनाई पड़ रहा है। यहां ऑडियो में एक सांसद को 39 सेकेंड में 27 गालियां दी गईं। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है और बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सस्पेंड कर दिया है।

सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो करीब 23 मिनट का है। इसमें चपरासी और एक स्थानीय नेता के बीच बातचीत होने का दावा किया रहा है।

वीडियो के संज्ञान में आने के बाद बिल्हौर पुलिस ने एक ग्राम प्रधान को पूछताछ के लिए देर रात तक थाने में बैठाए रखा।

शिवराजपुर क्षेत्र के एक जनप्रतिनिधि उसकी सिफारिश के लिए पहुंचे।

ऑडियो में चपरासी अपनी बात नमस्कार बंदगी से शुरू करता है और फिर सिलसिला एक ठेकेदार से होते हुए सांसद तक पहुंचता है। चपरासी ने कुछ अन्य नेताओं के साथ ही न्यायपालिका और अफसरशाही पर भी निशाना साधा। वह एक स्थानीय विधायक को लेकर भी बात कहता है।

बातचीत में गाली देने के साथ ही चपरासी यह भी कहता है कि सांसद में अगर दम है तो मुझे जेल भिजवाकर दिखाए।

इस लंबी बातचीत में बीच के दौरान 39 सेकेंड ऐसा भी आता है जब आरोपी इतनी देर में 27 गालियां बकता है।

इस ऑडियो के वायरल होने पर नेताओं और अफसरों के बीच सनसनी मच गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीएसए ने फिलहाल चपरासी को सस्पेंड कर दिया है।

उद्घाटन के दूसरे दिन से ही टपक रहा पानी

18.93 करोड़ से बना पीरपैंती स्टेशन, लोग बोले-उद्घाटन से पहले शेड को तिरपाल से ढका गया था

भागलपुर, 24 मई (एजेंसियां)। भागलपुर में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पीरपैंती स्टेशन का निर्माण हुआ है। इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। उद्घाटन के महज 48 घंटे यानी दूसरे दिन हल्की बारिश के दौरान शेड से पानी टपकने लगा। इससे यात्री और स्थानीय लोग नाराज हैं और निर्माण काम की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं।

स्थानीय सुनील कुमार ने बताया कि निर्माण काम के दौरान ही उन्होंने इस बारे में रेलवे अधिकारियों को शिकायत की थी। लेकिन अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत से मानक के अनुरूप काम नहीं कराया गया। उद्घाटन के समय शेड को तिरपाल से ढक दिया गया था। नतीजतन उद्घाटन के दूसरे ही दिन स्टेशन की पोल खुल गई। 18.93 करोड़ की लागत से बने इस नए भवन का उद्घाटन गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया था। इस मौके पर पीरपैंती और कहलगांव के विधायक, डीआरएम समेत रेलवे के वरीय अधिकारी मौजूद थे।

उद्घाटन से पहले शेड को तिरपाल से ढका

स्थानीय लोगों का कहना है कि उद्घाटन से पहले स्टेशन पर लगाए गए शेड की छत को तिरपाल से ढक दिया गया था, ताकि बारिश का पानी टपके नहीं। लेकिन शुक्रवार की हल्की बारिश में ही पानी टपकने लगा, जिससे लोगों में गुस्सा है।

पौधे भी अधिकारी ले गए वापस

उद्घाटन के समय जो गमले में पौधे लाकर स्टेशन परिसर को सजाया गया था, उन्हें भी शुक्रवार को रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी वापस ले गए। इस पर भी लोगों ने नाराजगी जताई। स्टेशन प्रबंधक अजय कुमार ने बताया कि स्टेशन का काम अभी निर्माणाधीन है। कुछ जगहों पर नट के पास से पानी टपक रहा है, जिसे जल्द ही कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट से ठीक कराया जाएगा। गमले हटाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसकी जवाबदेही कार्यक्रम प्रभारी की थी। बता दें कि पीरपैंती स्टेशन को 18.93 करोड़ की लागत से रेनोवेट किया गया है। स्टेशन पर फैसिलिटीज को बढ़ाते हुए लिफ्ट लगाया गया है, जिससे यात्रियों को सामान ले जाने में आसानी हो। इसके अलावा, स्टेशन के लुक को बढ़ाने के साथ-साथ अराइवल और डिपार्चर ब्लॉक, पैदल यात्री मार्ग, आकर्षक मूर्तियां लगाई गई हैं। स्टेशन की डिजाइन और इंटीरियर स्थानीय कला और आसपास के ऐतिहासिक स्मारकों से प्रेरित है, जो आधुनिक वास्तुकला को क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़ता है। ये मिश्रण पीरपैंती स्टेशन को एक अलग पहचान देता है, जो बिहार की समृद्ध परंपराओं को दर्शाता है।

तेज रफ्तार ट्रक ने रौंदा, मां-बेटी की मौके पर मौत

बांदा, 24 मई (एजेंसियां)। इस जनपद के तिंदवारी थाना क्षेत्र अंतर्गत बेंदा गांव में शनिवार रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। बारात से लौट रही मां और उसकी दो बेटियां जैसे ही घर के बाहर बोलेरो से उतरीं, तभी फतेहपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने तीनों को बेरहमी से कुचल दिया। इस हादसे में मां और एक बेटी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत दौड़कर ट्रक चालक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

यूपी में मानसून 3 दिन पहले आएगा

47°C तक पारा जाएगा; वाराणसी में बिजली गिरने से युवक की मौत

पटना, 24 मई (एजेंसियां)। तय समय से 8 दिन पहले मानसून आज केरल पहुंच गया है। अब केरल से करीब 2600 किमी दूर यूपी मानसून कब पहुंचेगा? इस सवाल पर बीएचयू के मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह ने कहा-अभी तक की स्थिति को देखकर लग रहा कि तय समय 20 जून से 2-3 दिन पहले मानसून यूपी में दस्तक देगा। उन्होंने बताया कि इस बार बारिश ठीक-ठाक होने की संभावना दिखाई दे रही है।

यूपी में मौसम लगातार बदल रहा है। शनिवार को 65 जिलों में बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। पिछले 24 घंटे में 7 जिलों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा 10.3 मिमी बारिश महाराजगंज में दर्ज की गई। वाराणसी में शुक्रवार को तेज आंधी आई। करीब 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई। मौसम विभाग का कहना है कि बारिश के कारण प्रदेश के औसत तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। आने वाले 4 दिनों तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है। शुक्रवार को झांसी सबसे गर्म शहर रहा। यहां का अधिकतम पारा 40.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। कल से नौतपा शुरू हो रहा है। इस दौरान पारा 47 डिग्री तक जा सकता है।

गोपालगंज में विवाह मंडप से दूल्हे का अपहरण, पुलिस जांच में जुटी

गोपालगंज, 24 मई (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज जिले के नगर थाना क्षेत्र में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है, जब नाच को लेकर हुए विवाद में दूल्हे का अपहरण कर लिया गया। पुलिस अब मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के दिघवा दुबौली से सुरेंद्र शर्मा की बेटी की शादी हो रही थी। शादी के लिए बारात साधु चौक मोहल्ले आई थी और शादी को लेकर खुशनुमा माहौल था। शादी की सभी रस्में निभाई जा रही थीं। इस दौरान बारातियों के मनोरंजन के लिए लौंडा नाच पार्टी बुलाई गई थी। कहा जा रहा है कि नाच के दौरान ही गांव के कुछ युवकों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। इसके बाद लौंडा पार्टी के कई सदस्य दुल्हन के घर पहुंचे और वहां हंगामा शुरू कर दिया। आरोप है कि नाच पार्टी के सदस्यों द्वारा दुल्हन और उसके परिजनों के साथ मारपीट की गई और घर से आभूषण और कीमती सामान लूट लिए गए।

दूल्हे ने जब बीच-बचाव की कोशिश की तो उसे अगवा कर लिया। इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई। इस घटना के बाद दुल्हन के परिवार में दहशत है और किसी अनहोनी को लेकर आशंकित हैं। गोपालगंज (सदर) के एसडीपीओ प्रांजल त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। गोपालगंज के साथ-साथ बरौली और सिवान पुलिस की मदद ली जा रही है, ताकि दूल्हे को जल्द मुक्त कराया जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दुल्हन के परिवार में डर का माहौल है। स्थानीय लोग प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। दुल्हन पक्ष के लोगों ने थाने में एक आवेदन दिया है।

बिहार में बड़ा एनकाउंटर, कुख्यात गुरुदेव पुलिस मुठभेड़ में ढेर-एसटीएफ और नवगछिया पुलिस की कार्रवाई

भागलपुर, 24 मई (एजेंसियां)। भागलपुर के नवगछिया में रंगरा थाना क्षेत्र के मुरली सोनैया धार के पास मध्य रात्रि बिहार एसटीएफ, स्थानीय पुलिस और कुख्यात अपराधी गिरोह के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें कुख्यात गुरुदेव मंडल को उसके सीने मे गोली लगी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हालांकि इस दौरान छह सहयोगी अपराधी फरार भी हो गए। बताया जा रहा है कि दोनों तरफ से ताबड़तोड़ गोलीबारी हुई थी। घटनास्थल से पुलिस को कुछ खोखे भी बरामद हुए है।

इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। इधर, घटना की सूचना मिलते ही नवगछिया एसपी प्रेरणा कुमार, एसडीपीओ ओमप्रकाश, सर्किल इंस्पेक्टर बृजेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इधर एफएसएल टीम भी घटना स्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई।

सड़क हादसे में 3 की मौत,आधी गाड़ी साफ

सीवान, 24 मई (एजेंसियां)। सीवान में शनिवार सुबह सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। ड्राइवर की हालत गंभीर है। उसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि कार सवार सभी एक दोस्त को छोड़ने पटना एयरपोर्ट आए थे। वो विदेश जा रहा था।

लौटने के दौरान उन्होंने एक शख्स को लिफ्ट दी थी , वो भी विदेश से लौटा था। गोरयाकोठी थाना क्षेत्र के अफराद मोड़ के पास ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। मौके पर ही 3 लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि आधी गाड़ी साफ हो गई। शव गाड़ी के अंदर ही फंस गए। मृतकों में नगर थाना क्षेत्र के शेखमुहल्ला निवासी मो आजाद (45), एहसानुल हक (40) और जीबी नगर थाना क्षेत्र के हयातपुर निवासी अबरार अली (35) शामिल हैं।

वाराणसी के जासूस तुफैल का 4 मुस्लिम देशों में नेटवर्क

पाक सैनिक की पत्नी ने हनीट्रैप में फंसाया

वाराणसी, 24 मई (एजेंसियां)। वाराणसी में पाकिस्तानी जासूस मोहम्मद तुफैल की कुंडली खंगालने में जुटी एटीएस के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं। तुफैल के मोबाइल का बैकअप अब पुलिस-एटीएस के लिए सबसे मजबूत आधार बनेगा। उसकी चैट से एटीएस ने लगभग 70% डेटा रिकवर कर लिया है। इससे सूचनाओं के बड़ी संख्या में भेजे जाने का जिक्र है।

तुफैल के सोशल मीडिया अकाउंट की जांच में सामने आया कि उसका नेटवर्क पाकिस्तान ही नहीं, चार मुस्लिम देशों से जुड़ा है। उसने वॉट्सऐप और फेसबुक से तमाम देश के लोगों से बात की है। फोटो-वीडियो भी भेजे गए हैं। तुफैल का 100% बैकअप मिलते ही पता चल जाएगा कि अब तक पाक समेत विदेश को कितना डेटा भेजा है। तुफैल को पाकिस्तानी सैनिक की पत्नी ने हनीट्रैप में फंसा लिया था। उससे घंटों कॉल पर बात होती थी। पाकिस्तानी महिला वीडियो कॉल पर काशी को देखती। तुफैल महिला को दो बार साड़ी-सूट जैसे गिफ्ट भी नेपाल और पंजाब के रास्ते पाकिस्तान भेज चुका था। एटीएस को अब तक उसके 4-5 करीबियों के नाम पता चले हैं, जिनसे पूछताछ की तैयारी है। उधर, तुफैल पर एटीएस के शिकंजा कसने की खबर मुस्लिम देशों तक पहुंच गई है। उसके विदेशी दोस्तों ने किनारा कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद अब 19 में से 7 ग्रुप से उसे रिमूव या ब्लॉक कर दिया गया है। इन ग्रुप में अधिकांश चैट या हिस्ट्री को भी डिलीट किया गया है। हालांकि, एटीएस क्लोन चैट को सहेजकर रखे हैं। जांच में सामने आया कि पाकिस्तानी सैनिक की पत्नी फैसलाबाद निवासी नफीसा खान ने नक्शबंदी सिलसिला कलाम पढ़कर तुफैल को फेसबुक पर रिक्वेस्ट भेजी थी। इसके बाद दोनों में बातचीत शुरू हो गई। जब नफीसा को पता चला कि उसकी विचारधारा में कोई भारतीय, जो कि वाराणसी से जुड़ा है तो नंबर भी शेयर कर दिया। तुफैल और नफीसा के बीच पहले बातचीत का दौर फेसबुक मैसेंजर पर चला। फिर कॉल, चैट और वीडियो कॉल भी होने लगी। चंद दिनों में तुफैल पूरी तरह से उसके प्रेम में फंस गया। फिर क्या, नफीसा को भारत के बारे में जानने की रुचि बढ़ गई। उसने पाकिस्तान में एक ग्रुप में उसका नंबर जुड़वाया तो वॉट्सऐप पर पाकिस्तान के कई लोग जुड़ गए।

पाकिस्तानी महिला बाबरी सहित कई मिशन याद दिलाती

पाकिस्तान के कट्टर इस्लामी चरमपंथी राजनीतिक दल तहरीक-ए-लब्बैक के मौलाना साद रिजवी की अलगाववादी विचारधारा से प्रभावित तुफैल को नफीसा ने जासूस बनाकर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। वह तुफैल से यूपी और देशभर की गतिविधियों पर रोज बात करती और बाबरी समेत कई मिशन की याद दिलाती। तुफैल की मुलाकात कन्नौज और पंजाब की यात्रा के बाद कुछ ऐसे लोगों से हुई कि वह पाकिस्तान के कट्टर इस्लामी चरमपंथी राजनीतिक दल तहरीक-ए-लब्बैक के मौलाना साद रिजवी की अलगाववादी विचारधारा से प्रभावित हो गया। उसने नफीसा को वॉट्सऐप ग्रुप, फेसबुक और अन्य माध्यमों से भारत की संवेदनशील सूचनाएं भेजीं।

जर्मनी ने भी 'ऑपरेशन सिंदूर' को बताया सराहनीय : दिलीप जायसवाल

पटना, 24 मई (एजेंसियां)। बिहार में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने शनिवार को कहा कि जर्मनी ने भी स्पष्ट तौर पर कहा है कि भारत की कार्रवाई सराहनीय है। इससे पता चलता है कि पूरी दुनिया यह मान रही है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने की आवश्यकता है। भारत की आतंक के खिलाफ की गई कार्रवाई अद्भुत है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बर्लिन में की गई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत की नीति को स्पष्ट किया। बताया कि आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस और पाकिस्तान से द्विपक्षीय तरीके से निपटने को लेकर है। जयशंकर की इस दो टूक पर जायसवाल ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ जो हमारी कार्रवाई हुई है, पूरी दुनिया हमारे समर्थन में खड़ी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर भारत की कार्रवाई की जर्मनी के तारीफ करने से ही समझ लेना चाहिए कि आतंकवाद को पालने का और अपनी भूमि आतंकवाद के लिए देने वाले पाकिस्तान की मदद के लिए दुनिया का कोई भी देश खड़ा नहीं होगा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि किसी देश ने नहीं सोचा होगा कि भारत सैन्य कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान का पूरा रडार सिस्टम 22 मिनट तक फेल कर देगा। जिस देश में सैन्य कार्रवाई करते हुए आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर दिया, दुनिया उसका लोहा मान रही है।

जंगल में गश्त पर निकले फॉरेस्ट गार्ड की गोली मारकर हत्या, चार को पुलिस ने पकड़ा

ढेंकानाल, 24 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के ढेंकानाल जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां वन्यजीवों की रक्षा करते हुए एक फॉरेस्ट गार्ड की दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना हिंदोल के जंगलों में उस समय हुई जब नियमित गश्त के दौरान वन विभाग की टीम पर शिकारियों ने अचानक हमला कर दिया।

गार्ड का नाम प्रह्लाद प्रधान था, जिनकी उम्र 37 साल थी। वो 13 लोगों की एक टीम के साथ गश्त पर निकले थे। रात करीब 3 बजे टीम पर हमला हुआ, जिसमें प्रह्लाद के पेट में गोली लगी। उन्हें पहले हिंदोल सीएचसी ले जाया गया, जहां से उन्हें अंगुल जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं इस हमले के बाद वन विभाग की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चार शिकारियों को पकड़ लिया। उनके पास से हथियार भी जब्त किए गए हैं। बाकी हमलावर मौके से भाग निकले, जिनकी तलाश अब भी जारी है। ढेंकानाल के डीएफओ सुमित कुमार कर ने बताया, "हमारी टीम एक नियमित गश्त के लिए जंगल में गई थी। इसी दौरान शिकारियों के एक गिरोह ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें प्रह्लाद प्रधान घायल हो गए। उन्हें तुरंत इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। हमने चार शिकारियों को हिरासत में लिया है और पूछताछ जारी है।" बता दें कि यह घटना न सिर्फ वन विभाग के सामने मौजूद खतरों को उजागर करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि जंगलों की सुरक्षा में तैनात कर्मचारी कितने जोखिम भरे हालात में काम करते हैं।

'मुझे बहुत दुख होता है जब कोई मुस्लिम कहता है कि 1947 में हमने यहां रहने का निर्णय लिया'

आप नेता संजय सिंह का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। आप सांसद संजय सिंह ने हाल ही में एक जनसभा में भारतीय मुसलमानों को लेकर एक भावुक बयान दिया, जिसने चर्चा को जन्म दे दिया है। उन्होंने कहा, मुझे बहुत दुख होता है जब कोई मुस्लिम यह कहता है कि 1947 में हमने यहां रहने का निर्णय लिया। संजय सिंह ने कहा कि भारत देश सभी भारतीयों का है और इसमें किसी को यह कहने की जरूरत नहीं है कि उसने यहां रहने का कोई निर्णय लिया था। ये उनका मुल्क था है और रहेगा।

संजय सिंह का बयान

संजय सिंह ने आगे कहा, कई बार हमारे साथी जब इस बात को कहते हैं कि 1947 में उन्होंने यहां रुकने का फैसला लिया, वो सुनकर मुझे बहुत दुख होता है। ये आपका मुल्क था, है और रहेगा। इसमें ये बात करने की कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि जब ये बात मैं सुनता हूं, तो मुझे बहुत दुख होता है। मैंने अपने कई मुस्लिम साथियों से कहा है कि क्यों कहते हो कि हमने निर्णय लिया, सोचा और समझा। ये आपका मुल्क है, आपके बाप-दादा, पूर्वज यहीं रहे हैं, यहीं पैदा हुए हैं। तो ये कहने की जरूरत नहीं है।

वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा पर आयोजित कार्यक्रम में दिया जवाब

यह बयान उन्होंने वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा को लेकर आयोजित एक सार्वजनिक बैठक में दिया। इस मौके पर संजय सिंह ने वक्फ बोर्ड और उससे जुड़ी जमीनों की सुरक्षा के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वक्फ की सुरक्षा सिर्फ मुस्लिम समुदाय की नहीं, बल्कि जैन, हिंदू, सिख और ईसाई सभी धर्मों की धार्मिक भूमि की सुरक्षा है। इस पर हमला, सभी आस्थाओं पर हमला है। संजय सिंह ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा कि वक्फ कानून के ज़रिए मुस्लिम जमीनों को कॉरपोरेट साथियों को सौंपने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी ने इस कानून का विरोध संसद में, संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में और सड़कों पर भी किया है। "हमने विरोध किया है और आगे भी लड़ाई जारी रखेंगे," उन्होंने कहा। इस पूरे बयान के जरिए संजय सिंह ने एक ओर जहां मुस्लिम समुदाय के आत्मसम्मान की बात की, वहीं दूसरी ओर वक्फ संपत्तियों को बचाने की अपनी प्रतिबद्धता भी जताई

ट्रेन को डिरेल करने की साजिश

पंजाब मेल एक्सप्रेस के आते ही ट्रैक पर लोहे का मंजा रख भागा आरोपी, गिरफ्तार

बठिंडा, 24 मई (एजेंसियां)। पंजाब में बठिंडा में ट्रेन को डिरेल करने की साजिश नाकाम हुई है। पंजाब के बठिंडा रेलवे ट्रैक पर लोहे का मंजा(चारपाई) रखा गया था। ट्रैक पर मंजा रख कर पंजाब मेल को पलटाने की कोशिश की गई थी।

जानकारी मिलते ही जीआरपी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, जब पंजाब मेल एक्सप्रेस ट्रेन मानसा से चलकर बठिंडा ट्रैक पर पहुंच रही थी, तभी ट्रेन के ड्राइवर की नजर दूर से ट्रैक पर रखे संदिग्ध वस्तु पर पड़ी। लोको पायलट ने तुरंत ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक लिया और पुलिस को सूचना दी। जांच के दौरान पता चला कि किसी ने जानबूझकर लोहे का मंजा ट्रैक पर रखा था। सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान की गई।

आरोपी की पहचान मानसा निवासी लाली सिंह के तौर पर हुई है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना जीआरपी प्रभारी जसवीर सिंह ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि उसकी मंशा क्या थी। यह किसी मानसिक असंतुलन का मामला है या कोई बड़ी साजिश। इस घटना ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी और ड्राइवर की सतर्कता के चलते एक बड़ा हादसा टल गया और सैकड़ों यात्रियों की जान बचाई जा सकी।

'देश को नहीं समझ पाए, विदेश नीति क्या समझेंगे'

बावनकुले ने राहुल गांधी पर कसा तंज

मुंबई, 24 मई (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सवालों को लेकर घिर गए हैं। इस बीच अब महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा है।

चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि राहुल गांधी देश नहीं समझ पाए तो विदेश नीति क्या समझेंगे? राहुल गांधी को कुछ समझ में नहीं आता है। वह पढ़ाई नहीं करते हैं और उनमें सीखने की आदत नहीं है। अगर उनको समझ नहीं आता तो सीख लेना चाहिए। दरअसल, चंद्रशेखर बावनकुले से राहुल गांधी के बयानों को लेकर सवाल किया गया। इस पर महाराष्ट्र बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि राहुल गांधी को तो कुछ समझ में नहीं आता है और वह पढ़ाई नहीं करते हैं। बावनकुले ने कहा कि राहुल गांधी को सीखने की आदत नहीं है, अगर उन्हें समझ में नहीं आता तो सीख लेना चाहिए। समझ नहीं रहा कि उन्हें क्या हुआ है बावनकुले ने आगे कहा कि राहुल गांधी देश को नहीं समझ पाए तो विदेश नीति और विदेश मंत्रालय क्या समझेंगे? बावनकुले ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर विदेश मंत्री फेलियर हैं, सरकार फेलियर है तो राहुल गांधी को साल में विदेश जाकर दो-दो महीना रहना चाहिए। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विदेश नीति सीखा रहे हैं। आतंकवाद के खिलाफ किस तरीके से लड़ाई लड़ी जाती है, हमारे भारत के सैनिक कैसे लड़ते हैं ये सब राहुल गांधी को सीखना चाहिए। पीएम मोदी पूरे विश्व को साथ में लेकर चलने का काम कर रहे हैं। अलग-अलग पार्टी के सांसद पूरे विश्व में जाकर आतंकवादियों की करतूत का खुलासा कर रहे हैं। हमने आतंकवाद के खिलाफ किस तरीके से लड़ाई शुरू की है ये बताने का काम कर रहे हैं। राहुल गांधी को भी यह सीखना चाहिए।

राज्य मानवाधिकार आयोग से मांग

दहेज जैसी प्रथाओं पर लगे रोक सीएम को भी लिखा पत्र

पुणे, 24 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने राज्य के मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखकर समाज में मौजूद प्रतिगामी प्रथाओं जैसे दहेज और विधवाओं से संबंधित प्रथाओं को खत्म करने की मांग की। सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि मानवाधिकार आयोग राज्य सरकार को निर्देश दे कि वह दहेज प्रथा के खिलाफ सख्त कदम उठाए। यह मांग ऐसे समय की गई है, जब हाल ही में पुणे में दहेज प्रताड़ना से तंग आकर 26 साल की महिला ने आत्महत्या कर ली थी। वैष्णवी हगवाने, जो एनसीपी पार्टी से बर्खास्त किए गए नेता राजेंद्र हगवाने की बहू थी। वैष्णवी ने 16 मई को पुणे जिले के पिंपरी चिंचवाड़ के बवधान इलाके में आत्महत्या कर ली थी। वैष्णवी के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उन्होंने बेटी की शादी में 51 तोला सोना और चांदी और एक एसयूवी कार दहेज में दी थी, लेकिन हगवाने परिवार जमीन खरीदने के लिए दो करोड़ रुपये की और मांग कर रहा था। इस मामले में पुलिस ने सास-ससुर, पति, ननद और जेठ को गिरफ्तार कर लिया है। अब इस घटना के बाद सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद जिनजादे ने इसकी निंदा करते हुए राज्य सरकार से तुरंत कार्रवाई करने की मांग की। जिनजादे ने कहा कि सबसे पहले शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों को एकमत होकर दहेज और अन्य प्रतिगामी प्रथाओं जैसे विधवा संबंधी, बाल श्रम, बाल विवाह, जातीय भेदभाव के खिलाफ प्रस्ताव पारित करें।

'तंगी में है महाराष्ट्र', नीति आयोग की बैठक से पहले संजय राउत ने रख दी यह बड़ी मांग

मुंबई, 24 मई (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने नीति आयोग की बैठक से पहले बड़ा बयान दिया। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में दावा किया कि महाराष्ट्र आज आर्थिक तंगी में है। लाडकी बहिण योजना और अन्य योजनाओं के लिए फंड नहीं है। संजय राउत ने कहा, नीति आयोग की बैठक होती रहती है और वहां देश के विकास के बारे में चर्चा होती है। राज्यों के बैकलॉग के बारे में चर्चा होती है। महाराष्ट्र के पास भी बैकलॉग है। राज्य आर्थिक तंगी से गुजर रहा है। इसलिए महाराष्ट्र सरकार से उम्मीद है कि सरकारी योजनाओं के लिए ज्यादा से ज्यादा फंड लेकर आएं। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बीजेपी ने जो तिरंगा यात्रा निकाली है, संजय राउत ने उसपर तंज कसा। शिवसेना यूबीटी सांसद ने कहा, पीएम मोदी और बीजेपी के लोग यह कह रहे थे कि पहलगाम हमले के बाद या ऑपरेशन सिंदूर के बाद राजनीति न करें। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने हमको कहा था कि पहलगाम आतंकी हमले में हमारी 26 माताओं और बहनों का सिंदूर उजाड़ दिया गया है, इसपर राजनीति मत करो। उन्होंने आगे कहा, अब बताइए सबसे पहले राजनीति करने कौन जा रहा है? खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। यही पुलवामा और उरी में भी हुआ था। ये अमानुष लोग हैं। इन सब चीजों से उनकी राजनीति चलती है। राजनीति इन लोगों की रोजी-रोटी है। पूरे बिहार में पीएम मोदी की फोटो 'कमांडर इन चीफ' यूनिफॉर्म में लगा दी गई है। संजय राउत ने बीजेपी के अभियान पर कई सवाल उठाते हुए कहा, बीजेपी तिरंगा यात्रा निकाल रही है। क्या तिरंगा हमारा नहीं है? केवल बीजेपी वालों का है? क्या आप तिरंगे के मालिक हैं? क्या तिरंगा आपकी जांगीर है? महाराष्ट्र में आप तिरंगा और सिंदूर यात्रा निकाल रहे हैं। ये न भूलें कि हमारे देश की 26 महिलाओं का सिंदूर आपकी वजह से उजड़ गया है। गृहमंत्री का इस्तीफा मांगने के लिए सिंदूर यात्रा निकाली जानी चाहिए।

पत्नी ने तेज आवाज में गाना सुनने से किया मना, शख्स ने चेहरे पर फेंका तेजाब

बेंगलुरु, 24 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पति ने अपनी ही पत्नी पर तेजाब से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच तेज आवाज में गाना सुनने को लेकर विवाद हुआ था। शराब के नशे में पति मोबाइल पर तेज आवाज में गाना सुन रहा था। पत्नी ने उसे मना किया, जिसके बाद उसने गुस्से में टॉयलट साफ करने वाला एसिड अपनी पत्नी के ऊपर फेंक दिया। पत्नी का सिर और चेहरा एसिड की वजह से झुलस गया है। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पुलिस ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पूरा मामला बेंगलुरु के सिद्धहल्ली का है। यहां 19 मई को पति ने पत्नी के ऊपर तेजाब फेंक दिया। पुलिस के मुताबिक, महिला पेशे से ब्यूटीशियन है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि रात करीब नौ बजे उसके पति ने उससे शराब खरीदने के लिए पैसे मांगे। उसने पैसे देने से इनकार कर दिया तो पति ने किसी तरह से पैसे का जुगाड़ किया और शराब पीने चला गया। पुलिस ने बताया कि बाद में पति शराब पीकर घर आया और अपने मोबाइल फोन पर तेज आवाज में गाने बजाने लगा। महिला ने पति से आवाज धीमी रखने को कहा तो उसने मना कर दिया।

इसके बाद पति और पत्नी के बीच विवाद हुआ और बहस होने लगी। इसी दौरान गुस्से में पति ने टॉयलेट साफ करने वाले तेजाब से पत्नी पर हमला कर दिया। तेजाब फेंकने से महिल का चेहरा और सिर झुलस गया। महिला जब चिल्लाने लगी तो आरोपी पति मौके से फरार हो गया। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

सीबीआई की बड़ी कामयाबी: अंगद सिंह चंडोक को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया

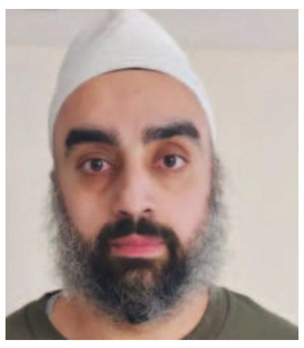

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी कि सीबीआई ने एक बड़े ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले में कुख्यात अपराधी अंगद सिंह चंडोक को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित करने में सफलता हासिल की है। भारतीय नागरिक अंगद सिंह चंडोक पर आरोप है कि उसने शेल कंपनियों का जाल बनाकर ऑनलाइन टेक सपोर्ट घोटाले के जरिए अमेरिकी नागरिकों से लाखों डॉलर की चोरी की। बताया जाता है कि उसने धोखाधड़ी से कमाए गए इन पैसों को शेल कंपनियों के माध्यम से भारत और अन्य देशों में ट्रांसफर किया था। सीबीआई ने चंडोक को भारत लाने में काफी मेहनत की है।

अमेरिका में चंडोक को हुई थी 6 साल की सजा

अमेरिकी न्याय विभाग ने मार्च 2022 में जारी एक प्रेस स्टेटमेंट में बताया था कि चंडोक को अमेरिकी वरिष्ठ नागरिकों के साथ धोखाधड़ी के मामले में दोषी ठहराया गया है। अमेरिकी अदालत ने उसे इस अपराध के लिए 6 साल की सजा सुनाई थी। चंडोक की इस धोखाधड़ी योजना में मुख्य रूप से वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाया गया, जिन्हें फर्जी टेक सपोर्ट सेवाओं के नाम पर ठगा गया। सीबीआई ने चंडोक को भारत प्रत्यर्पित करने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ मिलकर एक लंबी और जटिल कानूनी प्रक्रिया का पालन किया। कई वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार सीबीआई ने उसे भारत लाने में सफलता प्राप्त की।

चंडोक के हिरासत की मांग करेगी सीबीआई

अब भारत में चंडोक को अदालत में पेश किया जाएगा, जहां सीबीआई उसकी हिरासत की मांग करेगी ताकि मामले की गहन जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके। बता दें कि इस प्रत्यर्पण को सीबीआई के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ भारत की मजबूत कार्रवाई को दिखाता है। भारत में साइबर क्राइम के मामले सामने आते रहे हैं और देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियां आरोपियों पर लगातार कार्रवाई करती रहती हैं। देश में साइबर क्राइम को अब गंभीरता से लिया जाने लगा है और यही वजह है कि साइबर अपराधियों पर लगातार नकेल कसती जा रही है।

देहरादून में दो डॉक्टर समेत 2 महिलाएं कोरोना पॉजिटिव

कर्नाटक और गुजरात से आई थीं उत्तराखंड

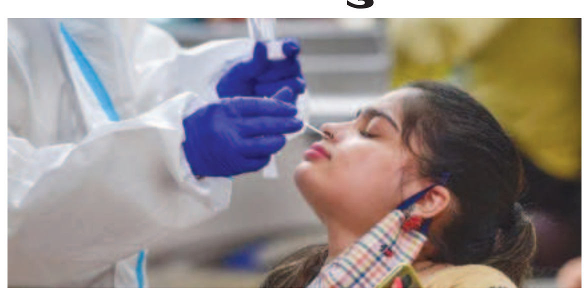

देहरादून, 24 मई (एजेंसियां)। देश में कोरोना ने एक बार फिर दस्तक दे दी है, जिसके बाद सभी राज्यों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। वहीँ अब उत्तराखंड में एक डॉक्टर और दो महिलाओं में संक्रमण की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य महकमे में हड़कम्प मच गया है। डॉक्टर को उनके घर में आइसोलेट कर दिया गया है, जबकि महिला में दिक्कत बढ़ने पर उसे एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। सरकार ने सभी जिलों में कोविड क लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। एम्स ऋषिकेश की एक डॉक्टर, जोकि हाल ही में बेंगलुरु से लौटी थी। कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव मिलीं। लेकिन उनकी स्थिति स्थिर है और उन्हें होम आइसोलेशन में रखा गया है। स्वास्थ्य महकमा उनकी स्थिति पर नजर रख हुए है और संपर्क ट्रेसिंग शुरू कर दी गई है।

धार्मिक आयोजन में शामिल महिला एम्स में भर्ती

वहीँ गुजरात से देहरादून आई एक अन्य महिला, जो एक धार्मिक आयोजन में हिस्सा लेने आई थी। उसकी तबियत खराब हुई, जिसके बाद उकसा कोविड टेस्ट हुआ और उसमें भी कोविड-19 की पुष्टि हुई है।महिला में कई और भी संक्रमण है लिहाजा उसे एम्स में भर्ती कर लिया गया है और डॉक्टर उसकी निगरानी कर रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर

राज्य में दो महिलाओं में कोविड की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य महकमा अलर्ट हो गया है। सभी जिलों में स्वास्थ्य विभाग को निर्देश हैं स्पेशल वार्ड बनाने के साथ ही उत्तराखंड में इस समय चारधाम यात्रा चल रही है। और बड़ी संख्या में बाहर से श्रद्धालू पहुँच रहे हैं। इस वजह से संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। लेकिन अभी तक इस बारे में कोई गाइड लाइन जारी नहीं की गयी है।

गैंगरेप में मिली बेल तो 7 आरोपियों ने मनाया जश्न

कार-बाइक पर निकाला विजय जुलूस वीडियो वायरल होते ही एक्शन

बेंगलूरू, 24 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक से एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है। यहां हावेरी जिले के अक्की-अलूर गांव में गैंगरेप के सात आरोपियों जमानत मिली, जिसके बाद जश्न मनाया गया। उन्होंने कार और बाइक पर सवार को विजय जुलूस निकाला। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद आम जनता नाराज हो गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझा। इस मामले में सात में चार आरोपियों को फिर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस तीन अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। इन सभी सात आरोपियों की 20 मई को जेल से रिहाई की गई थी। सभी आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में नया मामला दर्ज किया है। एसपी एके श्रीवास्तव ने कहा कि सात संदिग्धों में से चार को फिर से गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी तीन आरोपी फरार हैं। उनकी तलाश की जा रही है। बेल की शर्तों के उल्लंघन के आधार पर कोर्ट में आरोपियों की जमानत रद्द करने की याचिका दायर की गई है। हावेरी जिले के इस मामले की शुरुआत साल 2024 में एक निजी लॉज पर अटैक के साथ हुई थी। एक अंतरधार्मिक जोड़े ने कुछ लोगों पर लॉज में हमलाकर करके मोरल पुलिसिंग का आरोप लगाया था। बाद में इस मामले में 26 साल की महिला ने कहा था कि हमलावरों ने लॉज पर हमला किया। फिर उसके साथ जंगल में गैंगरेप किया। पीड़िता ने 164 के तहत एक मजिस्ट्रेट के सामने भी यही बयान दिया था। इसके बाद उसने एक आधिकारिक पहचान परेड के दौरान आरोपियों की पहचान की।

दमोह में जबलपुर जैसा मामला, महिला की मौत के बाद बड़ा खुलासा, डॉक्टर के नाम पेंटर कर रहा था इलाज

दमोह, 24 मई (एजेंसियां)। एमपी के दमोह के फर्जी डॉक्टर के बाद अब जबलपुर का मार्बल सिटी अस्पताल सुर्खियों में है। यह मामला भी हैरान करने वाला है। चिंता की बात यह है कि फर्जी डॉक्टरों के इलाज और उसके बाद मरीजों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। ताजा मामला जबलपुर के मशहूर मार्बल सिटी अस्पताल का से जुड़ा है। दरअसल, जबलपुर मार्बल सिटी अस्पताल में डॉक्टर की जगह पेंटर मरीज का इलाज कर रहा था। मामले का खुलासा उस वक्त हुआ जब गलत इलाज से महिला की मौत हो गई। महिला के बाद जब परिजनों ने अस्पताल से डॉक्टरों की लिस्ट और डिग्री मांगी तो इस बात का खुलासा हुआ। मनोज महावर नामक शख्स ने कुछ महीने पहले अपनी मां शांति देवी का इलाज कराने के लिए मार्बल सिटी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया था। मां की मौत के बाद जब मनोज ने उनकी फाइल देखकर ईलाज करने वाले डॉ। ब्रजराज से मिलने के लिए अस्पताल प्रबंधन से बात की तो अस्पताल प्रबंधन टालमटोल करता रहा। अस्पताल प्रबंधन के इस रुख के बाद मनोज ने नर्सिंग स्टाफ, सुरक्षा गार्ड और हाउसकीपिंग स्टाफ से जानकारी जुटाई तो पता चला कि अस्पताल मे ब्रजराज नाम का कोई डॉक्टर है ही नहीं। ये सुनते ही मनोज के होश उड़ गए और उन्हें अस्पताल और डॉक्टरों के फर्जीवाड़ा समझ में आ गया। काफी जांच और खोजबीन के बाद मनोज ने ब्रजराज का पता खोज निकाला, जिसके बाद एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। मनोज महावर को पता चला कि असली ब्रजराज कटनी में पेंटर का काम करता है। ब्रजराज उईके ने खुलासा किया कि अस्पताल के बोर्ड में फोटो उसके दोस्त सतेंद्र की लगी है और डॉक्यूमेंट उसके यानी ब्रजराज के लगे हैं।इस पूरे फर्जीवाड़े में अस्पताल प्रबंधन की भूमिका संदिग्ध बनी हुई है। जाहिर है जब अस्पताल के पूरे स्टाफ को पता था कि डॉ। ब्रजराज नाम कोई डॉक्टर यहां नहीं तो वहां के प्रबंधन को इसकी जानकारी कैसे नहीं थी।फिलहाल, अस्पताल प्रबंधन अपने आप को निर्दोष साबित करने में जुटा है। महिला की मौत में जानबूझकर लापरवाही का खुलासे के बाद ओमती पुलिस ने फर्जी डॉक्टर ब्रजराज उईके उर्फ सतेंद्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है, लेकिन आरोपी सतेंद्र फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

हिमाचल पुलिस अधिकारियों में अंतर्कलह

एसपी शिमला ने पत्रकार वार्ता कर डीजीपी पर लगाए गंभीर आरोप

शिमला, 24 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के चीफ इंजीनियर विमल नेगी मौत मामले की जांच में प्रदेश मुख्यालय अधिकारियों व शिमला जिला पुलिस अधिकारियों के बीच चल रही अंतर्कलह अब सबके सामने आ गई है। मामले को लेकर प्रदेश पुलिस महानिदेशक अतुल वर्मा की ओर से कोर्ट में दायर किए गए हलफनामे पर सवाल उठाने के बाद एसएसपी शिमला संजीव कुमार गांधी ने शनिवार को पत्रकार वार्ता कर कई गंभीर आरोप लगाए। संजीव गांधी ने कहा कि 25-26 वर्षों का मैंने ईमानदारी भरा अपना पुलिस कॅरियर तपस्या की तरह लगाया है। अगर कोई मेरी इस ईमानदारी व प्रोफेशनल अखंडता पर सवाल उठाता है तो मैं पुलिस का पद छोड़ना पसंद करूंगा। इसलिए हमारी एसआईटी इस मामले को दोबारा अदालत में लेकर जाएगी। जो हमने जांच की है, उसे सुरक्षित करवाना चाहते हैं ताकि विमल नेगी को न्याय मिल सके। कहा कि इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे और सारी सच्चाई कोर्ट के समक्ष रखेंगे। विमल नेगी को न्याय दिलाकर रहेंगे। संजीव गांधी ने डीजीपी पर कई गंभीर आरोप लगाए। कहा कि जब मिडल बाजार में गैस ब्लास्ट हुआ, जिसमें एनएसजी को बुलाया जाता है। कुछ समय के बाद एनएसजी की रिपोर्ट आती है कि यह धमका आतंकी हमला है और इसमें आरडीएक्स मिला था। फिर डीजीपी मेरे बारे में मुख्य सचिव को पत्र लिखते हैं कि इसमें एसपी शिमला की लापरवाही है और सबूतों को नष्ट किया गया है। लेकिन आज उस जांच की रिपोर्ट सामने आ गई है, जिसमें यह पाया गया कि उसमें कोई विस्फोटक सामग्री नहीं थी, एलपीजी से विस्फोट हुआ था। गांधी ने आगे कहा कि शिमला पुलिस ने सीआईडी में एक जांच की गई थी, लेकिन इसका एक गुप्त पत्र को चुराकर पुलिस महानिदेशक के निजी स्टाफ की ओर से लीक करवाया गया था। इस संबंध में एफआईआर पंजीकृत हुई थी। इसमें पुलिस महानिदेशक का निजी स्टाफ संलिप्त है। इसकी जांच चल रही थी, लेकिन इसे बाधित करने के लिए उन्होंने अनेक प्रयास किए। यही नहीं जिला शिमला पुलिस को कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें पुलिस महानिदेशक के आचरण को लेकर गंभीर प्रश्न उठाए गए हैं।

सौंदर्य और संस्कृति का प्रतीक : मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता

अतुल कुमार

सन 1991 में ग्लोबल इकनामी के दरवाज़ों के खुलने के बाद ज़रूरी हो गया कि दुनिया के साथ कदम ताल मिला कर चलें .विश्व की अर्थ व्यवस्था को अपनाने का अर्थ उनके रहन सहन , तौर तरीकों और खान पान आदि को खुले दिल से स्वीकार करना रहा जिससे फारेन डायरेक्ट इनवेस्ट्मेंट (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) एफ डी आई बडे और दुनिया की नामी कंपनियां यहां अपना कारोबार शुरु करे . इसी शुरुआत के साथ विदेशी ईवेंट्स , प्रतियोगिताओं और विविध संस्कृतियों का आगमन हुआ . मिस वर्ल्ड कंपीटीशन (विश्व सुंद्ररी) प्रतियोगिता उसी में से एक है . यह दुनिया की सबसे पुरानी प्रतियोगिताओं में से एक है जिसकी शुरुआत सन 1951 में हुई . प्रतियोगिता मानवीय रिश्तों ,सौहार्द्रता और समन्वय की वकालत करती है जिसकी थीम भावना " ब्यूटी विथ ए पर्पस " (एक उद्देश्य के साथ सुंदरता) है .मिस वर्ल्ड की पहली विजेता स्वीडन की किकि हकेंसन हैं सन 1951 में उनको यह ताज पहनाया गया .

दुनिया भर में कई सौंदर्य प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं लेकिन इनमें केवल चार को सबसे प्रतिष्ठित माना गया . वह हैं " मिस वर्ल्ड " "मिस यूनिवर्स " " मिस अर्थ " और " मिस इंटरनैशनल " . मिस वर्ल्ड खिताब की स्थापना यूनाइटेड किंगडम (यू के) के एरिक मार्ले ने की सन 2000 में उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी जूलिया मार्ले इसकी अध्यक्ष हैं और इसका संचालन करती हैं . इसका मुख्यालय लंदन में है .पिछले वर्ष इसका आयोजन मुंबई में हुआ . प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य सुंदरता के साथ साथ महिलाओं की प्रतिभा ,बुद्धिमत्ता और व्यक्तित्व को उजागर करना है विभिन्न देशों की सुंदरियां इस प्रतियोगिता में भाग लेती हैं जिसमें रैंप वाक ,इंटरव्यू , और टेलेंट राउंड शामिल हैं .यह केवल सौंदर्य प्रतियोगिता नहीं है बल्कि अलग अलग संस्कृतियों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती है .

इतिहासकारों के अनुसार द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सभी देश अलग थलग पड गये तब उनको फिर से जोडने की द्रृष्टि से इस प्रतियोगिता को आरंभ किया गया जिसका उद्देश्य सभी राष्ट्र आपस में मिलें जुलें और परस्पर अपनी अपनी संस्कृतियों ,सभ्यताओं और संस्कारों को साझा करें जिससे कि विचार ,ज्ञान और जानकारियों में बढोतरी हो . मिस वर्ल्ड ओरगनाइज़ेशन बच्चों के लिये चैरिटी भी करता है विकलांग ,वंचित और अनाथ बच्चों की सहायता के लिये भी काम करता है इसलिये इसे ब्यूटि विथ पर्पस (सुंदरता के लिये उद्देश्य) कहा गया .दुनिया भर में इसकी प्रचुर लोकप्रियता है इसे इसी से समझा जा सकता है कि सबसे ज़्यादा देखा जाने वाला वार्षिक लाईव टेलीविज़न प्रोग्राम है जिसे दुनिया भर के 250 करोड दर्शक देखते हैं जो 180 से अधिक देशों में प्रसारित होता है .

बीते सात दशकों मे 160 से अधिक देशों ने इसमें भाग लिया . मिस वर्ल्ड की विजेता को कीमती रत्नों और पत्थरों से जडे मिस वर्ल्ड के ताज के साथ दुनिया भर में पहचान मिलती है . ताज की कीमत 3 से 5 करोड होती है . नकद पुरस्कार रु 10 करोड या उससे ऊपर होता है . जिसको जीत विजेता देश गौरान्वित होते हैं क्यों कि यह विश्व स्तर की कठिन प्रतियोगिता है .विश्व विजेता चुने जाने के बाद आयोजक संगठन द्वारा मानवीय मूल्यों के प्रचार प्रसार के लिये विश्व सुंदरी को पूरी दुनिया में भेजते है . भारत की पहली महिला मिस वर्ल्ड रीता फारिया हैं जिन्होंने सन 1966 में यह खिताब जीत कुछ दिन माडलिंग की और साथ पढाई करते हुए नामी डाक्टर बनीं .

देश में इस प्रतियोगित्ता को लाने और आयोजित करने का श्रेय सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की कंपनी ए बी सी एल को है जिनके द्वारा सन 1996 में बेंगलुरु में इसे आयोजित किया गया . भारत ने छः मिस वर्ल्ड खिताब जीते हैं .सन 1994 में ऐश्वर्या राय बच्चन ने यह ताज पहना ,1997 में डायना हेडन ,1999 में युक्ता मुखी , 2000 में प्रियंका चोपडा और 2017 में मानुषी छिल्लर ने इस ताज को पहन देश को गौरान्वित किया . इन विजेताओं के अनुसार यह सिर्फ सौंदर्य प्रतियोगिता नहीं है बल्कि यह प्रदर्शित करना भी है कि व्यक्तित्व में दया , सहायता और करुणा भी सौंदर्य का रूप हैं . अतः मानवीय गुणों को निखारना भी इसका ध्येय है .

इस बार सन 2025 की मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का आयोजन देश के आई टी कैपिटल हैदराबाद में 7 मई से 31 मई तक हो रहा है . जिसमें तेलंगाना की आध्यात्मिक , सांस्कृतिक ,ऐतिहासिक , और सामाजिक विरासत को 108 देशों से पधारी सुंदरियों को प्रदर्शित किया जा रहा है जिससे कि वह अपने अपने देशों में इसका उल्लेख कर सकें जिससे कि विदेशी सैलानी इस ओर आकर्षित हो यहां पधारें . राज्य सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा " तेलंगाना ज़रूर आना " की टैग लाइन के रूप में इसे प्रसारित किया जा रहा है. हैदराबादी व्यंजनो की दुनिया भर में शोहरत है विशेषकर " हैदराबादी बिरियानी " की अपार लोकप्रियता है .हैदराबाद के अलावा प्रतिभागी वरंगल , महबूब नगर , पोचम पल्ली ,यादगिरीगुट्टा , और बुद्धवनम की यात्रा कर वहां की ऐतिहासिक महत्ता को समझेंगे .मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के इस 72 वे संस्करण का समापन 31 मई को होगा . जिसमे नई मिस वर्ल्ड विजेता को ताज पहनाया जायेगा।

तीन सप्ताह तक चलने वाली इस प्रतियोगिता से हैदराबाद दुनिया भर में सुर्खियां बटोरेगा और उसकी कमर्शियल ब्रांडिंग होगी जिससे व्यापार जगत के बडे समूह यहां अपना कारोबार स्थापित करने के लिये आकर्षित होंगे .आई टी , एजुकेशन ,हेल्थ ,फार्मा , और कृषि हब के रूप में तेलंगाना की प्रसिद्धि को इस प्रतियोगिता से और शोहरत मिलेगी क्यों कि अंततोगत्वा यह ग्लोबल इकनामी का युग है जिसका मार्केट पूरी दुनिया है . अत; मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता सौंदर्य और संस्कृति का प्रतीक है .

काव्य कुंज

मेरे पिया

संजुला सिंह
जमशेदपुर

तुम देह हो मैं हूं प्राण पिया
तुम धड़कन हो मैं हूं स्वास पिया ।
तुम नेत्र हो मैं हूं प्रकाश पिया
तुम कंठ हो मैं हूं आवाज पिया ।
तुम पांव हो मैं तेरी चाल पिया
तुम से ही जीवन में छांव पिया ।
तुम मीत हो मैं हूं प्रीत पिया
तुम ही जीवन का संगीत पिया ।
तुम दीपक हो मैं बाती पिया
तुम ही जीवन के साथी पिया ।
तुम सूरज हो मैं सांझ पिया
तुम ही मेरे हो रांझा पिया ।
तुम ताल हो मैं तेरे सुर हूं पिया
तेरा प्यार मिला भरपूर पिया ।
तुम ही हो मेरा संसार पिया
है कई जन्मों का साथ पिया ।
तुम बिन जीना क्या जीना पिया
तुम बिन जीवन है सूना पिया ।
तुम से ही मेरा श्रृंगार पिया
वरणा जीवन है अंगार पिया ।
तुम माझी हो मैं पतवार पिया
संग जीवन होगा पार पिया ।
तुम मेरी खुशियों का राज पिया
तुमसे जीवन में साज पिया ।
तुम से ही मेरा अस्तित्व पिया
तुम ही हो मेरे सब गीत पिया ।
तुम चंदा हो मैं हूं चकोर पिया
तुम से ही जीवन का भोर पिया ।
तुम गद्य के हो अलंकार पिया
मैं हूं कविता की रस धार पिया ।
तुम धूप हो मैं तेरी छांव पिया
तुम यति हो मैं हूं यातना पिया ।
तुम मेरे जीवन का सार पिया
तुमसे ही जीवन का उद्दार पिया ।

जल जीवन का आधार

गजानन पाण्डेय

जल जीवन का आधार
जल बिना जीवन दुश्वार
जल से हर व्यवहार
जल प्रगति का आधार ।
जड़ - चेतन सब खिल उठते हैं
खेत - खलिहान में अन्न उपजाते
क्षुधा - शांति में जल तत्व है
जल का जीवन में महत्व है ।

सफलता की कुंजी

कुमुद बाला,
हैदराबाद

बनती है सफलता की कुंजी,
आती जीवन की कठिनाई
भविष्य हमारे हैं बच्चे
और यही हैं देश की अरुणाई
बड़ी मेहनत के बाद है होती ,
नसीब कामयाबी,
कभी गर चूक हो जाये भी तो ,
नहीं कोई खराबी,
भाग्य भी साथ देता है , हमेशा मेहनती इंसां का,
यही तो नहीं समझ पाता , पीने वाला इक शराबी,
आती है कई बार सुख - दुःख की,इस जीवन में अमराई,
बनती है सफलता की कुंजी , आती जीवन की कठिनाई,
भविष्य हमारे हैं बच्चे और यही हैं देश की अरुणाई।।
सावन के हरे को हर मौसम , हरियाली ही दिखती है,
वैसे तो कलम भी रुककर,कितने मुक्तक लिख सकती है,
सिद्ध वही साधक जो धूनी संग , ध्यान - बेल उगाता है,
वरना चाकी संग जिह्वा भी बस , पिसने से घबराती है,
यही तो अनुभूति की धरती , लिखती है जिसको रौशनाई,
बनती है सफलता की कुंजी , आती जीवन की कठिनाई,
भविष्य हमारे हैं बच्चे और यही हैं देश की अरुणाई।।
माना यह कि क़िस्मत भी , आजमाती इरादे कभी-कभी,
संजोग-भाग्य भी लिखता,जीवन की कहानी कभी-कभी,
कभी - कभी अपनी मिहनत भी बस , धोखा दे जाती है,
उम्मीद , रखना भी , देती ऊर्जा , यह सोच कभी - कभी,
स्वप्न देखना कम नहीं करना , कहती जीवन की सच्चाई,
बनती है सफलता की कुंजी , आती जीवन की कठिनाई,
भविष्य हमारे हैं बच्चे और यही हैं देश की अरुणाई।।

व्यवहार

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

शोभित हो सद्व्यवहार,
व्यवहार ही हो सदाबहार,
श्रेष्ठ व्यवहार ही है होनहार,
सात्विक व्यवहार ही है कंठहार,
नेक व्यवहार की ना होती कभी हार,
पैसा गया तो फिर पाया जा सकता है,
स्वस्थ बिगड़ा तो सुधारा जा सकता है,
और कुछ भी गया तो मिल जा सकता है,
व्यवहार बिगड़ा तो सब कुछ खो जाता है,
नाम-मान-पान अपनापन धूमिल हो जाता है,
व्यवहार को सुशोभित रखना अति आवश्यक है।

तुम्हे निहारना मेरी नीयति

संजीव ठाकुर,
रायपुर

कनखियों से कभी नजरों से निहारता हूं
यूँ ख्वाबो में कभी खबरों में निहारता हूं।
अक्षुण रहे यौवन तुम्हारा दुआ है मेरी
दिल की नजरों से रूह में निहारता हूं।
कल्पनाओं का क्या कीजिये अब भला
कातर याचक की नजरों से निहारता हूं।
खामोशी के गुंजन जैसी झलक तुम्हारी
एकांत की मदहोशी में तुम्हे निहारता हूं।
इन्तेहाई में इंतजार की दीप्त रूप के
दर्शन की अभिलाषा में निहारता हूं।
किस्मत के हाथों मिली शिकस्त हमे
फितरत खुद मेरी नियती से हारता हूं।
नख से शिख तक सेहत का खजाना हो
तुम्हे कुदरत की खुशबु में निहारता हूं।
चन्द्र किरणों सा धवल उजला हो तुम
कहीं चांद कहीं चांदनी में निहारता हूं।
अब तुम ही अंतिम फैसला करो संजीव
बावरा सा क्यों निर्झणियों में पुकारता हूं।

नौतपा

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

ये नौ तपा है खूब निराला।
गर्मी से बुरा हाल है लाला।
नौ दिन गुजरते मुश्किल से,
घर ही रहो,जीजा या साला।
नौतपा को भूल न जाना।
ये गर्मी का अमोघ खज़ाना।
हद से ज्यादा पड़ेगी गर्मी।
सूरज को धरती के पास है आना।
रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ेगी। झुलसेगा सारा आलम।
25 जून से 8 मई तलक,बचो लू से बच्चे बालम।
जेठ के महीने में शुरू के,ये खास समय होता है।
सूर्य रोहिणी नक्षत्र से मिल,प्रचण्ड गर्मी परोसता है।
सीधे सीधे सूर्य किरणें,जब धरती पे गिरेगी।
हालत बुरी होगी सबकी,शुक्र बिन रोहिणी नहीं सजेगी।
प्रचण्ड गर्मी का महीना।सब लोग बचके रहना।
दही फल नींबू का सेवन।कम करेगा शरीर की तपन।
सब्जा के बीजों का शरबत। पेट में तरबूज की बरकत।
ताप से राहत दिलाए, पसीना भी तो सुखाए।
दिमाग भी रखो ठंडा। वरना पड़ेगा गर्मी का डंडा।
बाहर के काम सुबह कर लेना, प्याज जेब में रख लेना।
टोपी बिन बाहर न जाओ। पानी खूब पीओ और पिलाओ।
जल्दी से घर में आकर। कूलर की हवा खाओ।

अपना घर

टी तारासिंह
हैदराबाद

घर बनाने के लिए घर छोडना पडता
फिर हमने अपना घर छोडा
ओर घर बनवाना शुरू किया
जमीन की पुजा करके भूगर्भ मे पंचधातु डाले
ओर घर के काम का श्रीगणेश किया
वास्तु अनुसार घर बनवाना शुरू किया
पहले पहल पानी चाहिए था बोरिंग डलवाया
घर बनते बनाते हमने बहुत कुछ सीखा
मजदूरो काम, मेस्त्री की अक्लमंदी
कालम ,बिम ओर पिलर का माल डालते देखा
सामानो को जोड़ना और मरम्मत करना
सीमेंट, रेत और पत्थरो की मिलावट देखी
दिवारे, छत ओर जमीन से जुडती खुबसूरती देखी
जमीन पर ग्रेनेड को सजाने की कला देखी
तारो के कनेक्शन को जंशनबाक्स से जोड़ते देखा
सिलिंग को रंगबिरंगे लैटो से सजाया
सिटिंग, बेडरूम का इंटिरियर्स को मनमोहन बनाया
पैसा है तो इंसान घर को महल बना देता और
आसमान से सितारे लाकर घर मे सजा देता ।।

राष्ट्र और युवा

प्रियंका सौरभ

हे युवक! मैंने तुझे ज्ञान दिया,
आत्मा दी, विज्ञान दिया।
तूने क्या लौटाया मुझे?
एक स्क्रीन पर राज बेच डाला मुझे!"
"मुझे न रोजगार मिला, न सम्मान।
जो मिला, वह था एक ख्वाब—
और एक परदे के पीछे
हँसती किसी रूपसी की आवाज़!"
विवेक – शिक्षा और राष्ट्रनिर्माण
यह शिक्षा नहीं, व्यापार है!
जहाँ डिग्री बिकती है, पर संस्कार नहीं।
शरीर सशक्त हैं, पर आत्मा क्षीण,
देशहित से दूर, निजी लोभ में लीन।
जागो गुरुओं! पाठशालाएँ बनाओ
जहाँ राष्ट्रगान केवल ध्वनि न हो—
बल्कि आत्मा का नाद बने,
सिर पर उठाया हुआ तिरंगा बने।

परिधि

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

अपनी अपनी परिधि के दायरे में,
हम सभी घूम रहे हैं,
सबका अलग-अलग आकार,
अलग भाव-भंगिमा,अलग ही संसार,
है विविधता लिए विचार और व्यवहार,
फिर भी हर किसी को, दूजे से है,
उम्मीदें बेशुमार।
इस घेरे में हम सभी बंधे हैं,
ये जानते हुए भी कि,
परिधि से परे शून्य है,
और जाना सभी को है उस पार।।
वृत्त की रेखा है, बाहरी सीमा,
इस सीमा से परे एकs

आतंकिस्तान का अंत जरूर

कमलेश झा

धधक रही है धरा निरंतर,
धू-धू कर जलती मानवता।
जहाँ हथियारों का होता हो खेल ,
कैसे बच सकती सभ्यता?
धुआँ-धुआँ है आज फिज़ा में,
छींटे ख़ून की फैली है।
इंसानियत कहीं कोने में रोती है,
ज़हरीली सोच खेली है।
नाम खुदा का,
काम शैतानों का – ये कैसा धर्म उगाया है?
तालीम की जगह बारूद से, आपने बच्चों को जलाया है?
मजहब की आड़ में बैठे, जो नफरत का व्यापार करें?
सुन लो अब ऐ आतंकियों–हिसाब तुम्हारा खुदा ज़रूर करें।
झूठ की चादर ओढ़ कर बैठे, जो नफरत का करता खेती ।
एक दिन ऐसी आंधी आएगी, सब कुछ दब जाएगी बहती रेती ।।
आतंक के इस काले घर में, अब दीप ज्ञान जलाना होगा।
जिसने मानव को बाँट दिया, उसको अब मिटाना होगा।
आतंकिस्तान एक धुआं है, जो खुद ही मिट जाएगा।
नफ़रत के बीज जो बोए हैं, वो खुद ही सड़ जाएगा।।
शब्द नहीं अब शस्त्र उठेंगे, न्याय करेगा समय यहां।
जहाँ जहाँ आतंकिस्तान लिखा हो,
मिटना होगा उसका नाम वहाँ।।
बोल उठा हर एक दिल अब –शांति चाहिए हमें अब।
धर्म नहीं, बस कर्म कहेगा–मानवता रक्षा चाहिए हमें बस।
छल-प्रपंच की रात गई अब, सूरज फिर मुस्काएगा,
आतंकिस्तान का अंत होगा, नया युग फिर आएगा।
पूरा विश्व अब जाग चुका है, अब कोई मौन नहीं साधेगा ।
जो शांति के पथ में बाधा हो, उसको माटी में मिलाएगा।
वीर जवानों की हुंकारें, अब सीमाओं पर गरजेंगी।
न्याय की ज्वाला हर कोने में, नफ़रत को अब तरसेंगी।
आतंक का हर चेहरा अब, पहचान लिया जाएगा,
आतंकिस्तान नामक कलंक, अब नक्शे से मिट जाएगा।।

तेरे बदलने का ...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

हसी,मजाक,ठिठोली,
पर हर इक कील से बंधे रहते थे
जिएं जी भर के,
सीना चौड़ा कर के रखते थे
समय ने ली करवट,तनाव ग्रस्त हुआ
न दुआ सलाम, पलटा कर मुंह चलते है
हसीए न रोविए, हैरान हो के खलोइए,
आंसू के घुट पीता हूँ
तेरे बदलने का दुख नहीं है मुझको
मैं तो अपने यकीन पर शर्मिंदा हूं
सुन तो रखा था
उगते हुए सूरज को सलाम करते हैं
विपरीत दिशा में नौका बहाओ,
प्रणाम करते हैं
आहट हुई विपदाओं की,आंधी, तूफानों की दस्तक
आज नहीं कल,पल्ला झटक कर चलते हैं
सब कुछ धरा रह गया,
मुंडेरों पर अंधेरा सजाता हूं
तेरे बदलने का..
राम लक्ष्मण की जोड़ी,
तालियां बजा कर स्वागत किया जाता था
बेहतरीन लंगोटिया यार,
सिर पर बैठाया जाता था
कभी कभी स्वास्थ्य प्रभावित हो जाता है
सीना छलनी,
गर्त तले दबा दिया जाता था
क्या कहा जाए,
बेतरतीब समीकरणों में उलझा हूं
तेरे बदलने का..

सब कुछ है मुट्ठी में

डॉ विजय पांढरीपांडे
हैदराबाद

मुट्ठी में है सबकुछ
लिखना बोलना हसना हसाना
चिट्ठी जबाव रोना रुलाना
पोस्ट ऑफिस,कुरिअर,
मुठी मे है सबकुछ..
ना मिलना न बिछडना
ना गुस्सा ना जोश
ईमोजी मे है सबकुछ
ना छुना न आँसु पोछना
ना गले लिपटना
ना घर आना जाना
बस मुट्ठी में हैं सबकुछ!
देखो, सुनो,कहो
पढे पढाईए.. मिले, मीलाईए..
ना कही जाना ना आना
सब कुछ हैं मुठीमें ।।

संयोग और वियोग

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

संयोग से ही मिलते हैं,
एक दूजे से दिल।
संयोग न हो तो हमें,
कहाँ मिले मंजिल।।
संयोग सारे ईश्वर हवाले,
संयोग तो भाग्य हमारे,
हाथ लकीरों में संयोग नहीं तो,
गर्दिश में सितारे,
संयोग का समय निर्धारित,
दिन रात मिलन संयोग,
इंसान के बस में नहीं,
किससे मिले कब वियोग,
हारी बाजी जीते तो,मन प्रफुल्लित खिले दिल।
संयोग न हो तो हमें , कहाँ मिले मंजिल।।
संयोग से ही मिलते हैं , एक दूजे से दिल।।
सात फेरे सुखद संयोग,निभ जाए तो शुभ संयोग,
आज अशुभ करने को, टूटन के लग रहें हैं रोग,
संबंधों की गरिमा को, तोड़ मरोड़ रहे हैं लोग
जीती बाजी हार गए तो ,ईश्वर का समझो भोग,
वियोग में भी जीना सीखें, न बने बुझदिल।
संयोग न हो तो हमें, कहाँ मिले मंजिल।।
संयोग से ही मिलते हैं, एक दूजे से दिल।।

भारत माता का लाल

डॉ डी डी देसाई

अभी अभी तेरी जिंदगी में लाल आया था,
किसी माँ की गोद से तेरे हाथ आया था।
पहलगाम की सैर तुम्हारा सुहाग ले गयी,
जो तेरी माँग का सिंदूर बन आया था।
तेरे हाथों की मेहंदी अभी उत्तरी नहीं थी...
सुहाग का सीना गोलियों से छलनी हुआ था।
तू डर मत...न ही कभी हार हौसला,
अभिमान है तू हमारा...बस यही है कहना।
मैं भारत माता का लाल हूँ...
मेरा तुझसे एक वादा है बहना....।
जिसने तोड़ी हैं तेरे हाथों की चूड़ियाँ,
उसका आशियाना भी तोड़ दिया जाएगा।
जिसने मिटाया है तेरे माथे का सिंदूर,
उनका नामोनिशान मिटा दिया जाएगा।
तेरी पलकों के अश्क सूखने से पहले बहना,
आतंकी के लहू से धरती का अभिषेक किया जाएगा।
तब तुम पोंछना अपने अश्क शान से,
तेरे सुहाग का तिरंगे में सम्मान किया जाएगा।
यह देश खड़ा है तेरी दीवार बनकर...
पडोसी की आतंकी दीवार को गिरा दिया जाएगा।
जो हुआ यात्रियों के भाग्य की अधूरी रेखा समझो मगर,
जिम्मेदार नस्ल को जड़ से उखाड़ दिया जाएगा।
एक पल के लिए सख्ते में आया था पहलगाम...
पड़ोसी दुश्मन एक दिन घुटने पर आ जाएगा।
भारत माता का हर लाल तेरा सुरक्षा कवच होगा,
तुम मेरे देश की बेटी, बहु, माता हो.. तेरा सम्मान होगा।

डिजिटल दुनिया में बचपन भटक रहा...!

आज डिजिटल दुनिया में बचपन हैं भटक रहा,
पेरेन्ट्स को अनसुना कर गूगल संग मटक रहा।
बच्चे नई तकनीक से कदम से कदम मिला रहें,
रिश्ते-नाते संग यार-दोस्त सब बहुत दूर जा रहें।
सोशल मीडिया की गिरफ्त में खुद ही समा रहें,
एक ही कमरे में बैठकर नजरें भी ना मिला रहे।
आज डिजिटल दुनिया में बचपन हैं भटक रहा,
पेरेन्ट्स को अनसुना कर गूगल संग मटक रहा।
जिज्ञासु बच्चे अल्फा पीढ़ी के दुनिया में जी रहें,
वर्तमान में पर्व,रीति-रिवाज से अनभिज्ञ हो रहें।
ऑनलाइन पढ़ाई, शॉपिंग कर घर में वो सो रहें,
परिवेश और संस्कार बिन काम घर बैठे हो रहें।
आज डिजिटल दुनिया में बचपन हैं भटक रहा,
पेरेन्ट्स को अनसुना कर गूगल संग मटक रहा।
बच्चे घर और कक्षा में क्या? एक्टिविटी कर रहें,
मॉम-डैड मोबाइल से रील बनाकर मस्त हो रहें।
बच्चों को बचपन से हाथों में टेबलेट पकड़ा रहें,
समयाभाव में कार्टून फिल्म का चस्का लगा रहें।

ललकार...

ओमकार सर्डिवाल,
हैदराबाद

अए दुनिया वालों, तुम इतना जान लो,
हाथ उठाकर,कभी ना दिखाओ...यह भारत देश है,
अब नहीं चलेगी तुम्हारी मनमानी,
अब भगवा की भाषा बोलेंगे,
अपना पंजा उठाए रखेंगे...
हर जर्रे-जर्रे में सौगंध भर देंगे,
हर नस-नस में उफान दौड़ देंगे,
आंचल जो मां का फैला है,
अब उसे हाथ न लगने देंगे...बात भई अब पुरानी,
अब मिल बाट कर हम ना खायेंगे,
जो हमारा है उसे हम ले जाएंगे,
घुटनों पर तुम्हें झुकाएंगे...
सीमा पर अगर हुआ युद्ध, आंतरिक युद्ध छेड़ देंगे,
आर्थिक मंदी का सामना तुम करोगे,
फिर अपने बल पर कैसे खड़े होंगे...
नवभारत में नवनिर्माण, नवचेतना अब बहती है,
बालक-बालक अब जाग उठा,
भारत की रक्षा हेतु सौगंध उठा बैठा...
रौंदेंगे अब तुझे हम, जो यहां का रुख किया,
विज्ञान की नई तस्वीर तुझे दिखा देंगे,
हर हथियार अपने देश में बना होगा...
भारत मां की ललकार पर,हर बच्चा-बच्चा सीमा पर होगा,
वो हर मंजर तुझे दिखाएंगे,जिसकी तूने आशा न किया होगा...
भारत मां की जय हम कहते हैं,मां के चरणों में शीश झुकाते हैं...

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

कोरोना से भारत को कितना खतरा?

नया वैरिएंट आने तक हम सेफ; क्या केस बढ़ने पर वैक्सीन लगवानी होगी

सिंगापुर, चीन, थाईलैंड और हॉन्गकॉन्ग, एशियाई देशों में कोरोना फिर लौट आया है। सिंगापुर में 13 मई तक कोरोना के 14,200 और थाईलैंड में 17 मई तक 33,030 नए मरीज मिले हैं। हॉन्गकॉन्ग में 10 मई तक 1042 नए केस दर्ज किए गए। भारत में भी 12 मई के बाद से केस बढ़े हैं। 11 राज्यों में नए केस सामने आए हैं। ज्यादातर मामले केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से हैं। 24 मई को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जो आंकड़े दिए, उसके मुताबिक देश में एक्टिव केस 312 हैं। मुंबई में दो मरीजों की मौत की खबर भी आई है। हालांकि, एक्सपर्ट्स कोरोना के इस वैरिएंट को ज्यादा खतरनाक नहीं मान रहे हैं। कोविड के बढ़ते केसेज को देखते हुए सिंगापुर और थाईलैंड में रह रहे भारतीयों से बात की गई। साथ ही एक्सपर्ट से भी समझने की कोशिश की है कि एशियाई देशों में बढ़ते मामलों से भारत में कितना खतरा है। क्या सावधानियां बरती जाएं और क्या फिर से वैक्सीन लगवाने की नौबत आ सकती है...? पडताल करती रिपोर्ट।

सिंगापुर सरकार ने कोविड पर आखिरी प्रेस रिलीज 13 मई को जारी की थी। सरकार ने बताया कि 27 अप्रैल से 3 मई के बीच कोविड केस बढ़कर 14,200 हो गए। इसके पिछले हफ्ते तक 11,100 मामले ही थे। अस्पतालों में मरीजों की संख्या भी 102 से बढ़कर 133 हो गई। हालांकि, कम्युनिकेबल डिजीजेज एजेंसी यानी सीडीए का कहना है कि इस वैरिएंट की वजह से गंभीर स्थिति नहीं बन रही है। सीडीए मुताबिक, कोविड केस बढ़ने की वजह लोगों की कमजोरी इम्यूनिटी हो सकती है। सिंगापुर में LF-7 और NB-1.8 के कारण संक्रमण बढ़ रहा है। ये दोनों जेएन-1 के सब वैरिएंट हैं और अगस्त 2023 में सामने आए थे। कोविड के जिन केस की जीनोम सीक्वेंसिंग की गई हैं, उनमें दो तिहाई मामले इसी से जुड़े हैं। मौजूदा कोविड-19 वैक्सीन के

फॉर्म्युलेशन में JN-1 वैरिएंट का भी इस्तेमाल किया गया है। सिंगापुर में केस बढ़े हैं, लेकिन कोई पैनिक की स्थिति नहीं है। ये फ्लू की तरह है। लोग डॉक्टर के पास जा रहे हैं, दवाइयां लेकर घर आ-जा रहे हैं। हेल्थ डिपार्टमेंट ने मास्क पहनने और सावधानी बरतने को कहा है। बाकी डरने वाली कोई बात नहीं है। लोग मास्क पहन रहे हैं और नॉर्मल लाइफ चल रही है। पिछली बार हालात गंभीर थे। लोग घरों में कैद हो गए थे। सब कुछ बंद पड़ा था, लेकिन अभी वैसी कोई स्थिति नहीं है।

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का बिजनेस कर रहे विकास कुमार बताते हैं कि उन्हें मीडिया से ही पता चला है कि पिछले एक-दो हफ्ते से कोविड के मामले बढ़ रहे हैं। उनकी नजर में अब तक कोई कोविड केस नहीं आया है। अभी सिंगापुर सरकार की तरफ से कोविड को लेकर कोई हेल्थ एडवाइजरी जारी नहीं की गई है। न ही आम लोगों की जिंदगी में कोई बड़ा बदलाव ही दिख रहा है। सब कुछ पहले की तरह नॉर्मल चल रहा है। मार्केट या पब्लिक प्लेस में भी लोग मास्क लगाए नजर नहीं आ रहे हैं।'

थाईलैंड में पिछले हफ्ते दोगुना नए केस रिपोर्ट किए गए हैं। डिपार्टमेंट ऑफ डिजीज कंट्रोल के मुताबिक 11 से 17 मई के बीच कुल 33,030 कोविड केस दर्ज किए गए। पिछले हफ्ते में 16 हजार केस रिपोर्ट हुए थे। पिछले हफ्ते सबसे ज्यादा 6,290 केस राजधानी बैंकॉक में मिले। जितने केस रिपोर्ट हुए हैं, उनमें 1,918 लोगों को अस्पताल में एडमिट कराया गया। संक्रमण की वजह से दो लोगों की मौत भी हो गई।

बैंकॉक पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, हेल्थ मिनिस्ट्री ने हालात को लेकर खास चिंता नहीं जताई है। हालांकि, थाइलैंड की चूलालॉन्गोकर्न यूनिवर्सिटी में मेडिसिन के फैकल्टी डॉ. थीरा वोराटनारट की राय सरकार से अलग है। उन्होंने फेसबुक पेज पर लिखा कि पिछले 11 हफ्तों से कोविड के केस लगातार बढ़े हैं। अगर यही हालात रहे तो आने वाले हफ्ते में हालात परेशान करने वाले हो जाएंगे। बैंकॉक के सिलोम सोई थॉन पान इलाके में रह रहे 29 साल के अयमान नासिर के मुताबिक, अभी यहां हालात सामान्य हैं। यहां केस बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार ने पैनिक न होने को कहा है। कुछ स्कूल ने बच्चों को आने से मना जरूर किया है, लेकिन ज्यादातर स्कूल खुले हैं। बाजार भी सामान्य दिनों की तरह खुले हुए हैं। यहां लोग पहले से ही सावधानी बरत रहे हैं। अभी बाहर से आने वाले लोगों को क्वारैंटाइन भी नहीं किया जा रहा है। संक्रमित हो रहे लोगों को शरीर में दर्द, सिरदर्द, बुखार जैसे लक्षण दिख रहे हैं। ये वैसे ही लक्षण हैं, जो पिछली बार कोविड मरीजों में देखे गए थे। सिंगापुर और थाईलैंड के अलावा, हॉन्गकॉन्ग में भी कोरोना के मामले बढ़े हैं। 15 मई को हॉन्गकॉन्ग के सेंटर फॉर हेल्थ प्रोटेक्शन ने इसे लेकर एक प्रेस नोट जारी किया। उसके मुताबिक, 19वें हफ्ते में कोविड के 1,042 मामले पॉजिटिव पाए गए हैं। कोविड से 18 लोगों की मौत भी हुई है।

भारत में 312नए एक्टिव केस, लेकिन हालात गंभीर नहीं

भारत में 12-24 मई के बीच कोविड के 312 नए केस रिपोर्ट किए गए हैं। हालांकि, हेल्थ मिनिस्ट्री के अफसरों ने मीडिया से कहा कि भारत में जो केस आए हैं, वो सीरियस नहीं हैं। इसमें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं पड़ी है। दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. सुरेश कुमार भारत में आ रहे केस पर कहते हैं, 'इसके बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं आई है। ज्यादातर लोग वैक्सीन लगवा चुके हैं, इसलिए चिंता की बात नहीं होनी चाहिए। अगर किसी को लक्षण दिख रहे हैं तो उसे खुद आइसोलेट हो जाना चाहिए, मास्क लगाना चाहिए।

जिन राज्यों में कोविड के मामले ज्यादा बढ़े हैं, उनमें महाराष्ट्र, तमिलनाडु और केरल शामिल हैं। 19 मई को जारी आंकड़ों के मुताबिक, केरल में एक्टिव केस की संख्या 95 हो गई। इनमें 69 केस 12 मई से बढ़े हैं। तमिलनाडु में एक्टिव केस 66 हैं, जो पिछले एक हफ्ते के मुकाबले दोगुना है। महाराष्ट्र में एक्टिव केस की संख्या 56 बताई गई है। हालांकि राज्यों के दावे केंद्र सरकार के आंकड़ों से अलग हैं। 20 मई को महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि राज्य में 106 एक्टिव केस हैं। इनमें 52 मरीजों में हल्के लक्षण हैं, जिनका इलाज किया जा रहा है। 16 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। मुंबई में दो लोगों की मौत भी रिपोर्ट की गई है। सरकार ने बताया कि दोनों मरीजों को पहले से कई बीमारियां थीं। इस साल राज्य में कोविड से जुड़ी ये पहली दो मौतें हैं। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने 20 मई को मीडिया से कहा, 'दो लोगों की मौत के कारण लोग परेशान हो गए हैं। घबराने की जरूरत नहीं है। कोरोना पहले जिस तरीके से फैला था, वो अलग बात थी। अब हम लोगों की प्रतिरोधक क्षमता इतनी बढ़ चुकी है कि कोरोना वायरस रहते हुए भी हम अच्छी तरह जी सकते हैं। अगर फिर भी कोई जरूरत पड़े, तो डॉक्टर से मदद लेनी चाहिए।'

किसी व्यक्ति को अगर डायबिटीज, सांस की बीमारी या कैंसर है और उसे कोविड हो गया। फिर उसे हम सीधे तौर पर कोविड से हुई मौत नहीं बोल सकते हैं। ये उस बीमारी से हुई मौत कहेंगे, जो पहले से थी। केरल सरकार के मुताबिक, राज्य में मई में कोविड के 182 केस रिपोर्ट किए गए। इसमें कोट्टायम में सबसे ज्यादा 57 केस मिले। एर्नाकुलम में 34 और तिरुवनंतपुरम में 30 केस रजिस्टर किए गए।

साउथ-ईस्ट एशियाई देशों में कोरोना के केस बढ़ रहे हैं, इसलिए केरल में भी मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है।

आकाश में तूफान, ज़मीन पर नफ़रत – फिर भी बच गई उड़ान

प्रो. आरके जैन अरिजीत

जब बादलों के गर्जन से आसमान दहल रहा हो, जहाज 36,000 फीट की ऊंचाई पर हिचकोले खा रहा हो, और यात्रियों की सांसे अटक गई हों — उस वक्त इंसान सिर्फ एक चीज़ की उम्मीद करता है: इंसानियत। लेकिन 21 मई की शाम, जब दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई2142 जानलेवा तूफान में फंसी थी, तब उसे आसमान में हवा से ज़्यादा ज़रूरत ज़मीन पर बैठे इंसानों की समझदारी की थी। दुर्भाग्यवश, उस समझदारी की उम्मीद पाकिस्तान से थी।

यह फ्लाइट एक नियमित उड़ान थी। सब कुछ सामान्य था जब तक विमान पठानकोट के आसमान में नहीं पहुँचा। तभी पायलट के रडार पर एक भीषण तूफान दिखाई दिया — इतना विकराल कि उसकी लहरें आसमान को ही निगलने को तैयार थीं। सामान्य प्रक्रिया के तहत, ऐसे हालात में पायलट या तो तूफान से बचने के लिए वापस लौटता है या फिर वैकल्पिक रूट लेता है। लेकिन उस वक्त वापस लौटने की कोई संभावना नहीं थी। दायीं ओर तूफान था, और बाईं ओर पाकिस्तान का एयरस्पेस।यह वह पल था जब ज़िंदगी और मौत के बीच एक पतली सी रेखा थी — और उसे पार कराने की चाबी थी पाकिस्तान के हाथ में। विमान के पायलट ने अंतरराष्ट्रीय नियमों और मानवीय आधार पर लाहौर एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क कर वैकल्पिक रास्ता देने की विनती की। यह एक औपचारिक नहीं, फौलादी मानवता की परीक्षा थी। लेकिन पाकिस्तान ने उस परीक्षा में बुरी तरह फेल होते हुए, इस अनुरोध को ठुकरा दिया।इस एक फैसले ने 227 यात्रियों और क्रू मेंबर्स को जानबूझकर मौत के मुंह में धकेल दिया। यह केवल एक राजनीतिक इनकार नहीं था — यह मानवता के खिलाफ एक मौन अपराध था। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) की स्पष्ट गाइडलाइंस हैं कि ऐसी आपातकालीन परिस्थितियों में किसी भी देश को मानवीय आधार पर मदद देने के लिए बाध्य होना चाहिए। लेकिन पाकिस्तान की नीति स्पष्ट है — चाहे मामला ज़िंदगी का हो या शांति का, उसका एजेंडा सिर्फ विरोध है।यह वही पाकिस्तान है जिसने पहले भी बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भारत से दुश्मनी की आग में अपने आसमान को बंद कर दिया था। उसी नीति का एक और उदाहरण इस घटना में सामने आया। सुरक्षा के नाम पर, पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र को भारत के लिए बंद रखा हुआ है, और अब उसी बंदिश ने यात्रियों की जान को खतरे में डाल दिया।

सोचिए, अगर उस दिन पायलट थोड़ी भी चूक कर जाता, अगर वह तूफान की ताकत को ठीक से आंक नहीं पाता, तो क्या होता? भारत के आकाश में एक त्रासदी लिख दी जाती। 227 परिवार शोक में डूब जाते। इस तरह की घटनाएं सिर्फ एक हादसा नहीं होतीं, ये इतिहास बनती हैं - और ये इतिहास यह बताता कि जब जीवन दांव पर था, तो पड़ोसी देश ने पीठ फेर ली।

लेकिन इस त्रासदी में भी एक रोशनी की किरण थी — हमारे पायलट की साहसिकता, उसकी निर्णय क्षमता और ज़िम्मेदारी ने वह कर दिखाया जो शायद किसी चमत्कार से कम नहीं था।

सदाबहार फिल्मी गीतों के बादशाह- मजरूह सुल्तानपुरी

मजरूह सुल्तानपुर

प्रदीप कुमार वर्मा

महर्षि वाल्मीकि,दुर्वासा और वशिष्ठ आदि ऋषि मुनियों की तपोस्थली, प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्रीय चेतना के विकास की धुरी, यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित श्रीपति मिश्र की जन्मस्थली और अयोध्या तथा प्रयागराज के बीच गोमती नदी के किनारे बसा एक ऐतिहासिक शहर लेकिन उत्तर प्रदेश के एक महत्वपूर्ण जनपद सुल्तानपुर का एक और परिचय है और यह परिचय मशहूर शायर और गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी की जन्मभूमि के रूप में है। महान शायर और गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी ने शायरी की दुनिया से लेकर मुशायरों के मंच पर कलाम पेश करने के बाद फिल्मी दुनिया की ओर रुख किया। उन्होंने अपने करियर में कई फिल्मों में लोकप्रिय और कालजयी गीत लिखे जो उनके निधन के करीब पच्चीस साल बाद भी लोगों की जुबान पर हैं। इनमें प्रेम,करुणा, विरह,दोस्ती तथा जीवन की कड़वी हकीकत पर आधारित कई गीत आज भी फिजां में गूंज रहे हैं। उनके गीतों का जादू ऐसा था कि उनके लिखे गीतों पर अभिनय एवं गायन करते हुए कई अभिनेताओं एवं पार्श्व गायकों के करियर बने और उन्होंने सफलता के कई मुकाम हासिल किए।

हिंदी फ़िल्मों के मशहूर गीतकार और प्रसिद्ध शायर मजरूह सुल्तानपुरी का जन्म उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में ही एक राजपूत मुस्लिम परिवार में एक अक्टूबर 1919 को हुआ था। इनका वास्तविक नाम 'असरार उल हसन ख़ान' था। मजरूह ने लखनऊ के ₹तकमील उल तीब कॉलेज' से यूनानी पद्धति की मेडिकल की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। पिता के जोर देने पर वो आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा पद्धति के अध्ययन के बाद एक हकीम के रूप में काम करने लगे थे पर उनके मन में तो कुछ और करने का था, इसलिए वो पूरी तरह लेखन में डूब गए। इस दौरान उन्होंने अपने लिए एक नया नाम भी चुन लिया- मजरूह, जिसका अर्थ होता है घायल और इस प्रकार शायरी की दुनिया में आने के बाद असरार उल हसन खान शायरी और अदब की दुनिया में मजरूह सुल्तानपुरी बन गए। बचपन के दिनों से ही मजरूह सुल्तानपुरी को शेरो-शायरी करने का काफ़ी शौक़ था और वे अक्सर सुल्तानपुर में हो रहे मुशायरों में हिस्सा लिया करते थे। इस दौरान उन्हें काफ़ी नाम और शोहरत भी मिली। इसी दौरान उनकी मुलाकात मशहूर शायर 'जिगर मुरादाबादी' से हुई। इस मुलाकात के बाद वर्ष 1945 में मुम्बई की 'सब्बो सिद्धकी इंस्टीट्यूट' द्वारा संचालित एक मुशायरे में हिस्सा लेने के लिए मजरूह सुल्तानपुरी मुम्बई गए। मुशायरे के कार्यक्रम में उनकी शायरी सुनकर मशहूर निर्माता एआर.कारदार उनसे काफ़ी प्रभावित हुए। संगीतकार नोशाद के कहने पर उन्होंने मजरूह सुल्तानपुरी से अपनी फ़िल्म के लिए गीत लिखने की पेशकश की। मजरूह ने कारदार साहब की इस पेशकश को स्वीकार नहीं किया। क्योंकि उन दिनों में फ़िल्मों के लिए गीत लिखना वे अच्छी बात नहीं समझते थे।जिगर मुरादाबादी' ने मजरूह सुल्तानपुरी को तब सलाह दी कि फ़िल्मों के लिए गीत लिखना कोई बुरी बात नहीं है। फिर क्या जिगर मुरादाबादी की सलाह पर मजरूह सुल्तानपुरी फ़िल्म में गीत लिखने के लिए राजी हो गए। एक साल बाद में वर्ष 1946 में कारदार साहब की फिल्म 'शाहजहां' के लएि मजरूह ने ही गाने लखिे थे। फ़िल्म शाहजहाँ के लिए गीत 'जब दिल ही टूट गया' बेहद लोकप्रिय हुआ।

इसके बाद मजरूह सुल्तानपुरी और संगीतकार नौशाद की सुपरहिट जोड़ी ने 'अंदाज', 'साथी', 'पाकीजा', 'तांगेवाला', 'धरमकांटा' और 'गुड्डू' जैसी फ़िल्मों में एक साथ काम किया। फ़िल्म 'शाहजहाँ' के बाद महबूब ख़ान की 'अंदाज' और एस. फाजिल की 'मेहन्दी' जैसी फ़िल्म दी। अपनी वामपंथी विचारधारा के कारण मजरूह सुल्तानपुरी को कई बार कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ा।

कैसे कांग्रेस में फेल हो रहे राहुल गांधी

कांग्रेस में अब तक कम से कम ऐसे पांच बड़े नेता सामने आ चुके हैं, जिनका ऑपरेशन सिंदूर और विदेश मंत्री एस जयशंकर को लेकर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की अगुवाई वाली कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक लाइन से काफी अलग लाइन रही है। इनमें शशि थरूर, सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी, पी चिदंबरम और के सुधाकरन जैसे दिग्गज कांग्रेसी शामिल हैं। यह फेहरिस्त तब और भी लंबी हो जाती है, जब पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दुनिया भर के देशों में गए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सारे कांग्रेसी सदस्यों को जोड़ लिया जाए। लेकिन, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी फिर भी ऑपरेशन सिंदूर और विदेश मंत्री एस जयशंकर पर निशाना साधने से पीछे नहीं हट रहे हैं।

ऐसे समय में जब कांग्रेस के कई नेता और सांसद आतंकवाद पर पाकिस्तान की काली करतूत उजागर करते हुए केंद्र सरकार का पक्ष रखने के लिए विदेश दौरे पर हैं या जाने वाले हैं, तब राहुल गांधी ने फिर से विदेश मंत्री एस जयशंकर और भारत सरकार को निशाना बनाया है। उन्होंने X पर लिखा कि 'भारत की विदेश नीति फेल हो गई है।' राहुल गांधी ने 'JJ' शब्द का इस्तेमाल किया, जिससे पार्टी में भी कुछ लोग हैरान हैं। उन्होंने जयशंकर के इंटरव्यू का एक वीडियो शेयर करते हुए कुछ सवाल पूछे हैं। उन्होंने

पूछा कि भारत को पाकिस्तान के साथ क्यों जोड़ा जा रहा है? पाकिस्तान की निंदा करने में किसी देश ने हमारा साथ क्यों नहीं दिया? ट्रंप को भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के लिए किसने कहा? उन्होंने साफ कहा कि भारत की विदेश नीति पूरी तरह से चरमरा गई है।

राहुल गांधी ने यह नहीं बताया है कि'JJ'से उनका मतलब क्या है। कुछ नेताओं को लग रहा है कि एक J का इस्तेमाल तो जयशंकर के लिए हो सकता है। लेकिन, दूसरे J को लेकर कई तरह की बातें कही जा रही हैं। लेकिन, कांग्रेस के भीतर के भी ज्यादातर लोगों का यही मानना है कि दूसरा J जयशंकर के लिए ही कोई नकारात्मक शब्द है। ऐसे में पार्टी के एक नेता ने बताया है कि कांग्रेस को इस तरह की बातों से परहेज करना चाहिए। सरकार या विदेश मंत्री से सवाल पूछना है तो इससे बेहतर तरीका भी हो सकता है। इनमें से एक नेता बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं। उनको लगता है कि विपक्ष के नेता होने के नाते सरकार से सवाल पूछना उनकी जिम्मेदारी है, लेकिन इसके लिए सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट समझ से परे है।

ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है जब कांग्रेस और राहुल गांधी ने जयशंकर पर इस तरह से निशाना साधा है। राहुल गांधी यहां तक पूछ चुके हैं कि क्या सरकार ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हमला करने से पहले उन्हें बताया था? पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि जयशंकर के बयानों से आतंकियों को भागने में मदद मिल सकती है। उन्होंने जयशंकर को 'मुखबिर' भी कहा और ऑपरेशन सिंदूर के लिए 'सिंदूर का सौदा' जैसे आपत्तिजनक लफ्जों का भी इस्तेमाल किया, जो कुछ कांग्रेस नेताओं को भी रास नहीं आ रहा।

इस मामले में सत्ताधारी बीजेपी अपने अंदाज में राहुल गांधी पर पलटवार कर रही है। वह तथ्यों के साथ भी कांग्रेस नेता को घेर रही है और जुबानी खिंचाई भी कर रही है। कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए यहां तक ठीक है। क्योंकि, वह भारतीय जनता पार्टी से इससे बेहतर उम्मीद भी नहीं कर सकते। लेकिन,जिस तरह से इस मामले में कांग्रेस के कई दिग्गज सरकार और देश के साथ खुलकर खड़े हुए हैं और लगातार सामने आ रहे हैं, उससे लगता है कि बीजेपी तो बाद की बात है, राहुल अपनी बातों में कांग्रेस के अंदर भी फेल हो रहे हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने नई चुनौती: जासूस यूट्यूबर

- संदीप सृजन

ज्योति मल्होत्रा का मामला एक बड़े जासूसी नेटवर्क का हिस्सा है जिसका भंडाफोड़ हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए एक आतंकी हमले के बाद हुआ। इस हमले के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने देश भर में सक्रिय जासूसों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, हरियाणा और पंजाब से छह लोगों को गिरफ्तार किया गया जिनमें ज्योति मल्होत्रा प्रमुख हैं। अन्य गिरफ्तार व्यक्तियों में गजाला, यामीन मोहम्मद और देविंदर सिंह ढिल्लो शामिल हैं। ये सभी कथित तौर पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और दिल्ली स्थित पाकिस्तान हाई कमीशन के एक अधिकारी, अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश, के संपर्क में थे।

ज्योति की गिरफ्तारी से पहले पंजाब पुलिस ने मलेरकोटला से गजाला और यामीन मोहम्मद को गिरफ्तार किया था। गजाला का काम दानिश से पैसे लेकर जासूसों तक पहुंचाना था जबकि यामीन हवाला और अन्य माध्यमों से धनराशि ट्रांसफर करने में शामिल था। पूछताछ के दौरान इन दोनों ने ज्योति और अन्य जासूसों के नाम उजागर किए। हरियाणा के कैथल से गिरफ्तार देविंदर सिंह ढिल्लो ने 2024 में गुरु नानक जयंती के अवसर पर पाकिस्तान की यात्रा की थी जहां उसे हनी ट्रैप में फंसाकर पटियाला कैंट की तस्वीरें और वीडियो साझा करने के लिए मजबूर किया गया।

ज्योति मल्होत्रा का पाकिस्तान कनेक्शन 2023 में शुरू हुआ जब वह अपने यूट्यूब चैनल के लिए वीजा लेने दिल्ली स्थित पाकिस्तान हाई कमीशन गई थीं। वहां उनकी मुलाकात अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश से हुई जो पाकिस्तान हाई कमीशन में कार्यरत एक अधिकारी था। दानिश ने ज्योति को पाकिस्तान की यात्रा के लिए प्रोत्साहित किया और उनके ठहरने और घूमने की व्यवस्था की। ज्योति ने 2023 और 2024 में तीन बार पाकिस्तान की यात्रा की जहां उनकी मुलाकात दानिश के परिचित अली अहवान, शाकिर, और राणा शहबाज जैसे व्यक्तियों से हुई। इनमें से कुछ लोग पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए काम करते थे।ज्योति ने अपने मोबाइल में शाकिर का नंबर 'जट रंधावा' के नाम से सेव किया था ताकि किसी को शक न हो। वह व्हाट्सएप, टेलीग्राम, और स्नैपचैट जैसे प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से इन लोगों के साथ संपर्क में थी। पूछताछ में ज्योति ने स्वीकार किया कि उन्होंने कुछ "राष्ट्र-विरोधी" जानकारी साझा की थी जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती थी। उनके यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में पाकिस्तान की सकारात्मक छवि पेश करने की कोशिश की गई जिसे अब जांच एजेंसियां संदिग्ध मान रही हैं।

ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी ने उनकी आर्थिक स्थिति और जीवनशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उनके यूट्यूब चैनल 'ट्रैवल विद जो' से होने वाली आय का अनुमान लगाया गया है। यूट्यूब विज्ञापनों से प्रति 1,000 व्यूज पर 1-3 डॉलर (80-240 रुपये) की कमाई होती है। यदि उनके वीडियो पर औसतन 50,000 व्यूज आते थे और वह महीने में 10 वीडियो पोस्ट करती थीं, तो उनकी मासिक आय 40,000 से 1.2 लाख रुपये के बीच हो सकती थी। इसके अलावा, ब्रांड डील्स और स्पॉन्सरशिप से भी उनकी कमाई होती थी। एक अनुमान के अनुसार, वह प्रति ब्रांड पोस्ट 20,000 से 50,000 रुपये चार्ज करती थीं जिससे उनकी मासिक आय 80,000 से 2.7 लाख रुपये तक हो सकती थी।

ज्योति की कुल नेटवर्थ 15 से 40 लाख रुपये के बीच होने का अनुमान है जो उनकी आय, खर्च, और जीवनशैली पर निर्भर करता है हालांकि, पुलिस जांच में यह सामने आया कि उनकी आय उनके खर्चों से कहीं अधिक थी जिसने विदेशी फंडिंग की संभावना को जन्म दिया। उनके बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन की जांच चल रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या उन्हें पाकिस्तान या अन्य स्रोतों से धन प्राप्त हो रहा था।

ज्योति मल्होत्रा का मामला केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक बड़े जासूसी नेटवर्क का हिस्सा है। हिसार के पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ज्योति को अपनी संपत्ति के रूप में विकसित कर रही थी। वह अन्य यूट्यूबरों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों के संपर्क में थी जो पाकिस्तानी एजेंटों के साथ मिलकर काम कर रहे थे। यह एक तरह का "सूचना युद्ध" है जिसमें पाकिस्तान सोशल मीडिया के माध्यम से भारत के खिलाफ अपनी कहानी को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। पुलिस ने ज्योति के मोबाइल और लैपटॉप की फोरेंसिक जांच शुरू की है जिसमें कई पाकिस्तानी नंबर कोड नेम के तहत सेव मिले हैं। उनकी ट्रैवल हिस्ट्री की भी जांच हो रही है, जिसमें यह देखा जा रहा है कि उन्होंने 2023 से 2025 तक भारत में किन राज्यों और विदेशों में किन देशों की यात्रा की। खास तौर पर उनकी पाकिस्तान यात्राओं के दौरान अली अहवान, शाकिर, और राणा शहबाज जैसे व्यक्तियों से मुलाकात की जांच हो रही है।

ऋषिकेश कैसे बना था..? भगवान विष्णु के वरदान का वो रहस्य, जिसने इसका नाम बदल दिया

ऋषिकेश। उत्तराखंड का ऋषिकेश बेहद चर्चित और पवित्र स्थलों में से एक है। इसे न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में योग और ध्यान की राजधानी के रूप में जाना जाता है। हिमालय की गोद में और गंगा नदी के तट पर बसा ये नगर आध्यात्मिकता, शांति और ऊर्जा से भरपूर है। आज का ऋषिकेश योग और वेलनेस टूरिज्म का हब बन गया है, लेकिन इसका इतिहास कहीं अधिक प्राचीन और दिव्य है। ये वही भूमि है जहां भगवान विष्णु ने स्वयं 'हृषिकेश' रूप में प्रकट होकर एक ऋषि की तपस्या का सम्मान किया था। इस घटना से ही इस नगर का नाम 'हृषिकेश' पड़ा, जो आगे चलकर 'ऋषिकेश' कहलाया।

इंद्रियों का स्वामी

हृषिकेश शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के दो शब्दों से हुई है – 'हृषिक' और 'ईश'। 'हृषिक' का अर्थ होता है इंद्रियां और 'ईश' का अर्थ है स्वामी। यानी इंद्रियों के स्वामी – भगवान विष्णु। प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में वर्णित कथा के अनुसार, रैभ्य ऋषि नाम के एक महान तपस्वी ने इस क्षेत्र में घोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या इतनी गहन और सच्ची थी कि स्वयं भगवान विष्णु प्रसन्न हो उठे और एक वृद्ध ब्राह्मण के रूप में उनके सामने प्रकट हुए। भगवान विष्णु ने ऋषि से वरदान मांगने को कहा। ऋषि ने सांसारिक सुखों की बजाय एक अनोखा वरदान मांगा – "हे प्रभु, मैं चाहता हूं कि ये भूमि सदा के लिए आपके नाम से जानी जाए।" भगवान विष्णु ने तथास्तु कहा और तब से ये स्थान 'हृषिकेश' कहलाने लगा।

रोचक इतिहास

आगे चलकर 'हृषिकेश' शब्द 'ऋषिकेश' में परिवर्तित हो गया, लेकिन इसकी मूल आध्यात्मिक गहराई आज भी बनी हुई है। ऋषिकेश को लेकर अनेक धार्मिक कथाएं और मान्यताएं प्रचलित हैं। यहां के भरत मंदिर की स्थापना त्रेतायुग में भगवान राम के छोटे भाई भरत ने की थी। इस मंदिर में भगवान विष्णु की शालीग्राम से बनी मूर्ति है, जिसे आदिगुरु शंकराचार्य ने पुनः प्रतिष्ठित किया था। यहां का लक्ष्मण झूला और राम झूला जैसे प्रसिद्ध स्थल भी रामायण काल से जुड़ी कथाओं को जीवंत किए हुए हैं। माना जाता है कि लक्ष्मण ने गंगा को पार करने के लिए जिस स्थान पर जूट का पुल बनाया था, वहीं आज लक्ष्मण झूला है।

अश्वतथामा के साथ कृपाचार्य भी गए थे पांचों पांडवों के पुत्रों की हत्या में, उन्हें क्यों कर दिया माफ

महाभारत में द्रोणाचार्य के मारे जाने के बाद अश्वतथामा क्रोध से भर उठा, क्योंकि उसके पिता को धोखे से मारा गया था। बदला लेने के लिए वह रात के अंधेरे में पांडवों के कैंप में घुसा। पांचों पांडव पुत्रों की निर्ममता से हत्या कर दी। तब उसके मामा कृपाचार्य भी साथ थे। ना तो उन्होंने उसे रोका और ना इस काम से खुद को अलग किया। इस हत्या के बाद पांडवों का सारा गुस्सा केवल अश्वतथामा पर निकला। कृपाचार्य को किसी ने कुछ नहीं कहा। बल्कि उन्होंने युधिष्ठिर के राज में भी अच्छा पद हासिल किया।

महाभारत युद्ध के अंतिम दिनों में अश्वत्थामा ने पांडवों के पुत्रों (उपपांडवों) की निर्मम हत्या की। यह घटना सौप्तिक पर्व (रात्रि-युद्ध) में बताई गई है। अश्वत्थामा ने कृपाचार्य और कृतवर्मा के साथ मिलकर रात के अंधेरे में पांडवों के शिविर पर हमला किया। उस समय पांडव स्वयं वहां नहीं थे। शिविर में द्रौपदी के पांचों पुत्र और अन्य योद्धा सो रहे थे।

अश्वत्थामा ने अस्त्र-शस्त्रों का प्रयोग न करके अंधेरे में गदा और तलवार से सोते हुए योद्धाओं को मारा। उसने धृष्टद्युम्न को जगाया। उसके सिर को अपने घुटनों से कुचलकर मार डाला। जब पांडवों को पता चला, तो भीम और अर्जुन ने अश्वत्थामा का पीछा किया।अंत में अश्वत्थामा को श्राप मिला, वह 3,000 वर्ष तक जीवित रहेगा, घावों और पीड़ा से भरा हुआ।

यह घटना अधर्म मानी गई, क्योंकि निर्दोष बालकों को मारना पाप था। हालांकि इस काम में कृपाचार्य ना केवल उसके साथ थे बल्कि उन्होंने उसको ये काम करने से रोका भी नहीं बल्कि ये सब करके कृपाचार्य और अश्वतथामा उस जगह गए, जहां दुर्योधन मरने का इंतजार कर रहा था। उन सबने मिलकर बताया कि उन्होंने क्या किया। इस पर दुर्योधन खुश भी हुआ।

क्यों कृपाचार्य को माफ कर दिया गया

सवाल यही है कि पांडवों और कृष्ण ने कैसे कृपाचार्य को माफ कर दिया, जब इसमें उनकी भूमिका कोई कम संदिग्ध नहीं थी। इसमें तर्क दिया जाता है कि कृपाचार्य साथ जरूर थे लेकिन उन्होंने सीधे हत्या नहीं की। बल्कि उसको बचाने की कोशिश भी की। अश्वतथामा उनका भांजा था और द्रोणाचार्य बहनोई।

महाभारत युद्ध के बाद कृपाचार्य के खिलाफ कोई सीधी कार्रवाई नहीं की गई, क्योंकि वे एक सम्मानित गुरु और धर्मज्ञ व्यक्ति थे। भीम और अर्जुन ने अश्वत्थामा को घेर लिया, लेकिन कृपाचार्य को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। हां, कृपाचार्य ने युद्ध के बाद अश्वत्थामा को छोड़ दिया, क्योंकि उसने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग करके पांडवों के वंश को खत्म करने की कोशिश की थी।

फिर कृपाचार्य हस्तिनापुर में सलाहकार भी बने

पांडवों ने कृपाचार्य को नहीं मारा, क्योंकि वह ब्राह्मण और गुरु थे। धर्म के अनुसार उन्हें सम्मान देना जरूरी था। हालांकि ये बात सही है कि कृपाचार्य आखिर तक कौरवों के प्रति वफादार रहे, लेकिन युद्ध खत्म उन्होंने पांडवों के खिलाफ कोई और विद्रोह नहीं किया। वह परिक्षित (अर्जुन के पौत्र) के राज्याभिषेक में मौजूद रहे। जब युधिष्ठिर राजा बने तो उन्होंने हस्तिनापुर के शासन में सलाहकार की भूमिका निभाई। कुछ मान्यताओं के अनुसार, वे युधिष्ठिर के राजगुरु भी बने।

पांडवों और कृष्ण ने क्या माना

बहुत से लोग हैरान होंगे कि जिस शख्स ने पांडव पुत्रों की हत्या में अश्वतथामा का साथ दिया, उसका कुछ क्यों नहीं हुआ। तो उस पर यही कहा जाता है कि पांडवों और कृष्ण ने ये माना कि वह तौर पर सीधे हत्याओं में शामिल नहीं थे। फिर उनका सम्मान धर्म और शास्त्रों के कारण भी था। यही वजह थी कि पांडवों ने कृपाचार्य को छोड़ दिया। धर्मशास्त्र के अनुसार, ब्राह्मणों को हिंसा या दंड से मुक्त रखने की परंपरा थी, खासकर यदि वे सीधे अपराधी न हों।

युद्ध के बाद बदल गया कृपाचार्य का रुख

शायद इसका कारण यह था कि कृपाचार्य युद्ध के बाद शांत रहे। उन्होंने पांडवों के प्रति कोई और शत्रुता नहीं दिखाई। हालांकि कुछ विद्वान मानते हैं कि कृपाचार्य अश्वत्थामा के गुरु और संरक्षक थे, इसलिए उन्होंने उसे रोकने का प्रयास नहीं किया। वह खुद भी द्रोणाचार्य की मृत्यु से आहत थे। पांडवों ने भी समझा कि कृपाचार्य की भूमिका मजबूरी या निष्ठा के कारण थी ना कि द्वेषपूर्ण।

रहस्यमय है उनके जन्म की कहानी

वैसे कृपाचार्य के जन्म की कहानी भी रहस्यमय और अद्भुत है। एक बार ऋषि शरभंग (या शरद्वान) नाम के एक महान तपस्वी ने कठोर तपस्या करके अस्त्र-शस्त्रों का ज्ञान प्राप्त किया। वह इतने शक्तिशाली हो गए कि देवता भी डरने लगे। इंद्र ने उनकी तपस्या भंग करने के लिए एक अप्सरा भेजी, जिसका नाम जानपदी था। ऋषि शरभंग उसके सौंदर्य से विचलित हो गए। उनका वीर्यपात हो गया।

झाड़ी में पड़े वीर्य से पैदा हुए

लज्जित होकर ऋषि ने अपना वीर्य एक शमी (झाड़ी) के पत्तों पर त्याग दिया। वहां से चले गए। उसी समय राजा शांतनु (भीष्म के पिता) वन में शिकार खेल रहे थे। उन्होंने देखा कि दो शिशु (एक पुत्र और एक पुत्री) शमी के पत्तों पर पड़े हैं। राजा ने उन्हें कृपा (दया) से उठा लिया। अपने साथ ले आए। इसलिए उनका नाम कृपा (बेटी) और कृपाचार्य (बेटा) पड़ा। कृपाचार्य और उनकी बहन कृपा का पालन-पोषण हस्तिनापुर के राजमहल में हुआ।

शिव कृपा पाने का अचूक उपाय: बेलपत्र पर दीपक से दूर करें जीवन की 3 बड़ी समस्याएं

भगवान शिव की पूजा में बेलपत्र का बड़ा महत्व होता है। मान्यता है कि जो भी श्रद्धा से शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। लेकिन अगर बेलपत्र के ऊपर रखकर शिवलिंग के सामने दीपक जलाया जाए, तो इसके प्रभाव और भी बढ़ जाते हैं। यह तरीका सिर्फ आस्था का नहीं, बल्कि ज्योतिष के अनुसार भी बेहद असरदार माना गया है।

क्यों खास है बेलपत्र?

बेलपत्र को शास्त्रों में पवित्र और शक्ति देने वाला बताया गया है। इसकी तीन पत्तियां त्रिदेवों का प्रतीक मानी जाती हैं ब्रह्मा, विष्णु और महेश। यही कारण है कि शिव जी को बेलपत्र अर्पित करने से वे तुरंत प्रसन्न होते हैं।

बेलपत्र पर दीपक जलाने से मिलते हैं तीन बड़े लाभ

ग्रहों से राहत

अगर किसी व्यक्ति को ग्रहों की वजह से जीवन में दिक्कतें आ रही हैं जैसे काम में रुकावट, रिश्तों में परेशानी या बार बार नुकसान तो बेलपत्र पर आटे का दीया रखकर शिवलिंग के सामने जलाएं। साथ ही 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें। यह उपाय नकारात्मक असर को कम करता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाता है।

वास्तु दोष में राहत

अगर घर में किसी कारण से वास्तु दोष है और उसका असर मानसिक तनाव, आर्थिक परेशानी या स्वास्थ्य पर दिख रहा है, तो मिट्टी के दीपक में तिल का तेल डालकर उसे बेलपत्र के ऊपर रखें और शिवलिंग के सामने जलाएं। इस दौरान 'ॐ सर्वात्मने नमः' मंत्र का 108 बार उच्चारण करें। यह उपाय वातावरण को शुद्ध करता है और घर में शांति लाता है।

बीमारी से मुक्ति

अगर कोई व्यक्ति लंबे समय से बीमार है या दवाएं असर नहीं कर रहीं, तो घी का दीपक बेलपत्र पर रखकर जलाएं और भगवान शिव का मृत्युंजय मंत्र –

"त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात॥"

-श्रद्धा के साथ बोलें। यह उपाय शरीर को बल देता है और रोगों से बचाने वाली ऊर्जा प्रदान करता है।

ध्यान रखें ये बातें

-दीपक जलाने का समय सुबह या शाम का रखें।

-पूजा करते समय मन को शांत और विश्वास से भरपूर रखें।

-दीपक में प्रयुक्त वस्तुएं शुद्ध और ताज़ा हों।

जब हम करुणा और सत्यता जैसे गुण अपनाते हैं तो सब कुछ अच्छा लगने लगता है

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए हमारी दिव्यताएं कैसे उजागर हो सकती हैं?

उदारता से जीवन में महानता आती है। हमें अपनी दिव्यताओं को जगाना चाहिए। हमें करुणा, सत्यता और मधुरता जैसे गुणों को अपनाना चाहिए। जब हम अच्छे गुणों को अपनाते हैं तो जीवन की निरसता दूर होती है, हमें सब कुछ अच्छा लगने लगता है। दिव्य गुणों की वजह से हमारा निंदक भाव दूर होता है और सृष्टि प्रिय लगने लगती है।

कुछ ऐसी थी करोड़ों वर्ष पुरानी शालिग्राम शिलाओं की कहानी...

अयोध्या में राम मंदिर के लिए नेपाल से करोड़ों वर्ष पुरानी शालिग्राम शिलाएं लाई गई थीं। इनको नेपाल के पोखरा से 50 किलोमीटर दूर गंडकी नदी से लाया गया। नेपाल के मुस्तांग जिले में मुक्तिनाथ के करीब एक स्थान पर गंडकी नदी में पाई गई 6 करोड़ वर्ष पुरानी विशेष चट्टानों से पत्थरों के 2 बड़े टुकड़े अयोध्या भेजे गए थे।

जिस काली गंडकी नदी के किनारे से ये पत्थर लिए गए वह नेपाल की पवित्र नदी है। यह नदी दामोदर कुंड से निकल कर भारत में गंगा नदी में मिलती है। बताया जाता है कि दुनिया की यह अकेली ऐसी नदी है, जिसमें शालिग्राम पत्थर पाए जाते हैं। इन शालिग्राम की आयु करोड़ों साल की होती है। धार्मिक मान्यता है कि शालिग्राम पत्थर बेहद चमत्कारी है। कहते हैं कि जहां शालिग्राम की पूजा होती है, वहां मां लक्ष्मी का वास होता है।

शालिग्राम शिला की पौराणिक कथा

वहीं गंडकी नदी की शालिग्राम शिला को लेकर पौराणिक कथा है कि एक बार भगवान विष्णु ने वृंदा (तुलसी) के पति शंखचूड़ को मार दिया था।

वृंदा को इस बात का पता चला तो उन्होंने विष्णु जी को पाषाण होकर धरती पर निवास करने का श्राप दिया। चूंकि वृंदा श्रीहरि की परम भक्त थी, तुलसी की तपस्या से प्रसन्न होकर विष्णु जी ने कहा कि तुम गंडकी नदी के रूप में जानी जाओगी और मैं शालिग्राम बनकर इस नदी के पास वास करूंगा।

कहते हैं कि गंडकी नदी में जो शालिग्राम शिलाएं हैं उन पर चक्र, गदा के चिन्ह पाए जाते हैं। हिंदू धर्म में शालिग्राम का खास महत्व है। हिंदुओं में ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश की पूजा विभिन्न प्रकार से की जाती है। जैसे ब्रह्मा जी की पूजा शंख के रूप में और भगवान शिव की उपासना शिवलिंग के रूप में की जाती है, ठीक उसी तरह भगवान विष्णु की उपासना भगवान शालिग्राम के रूप में की जाती है। कहते हैं कि 33 प्रकार के शालिग्राम होते हैं। इनमें से कई को विष्णु जी के 24 अवतारों से जोड़ा गया है।

विष्णु जी के गोपाल रूप में गोलाकार शालिग्राम की पूजा होती है। मछली के आकार के शालिग्राम को मत्स्य अवतार का रूप माना जाता है। कछुए के आकार को कूर्म अवतार का प्रतीक माना जाता है। जिन शालिग्राम में रेखाएं होती हैं, उन्हें श्रीकृष्ण का रूप माना जाता है।

बच्चों के साथ लय में बात करें, लोरी इसका प्रमाण है

वैसे तो माता-पिता सदैव शाबासी ही देते हैं, लेकिन बच्चों को चाहिए हमेशा ऐसे काम करते रहें कि शाबासी मिलती रहे। वो दुआ बनकर जीवन को संवार देती हैं। बच्चों के लालन-पालन में माता-पिता को सिखाया जाता है कि सात महीनों तक बच्चों से जो बात करें, उसमें शब्द लय के साथ हों।जैसे गीतकार गीत लिखते हैं, संगीतकार उस पर संगीत तैयार करते हैं। लेकिन ज्यादातर मौकों पर संगीतकार धुन पहले तैयार करते हैं, गीतकार उस पर लिखते हैं। तो बच्चों के साथ लय में बात की जाए, लोरी इसका प्रमाण है। बच्चे लोरी के शब्द बहुत जल्दी पकड़ लेते हैं और जीवनभर ये शब्द उनके रक्त में बहते हैं।

जब बच्चे युवा हो जाएं तो माता-पिता इसी लोरी को चेतावनी में बदल दें। जब माता-पिता बूढ़े हो जाएं और बच्चे प्रौढ़ हो जाएं, तो इन शब्दों को सुझाव में बदल दें। लेकिन तीनों समय एक लय होनी चाहिए। यह हार्मनी बच्चों के जीवनभर काम आएगी। डीएनए साइंस भी मानता है माता-पिता के शब्द गहरे में जाकर पैठते हैं और समय आने पर प्रभाव दिखाते हैं।

11 वर्षों से आध्यात्म और रंगमंच का संगम दिखा रहा "चक्रव्यूह"

हैदराबाद में पहली बार, लाइव होंगे नितीश

अतुल सत्य कौशिक द्वारा लिखित और निर्देशित हिंदी महानाट्य चक्रव्यूह कोई साधारण नाटक नहीं, बल्कि एक ऐसा मंचन है जिसने पिछले ग्यारह वर्षों में लाखों दर्शकों को आध्यात्मिक चेतना, कर्म प्रधानता और विश्व शांति के संदेशों से प्रेरित किया है। अब यही ऐतिहासिक और आध्यात्मिक नाट्य प्रस्तुति पहली बार हैदराबाद के दर्शकों के सामने लाई जा रही है, वो भी भगवान श्रीकृष्ण के रूप में नितीश भारद्वाज की लाइव उपस्थिति के साथ। 8 जून को शिल्पकला वेदिका, हैदराबाद में होने वाला यह शो विशेष है क्योंकि यह वही नितीश भारद्वाज हैं,जिन्होंने 30 साल पहले टेलीविजन के माध्यम से करोड़ों भारतीयों के मन में श्रीकृष्ण की छवि रची थी। अब वह उसी रूप में मंच पर लौट रहे हैं, पर इस बार केवल अभिनय नहीं, बल्कि जीवन के गहरे सत्य और अध्यात्म का मार्गदर्शन भी साथ लेकर।

दर्शक मात्र श्री कृष्ण को देखते नहीं, बल्कि उनका वास्तव में होना अनुभव करते हैं चक्रव्यूह एक नाटक नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक अनुभूति है। यह नाटक महाभारत के उस प्रसंग को केंद्र में रखता है जिसमें अभिमन्यु चक्रव्यूह में घिरकर वीरगति को प्राप्त होता है।

परन्तु यह कहानी केवल युद्ध तक सीमित नहीं रहती। यह प्रश्न उठाती है वास्तविक चक्रव्यूह क्या है? धर्म क्या है? कर्म क्या है? पीड़ा का अर्थ क्या है? त्याग और न्याय की सीमाएं कहाँ तक हैं? और इन सभी सवालों के उत्तर लेकर आते हैं नितीश भारद्वाज — योगीराज कृष्ण के रूप में और दर्शकों से ऐसा संवाद साधते हैं जो जीवन और काल की सीमाओं को लांघ कर कालजयी बन जाता है। दर्शकों ने कहा 'यह नाटक देखने के बाद भीतर कुछ बदल गया' देश के अलग-अलग शहरों में पिछले 11 वर्षों में 150 से अधिक प्रस्तुतियों के बाद, हर जगह दर्शकों की प्रतिक्रियाएं समान रहीं — "मन शांत हो गया", "अब कृष्ण केवल किताबों में नहीं, मेरे भीतर बोलते हैं", "अभिनय से बढ़कर, यह आत्मा को छूने वाला अनुभव है।"

इस नाटक में युधिष्ठिर और भीष्म का गंभीर संवाद है, उत्तरा का वियोग की पीड़ा में डूबा आक्रोश है, द्रौपदी का न्यायपूर्ण क्रोध है और अंत में कृष्ण ही सबका समाधान हैं। आधुनिक मंचन, पारंपरिक कविता और दिव्यता का संगम इस नाटक को लिखा और निर्देशित किया है रंगकर्मी अतुल सत्य कौशिक ने। प्रस्तुतियाँ छंदबद्ध कविता में हैं,

जिससे हर संवाद एक गीत की तरह दिल में उतरता है। विशाल मंच सज्जा, भावपूर्ण संगीत, सुंदर वेशभूषा और प्रकाश का संयोजन इसे एक भव्य रंगमंचीय तीर्थ बना देता है।

हैदराबाद में यह अवसर पहली बार आया है

8 जून को होने वाला यह शो, हैदराबाद के लिए एक दुर्लभ अध्यात्मिक प्रसाद है। टिकट सीमित हैं और अग्रिम बुकिंग BookMyShow पर उपलब्ध है।जब मंच पर भगवान कृष्ण स्वयं आएँ, जीवन के प्रश्नों का उत्तर लेकर — तो यह एक शो नहीं, एक जीवन दर्शन हो जाता है। 'चक्रव्यूह' को देखें, महसूस करें, और भीतर कुछ नया जन्म लेते देखें।

एक फोन ने बदल दी मेरी जिंदगी : डायना पेंटी

2012 में फिल्म 'कॉकटेल' से डेब्यू करने वाली डायना पेंटी बॉलीवुड की कुछेक फिल्मों का ही हिस्सा रही है लेकिन दमदार अभिनय से उसने दर्शकों का दिल जीत लिया। बॉलीवुड के बाद डायना ने साऊथ की फिल्मों में भी काम किया है।

डायना के लिए अब तक का सफर बेहद दिलचस्प रहा है। न्यूयॉर्क के फैशन जगत में डायना एक सफल मॉडल के रूप धूम मचा रही थी। उसे शायद ही पता था कि एक फोन कॉल उसके जीवन की दिशा बदलने वाली है।

डायना याद करती है, दिनेश विजन और होमी अदजानिया ने मुझसे फोन पर संपर्क किया, जो एक नई भूमिका के लिए कास्टिंग कर रहे थे। मैं यह सोचकर मुंबई चली गई कि यह एक संक्षिप्त, अनौपचारिक मुलाकात होगी लेकिन मेरे लिए आश्चर्य की बात यह थी कि उन्होंने मुझे 'कॉकटेल' (2012) में मीरा की भूमिका के लिए एकदम सही पाया, खासकर इसलिए क्योंकि मेरा स्वाभाविक शर्मीलापन और अनिश्चितता उनके द्वारा देखे गए चरित्र के अनुरूप थी। इसके बाद घटनाओं की एक लड़ी शुरू हुई। डायना को मौके पर ही ऑडिशन देने के लिए कहा गया, और फिर उसके तुरंत बाद दूसरा ऑडिशन हुआ। डायना मुस्कुराते हुए याद करती है, "जब उन्होंने मुझे बताया कि मुझे यह भूमिका मिल गई है, तो मैं पूरी तरह से चौंक गई। मैंने उनसे कम से कम एक दर्जन बार पूछा होगा कि क्या उन्हें यकीन है कि मैं सही विकल्प हूं। उस समय मुझे खुद पर भरोसा नहीं था लेकिन उन्होंने मुझे आश्वस्त किया और इस तरह मेरी अभिनय यात्रा की शुरूआत हो गई- अचानक और थोड़े डर के साथ। कभी-कभी, जीवन में सबसे अच्छे अवसर तब आते हैं जब आप उनकी कम से कम उम्मीद करते हैं।

डायना पेंटी

डायना को 'परमाणुः द स्टोरी ऑफ पोखरण' (2018) और 'छावा' (2025) जैसी फिल्मों में उसकी सिनेमाई सफलता के लिए जाना जाता है। फिर भी, फिल्म इंडस्ट्री में बिना किसी जानकार के अपने करियर आगे बढ़ाना कोई छोटी उपलब्धि नहीं थी। वह बताती है, पहली फिल्म अक्सर ऐसा महसूस कराती है कि अगर यह हिट होती है, तो आपको रातों-रात सुर्खियों में ला सकती है लेकिन इसके बाद आप जो करते हैं, वही वास्तव में आपका रास्ता तय करता है। एक बार जब आप लोगों की नजरों में आ जाते हैं, तो 'सही' विकल्प चुनने का दबाव बहुत अधिक होता है। कुछ अपेक्षाएं होती हैं और कुछ धारणाओं को तोड़ने या उनके अनुरूप जीने का निरंतर प्रयास होता है और यह हमेशा आसान नहीं होता, खासकर तब जब आप अभी भी एक कलाकार के रूप में अपनी जगह खोज रहे हों।

आपका व्यक्तित्व है फैशन

फैशन के प्रति अपने दृष्टिकोण पर चर्चा करते हुए, डायना कहती है, ₹मेरे लिए, फैशन एक गहरी व्यक्तिगत अभिव्यक्ति है। यह रुझानों के बारे में नहीं बल्कि प्रामाणिकता के बारे में है-यह इस बात का प्रतिबिंब है कि आप कौन हैं, आप कैसा महसूस करते हैं और आपका व्यक्तित्व कैसा है। जैसे-जैसे मैं विकसित होती हूं, वैसे-वैसे मेरी शैली भी बदलती है। फैशन - समय, अनुभवों और उस समय आप जिस व्यक्ति के रूप में होते हैं, उसके साथ बदलता है।"

सबसे बड़ा सबक

डायना ने इंडस्ट्री में सबसे बड़ा सबकक्या सीखा है, पूछने पर वह कहती है, धैर्य। मैंने हमेशा खुद को एक धैर्यवा व्यक्ति माना है, लेकिन इस इंडस्ट्री ने मुझे जितना संभव था, उससे कहीं ज्यादा धैर्य सिखाया है। मैंने सीखा है कि चाहे आप कितनी भी मेहनत करें या कितनी भी योजना बनाएं, ऐसी बहुत-सी बातें हैं जिन्हें आप नियंत्रित नहीं कर सकते। आप जो नियंत्रित कर सकते हैं, वह है आपका प्रयास, आपका व्यक्तिगत विकास और वह रवैया जिसे आप हर दिन अपनाना चुनते हैं।"

मैं दिल से फैसले लेती हूं : तृप्ती डिमरी

मैंने अपने करियर में जो सीखा है, वह यह है कि कुछ फिल्में अच्छा प्रदर्शन करती हैं और कुछ नहीं। आप लोगों को हमेशा के लिए खुश नहीं कर सकते। कुछ लोग आपको पसंद करते हैं और कुछ नहीं। तृप्ति डिमरी हमेशा चर्चा में बनी रहती।

उसके पास फिल्मों की लाइन लग गई। इसके बाद आई उसकी फिल्मों 'बैड न्यूज', 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो ' तथा 'भूल भुलैयां 3' में भी उसने सबको प्रभावित किया। अब उसकी अगली फिल्मों में से एक 'धड़क 2' को लेकर भी खूब चर्चा हो रही है।

'नैशनल क्रश' का टाइटल पा चुकी तृप्ति कभी मूवीज में अपने रोल या कभी फैंस के अजब-गजब रिएक्शंस को लेकर चर्चा में रहती है। अब इंडस्ट्री में बनी उसकी बोल्ड इमेज है ही कुछ ऐसी। फिल्म 'एनिमल' के बाद भी उसने आइटम सॉन्ग से लेकर फिल्मों में किसिंग सीन दिए और अपनी बोल्ड इमेज को बरकरार रखा।

इस बीच उसने फिल्मों में अपने बोल्ड सीन्स को लेकर खुलकर बात की है। तृप्ति से जब 'एनिमल' और 'बैड न्यूज' जैसी फिल्मों में निभाए बोल्ड किरदारों के बारे में पूछा गया तो जवाब देते हुए तृप्ति ने कहा, 'मैंने अपने करियर में जो सीखा है, वह यह है कि कुछ फिल्में अच्छा प्रदर्शन करती हैं और कुछ नहीं। आप लोगों को हमेशा के लिए खुश नहीं कर सकते। कुछ लोग आपको पसंद करते हैं और कुछ नहीं। यह मेरे लिए मायने रखता है। मुझे इन सभी चीजों से फर्क नहीं पड़ता। मैं दिमाग से नहीं, हमेशा दिल से सोचकर फैसले लेती हूं।

उसने आगे कहा, "यदि आप कल पीछे मुड़कर देखेंगे तो आपको एक भूमिका निभाने पर पछतावा भी हो सकता है लेकिन उस समय आपने अपना काम ईमानदारी से किया था। माधुरी के साथ फिर काम करेगी तृप्ति एक बार फिर माधुरी दीक्षित के साथ काम करती नजर आ सकती है। माधुरी और तृप्ति ने अनीस बज्मी की फिल्म 'भूल भुलैया 3' में काम किया है।

अब वे एक कॉमेडी ड्रामा में फिर से साथ काम करने के लिए तैयार हैं। वे विक्रम मल्होत्रा के प्रोडक्शन बैनर अबुंदंतिया एंटरटेनमैंट के लिए एक कॉमेडी ड्रामा में स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगी, जिसका नाम फिलहाल 'मां बहन' बताया जा रहा है।

इसकी शूटिंग अगले महीने मुंबई में शुरू

जिन्हें ' तुम्हारी सुलु' और 'जलसा' जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है।

यह फिल्म एक कॉमेडी-ड्रामा है, जो तीन किरदारों पर आधारित है। इस फिल्म की सबसे खास बात है इसकी कहानी, जो एक मां और बेटी के रिश्ते को लेकर है। माधुरी जहां मां के किरदार में होगी, वहीं तृप्ति उसकी बेटी का रोल निभाएगी। दोनों के बीच की नोक-झोंक, प्यार, तकरार और समझदारी इस फिल्म की जान होगी।

चर्चा है कि इस फिल्म में रवि किशन और कॉमेडियन धारणा दुर्गा की भी अहम भूमिकाएं होंगी। किरदार चुनते समय सबसे अहम क्या होता है?

'जब मैंने अपनी पहली फिल्म की थी तो मुझे नहीं पता था कि अभिनय कैसे करना होता है। मैं तो बस एक साबुन का विज्ञापन करने के लिए मुंबई आई थी और मैंने फिल्म 'लैला' के लिए ऑडिशन दिया। मुझे एहसास हुआ कि मुझे शूटिंग टर्म्स के बारे में पता नहीं है। मैंने वर्कशॉप करना शुरू किया। वैसे जब मुझे लगता है कि कोई भूमिका अलग और थोड़ी चुनौतीपूर्ण है, तो मैं उसे स्वीकार कर लेती हूं। यही मेरे चुनाव का तरीका होता है।

सफलता के लिए बड़ा त्याग किया : रश्मिका

सन 2016 में कन्नड़ फिल्म 'किरिक पार्टी' से अपना अभिनय करियर शुरू करने वाली रश्मिका मंदाना आज देश भर में करोड़ों दर्शकों के दिलों पर राज करती है। रश्मिका एकमात्र ऐसी अभिनेत्री बन गई है जिसकी तीन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर ली है। उसकी पिछली रिलीज फिल्म 'छावा' और इससे पहले आई दोनों फिल्में 'एनिमल' और 'पुष्पा 2: द रूल' भी भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपए का आंकड़ा छूने में कामयाब रही थीं। में

इस उपलब्धि के साथ, रश्मिका ने कई दिग्गज अभिनेत्रियों को पीछे छोड़ दिया है। दीपिका पादुकोण, नयनतारा और श्रद्धा कपूर जैसी अभिनेत्रियों के पास इस क्लब में केवल एक-एक फिल्म ही है।

रश्मिका की सफलता केवल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उसके अभिनय की विविधता और अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्रीज में उसकी व्यापक अपील को दिखाती है।

आसान नहीं था सफलता पाना

साऊथ की फिल्मों से अपने करियर की शुरूआत कर आज बॉलीवुड और नैशनल क्रश बनने तक का उसका सफर कठिनाइयों से भरा रहा। एक इंटरव्यू के दौरान रश्मिका ने अपने इस सफर में मिली कामयाबी की चर्चा करते हुए कहा कि यह सब कुछ आसान नहीं था। तमाम सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुकी रश्मिका ने कहा कि आज जो भी कामयाबी उसे मिली है, उसके लिए काफी ज्यादा त्याग करना पड़ा है। उसने कहा, ₹ इस सफर के लिए मुझे अपने परिवार के साथ समय बिताने का मौका नहीं मिला, जो किसी समझौते से कम हीं है। जब मैं बड़ी हो रही थी तो मां हमेशा कहा करती थी कि तुम्हें अगर आगे बढ़ना है तो कुछ चीजों को पीछे छोड़ना होगा। कई सारी चीजों का त्याग करना होगा। ऐसे में जब फिल्मी दुनिया में सफर की शुरूआत हुई तो मुझे अपने परिवार से दूर होना पड़ा। परिवार को समय न देने का दुख हमेशा मुझे रहेगा।

ताकत है परिवार

रश्मिका ने कहा कि परिवार के साथ समय न बिताने का दुख तो है लेकिन वह इसके लिए परिवार की बहुत आभारी है। वह अपने परिवार को अपना सहारा मानती है। रश्मिका ने अपनी बहन से दूर होने का भी दुख जताया है। उसने कहा कि उसे इस बात का अफसोस है कि वह अपनी बहन को बड़ा होते हुए नहीं देख पाई। बहन को याद करते हुए उसने कहा, "मैं और मेरी छोटी बहन हर दिन एक-दूसरे को मैसेज करते हैं। वह एक स्मार्ट लड़की है और वह बड़ी होकर एक अच्छी महिला बनेगी। मुझे अपनी बहन पर गर्व है।

उसने कहा, "सौभाग्य से, मुझे विनम्र बनने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत नहीं है। मेरा दिमाग पहले से ही इसके लिए सैट है... मुझे पता है कि वे सभी चीजें जिन्हें हम पसंद करते हैं, जिनका हम आनंद लेते हैं, ये सभी विलासिताएं, एक पल में रह सकती हैं या जा सकती हैं। यही कुछ ऐसा है जो मुझे जमीन से जुड़ा और मेरी जड़ों से जोड़े रखता है।

रश्मिका ने इन सबके बावजूद अपने परिवार और दोस्तों को भी श्रेय दिया कि उन्होंने उसे जमीन से जुड़ा रखा। उसने कहा, "वे मेरे जीवन में सही तरह के लोग हैं, जो सभी जमीन से जुड़े रहने में विश्वास करते हैं... इसलिए यह भी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और वास्तव मदद करता है, आप जानते हैं ? ऐसे लोगों से घिरे होने के कारण, मैं कह सकती हूं कि मैं अभी एक अच्छी जगह पर हूं !

रश्मिका के संग प्यार पर बोला विजय देवरकोंडा साऊथ का लोकप्रिय अभिनेता विजय देवरकोंडा अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाना जाता है। उसने कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। उस पर न जाने कितनी लड़कियां मरती होंगी लेकिन विजय जिस हसीना का दीवाना है, वह कोई और नहीं बल्कि रश्मिका मंदाना है। दोनों स्टार्स के प्यार में होने की अटकलें सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं।

रश्मिका की खूबियां

विजय ने रश्मिका की पर्सनैलिटी पर भी बात की। उसने कहा, उनकी खूबी है कि वह बहुत मेहनती हैं। वह अपनी इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प से किसी भी चीज को हरा सकती हैं। वह बहुत दयालु हैं और अपने से पहले दूसरों की खुशी को प्राथमिकता देती हैं। बस उन्हें थोड़ा संतुलन बनाने की जरूरत है। फिल्म 'द गर्लफ्रैंड' में आएगी नजर रश्मिका इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्म 'द गर्लफ्रैंड' को लेकर सुर्खियों में है। इस फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है, जिसे जल्द रिलीज करने के लिए फैन्स सोशल मीडिया पर आवाज उठा रहे हैं।

उसके इस ट्वीट पर निर्देशक राहुल रवींद्रन ने

रीट्वीट करते हुए जवाब में लिखा, " यह लड़की (रश्मिका मंदाना) हमारी फिल्म की आत्मा और रीढ़ है। बहुत ज्यादा प्यार रश्मिका और हां, वास्तव में हम आप सभी को एक अच्छा अनुभव देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

राहुल रवींद्रन के निर्देशन में बनाई जा रही 'द गर्लफ्रैंड' का टीजर रिलीज हो चुका है। फिल्म में रश्मिका के साथ दीक्षित शैट्टी नजर आएगा। यह एक प्रेम कहानी है।

आराम से किए 'बोल्ड' सीन : पलक जायसवाल

वैब सीरीज 'ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे - लव किल्स' की मुख्य नायिका पलक जायसवाल इसमें अपने अभिनय की हो रही तारीफ से काफी उत्साहित है। इस शो में उसकी भूमिका काफी अहम थी लेकिन इसमें कुछ बोल्ड सीन भी थे। क्या इस शो में बोल्ड सीन करने को लेकर वह सहज थी, पूछने पर उसका कहना था, 'इसमें बहुत ज्यादा बोल्ड सीन नहीं हैं। और ये अश्लील नहीं हैं। ये जायज हैं। बोल्ड सीन की तैयारी के लिए, हमने इंटिमेसी वर्कशॉप की ताकि हम दोनों कलाकार जो कर रहे हैं, उसमें सहज महसूस करें।

यह नहीं लगना चाहिए कि आप कुछ ऐसा कर रहे हैं जो आप नहीं करना चाहते। और, जाहिर है, हमें इन सीन्स के बारे में पहले ही बता दिया गया था। निर्देशक औरक्रिएटिव टीम ने बताया था कि वे इसे कैसे शूट करने जा रहे हैं। शूटिंग के दौरान, हमारे पास एक इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर था। उसने हमारा मार्गदर्शन किया; उसने हमें एक सुरक्षित शब्द दिया, अगर हम कुछ नहीं करना चाहते तो वह बोल सकते थे। कुल मिलाकर, यह मेरे और मेरे सह-कलाकार मयूर दोनों के लिए एक बहुत ही आरामदायक प्रक्रिया थी। उसने कहा, मैं जो किरदार निभा रही हूं, वह बहुत अंतर्मुखी है, लेकिन साथ ही, शेरनी की तरह सुरक्षात्मक भी है, अपने प्रियजनों के लिए। किरदार में एक व्यक्तित्व विकार भी है, इसलिए मैंने यह जानने के लिए शोध किया कि एक विशेष व्यक्तित्व विकार वाला व्यक्ति जीवन में कुछ स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया करेगा। यह उसकी पहली प्रमुख भूमिका है, लेकिन वह भारतीय रंगमंच के क्षेत्र में सक्रिय रही है। करियर पर थिएटर के अनुभव के प्रभाव के बारे में पूछने पर उसका कहना था कि इससे उसे काफी मदद मिली।उसने कहा, जब मैं अपने थिएटर के दिनों में विविध किरदार निभाती थी, तो इससे मुझे यह सीखने को मिला कि किसी किरदार के लिए अच्छी तरह से कैसे तैयार होना है।

ब्लूमबर्ग की लिस्ट अपडेटः अंबानी नंबर 1 और अडानी नंबर 2, उड़ गई दुनिया के अरबपतियों की नींद

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स की लिस्ट अपडेट हो गई है। इस लिस्ट के अपडेट होने के बाद दुनिया के अरबपतियों की नींद उड़ गई है। उसका कारण भी है। मुकेश अंबानी और गौतम अडानी दोनों ही नंबर 1 और नंबर 2 पर दिखाई दे रहे हैं। खास बात तो ये है कि दुनिया के 500 अरबपतियों में मुकेश अंबानी और गौतम अडानी केवल ऐसे अरबपति हैं, जिनकी नेटवर्थ में 1 बिलियन डॉलर से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है। वर्ना ऐसा कोई अरबपति देखने को नहीं मिल रहा है। आखिर गौतम अडानी और मुकेश अंबानी की नेटवर्थ कितनी हो गई है? साथ ही दोनों नंबर 1 और नंबर 2 पर किस तरह से आ गए हैं।

इस मामले में टॉप पर पहुंचे अंबानी और अडानी

23 मई को मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की नेटवर्थ में सबसे ज्यादा इजाफा देखने को मिला है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 2 अरब डॉलर से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिली है। जबकि गौतम अडानी की नेटवर्थ में 1 बिलियन डॉलर से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है।

दुनिया के 500 अरबपतियों की दौलत में इससे ज्यादा बढ़ोतरी 23 मई को किसी की भी देखने को नहीं मिली है। जिसकी वजह से इस मामले में मुकेश अंबानी नंबर 1 और गौतम अडानी नंबर 2 पर देखने को मिल रहे हैं। इन दोनों के बाद इंडोनेशिया, जापान और मैक्सिको के अरबपतियों का नंबर देखने को मिला है।

अगर बात टॉप 10 की करें तो इसमें 5 अरबपतियों के नाम भारत के हैं। जिसमें शिव नादर, शाहपूर मिस्त्री और रवि जयपुरिया का नाम शामिल है।

मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की दौलत कितनी हुई

अगर बात मुकेश अंबानी की नेटवर्थ की बात करें तो 104 बिलियन डॉलर हो गई है। 23 मई को उनकी नेटवर्थ में 2.35 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिला था। अब मौजूदा साल में मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 13 बिलियन डॉलर का इजाफा देखने को मिल चुका है। मौजूदा समय में मुकेश अंबानी दुनिया के 17वें और एशिया के सबसे अमीर कारोबारी बन गए हैं। वहीं दूसरी ओर गौतम अडानी की नेटवर्थ में 23 मई को 1.72 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स गौतम अडानी की कुल नेटवर्थ 82.3 अरब डॉलर हो गई है। मौजूदा साल में गौतम अडानी की कुल नेटवर्थ में 3.64 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिला है। अब गौतम अडानी दुनिया के 20वें सबसे अमीर कारोबारी हो गए हैं।

टॉप अरबपतियों की दौलत में गिरावट

वहीं दूसरी ओर दुनिया के टॉप अरबपतियों की नेटवर्थ की बात करें तो एलन मस्क की दौलत में 1.14 बिलियन डॉलर की गिरावट देखने को मिली है। जिसके बाद उनकी कुल दौलत 374 अरब डॉलर हो गई है। वहीं जेफ बेजोस की नेटवर्थ में 1.95 अरब डॉलर, मार्क जुकरबर्ग की नेटवर्थ में 3।29 अरब डॉलर, लैरी एलिसन की दौलत में 1.35 अरब डॉलर की गिरावट देखी गई है। स्टीव बॉल्मर, लैरी पेज, सर्जी ब्रिन की नेटवर्थ में भी 1 बिलियन डॉलर की गिरावट देखने को मिली है।

जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक में कर की दरों को तर्कसंगत बनाने

क्षतिपूर्ति उपकर पर चर्चा होने की संभावना

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। जीएसटी परिषद अपनी अगली बैठक में कर की दरों को तर्कसंगत बनाने और क्षतिपूर्ति उपकर के भविष्य पर विचार कर सकती है। इसके साथ ही अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाने और मौजूदा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर फ्रेमवर्क में विसंगतियों को दूर करने पर ध्यान दिया जा सकता है। नई दिल्ली में होने वाली बैठक जल्द ही बुलाए जाने की उम्मीद है, जिसमें राज्य भी अगले फिस्कल प्लानिंग साइकल से पहले अपने रेवेन्यू आउटलुक पर स्पष्टता के लिए दबाव डाल रहे हैं। एनडीटीवी प्रॉफिट सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के राजस्व घाटे की भरपाई के लिए शुरू किए गए शुल्क, क्षतिपूर्ति उपकर का मुद्दा भी चर्चा में है, खासकर तब जब 2026 से आगे भी इसे जारी रखना बहस का विषय बन गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मार्च में कहा था कि जीएसटी दरों में और कमी की जाएगी क्योंकि कर स्लैब को तर्कसंगत बनाने की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के समय रेवेन्यू न्यूट्रल रेट (आरएनआर) 15.8 प्रतिशत थी, जो अब 2023 में घटकर 11.4 प्रतिशत हो गई है और इसमें और कमी आएगी। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि जीएसटी स्लैब को सरल बनाने का काम लगभग पूरा हो चुका है और जीएसटी परिषद, जिसका नेतृत्व वित्त मंत्री करते हैं और जिसमें राज्य के वित्त मंत्री शामिल हैं, जल्द ही अंतिम निर्णय लेगी। जीएसटी दरों और स्लैब में बदलाव का सुझाव देने के लिए सितंबर 2021 में मंत्री समूह (जीओएम) का गठन किया गया था।

भारतीय कंपनियों के पास होंगे 3500 हवाई जहाज सिविल एविएशन मिनिस्टर ने बताया कब तक

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार में नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा है कि भारत में एविएशन कंपनियां 1,700 नए विमान खरीदने वाली हैं। इससे 2047 तक उनके पास कुल 3,500 विमान हो जाएंगे। फिलहाल भारतीय कंपनियों के पास करीब 850 एयरक्राफ्ट्स का बेड़ा है।

दुनिया का तीसरा बड़ा एविएशन मार्केट

शुक्रवार की रात उन्होंने विंग्स इंडिया 2026 कार्यक्रम के कर्टेन रेजर कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत अब एविएशन सेक्टर में भी ऊंची उड़ान भर रहा है। उन्होंने बताया, हमारे विमानों की संख्या दोगुनी होकर आज 850 हो गई है। हमने 1,700 से ज़्यादा विमानों का ऑर्डर दिया है, जो दुनिया में सबसे ज़्यादा है। हमारा लक्ष्य साल 2047 तक 3,500 विमानों का बेड़ा बनाना है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार है। जल्द ही, यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हवाई यात्री बाजार भी बन जाएगा।

हर मिनट एक फ्लाइट

उन्होंने जिक्र किया कि साल 2024 के दौरान भारत में डोमेस्टिक फ्लाइट्स की संख्या 6 लाख थी, जो अब बढ़कर 11 लाख हो गई है। मंत्री ने बताया कि अब हर घंटे 60 ज़्यादा उड़ानें ऑपरेट हो रही हैं। मतलब कि हर मिनट कम से कम एक फ्लाइट। उन्होंने बताया कि भारत में हवाई अड्डों की संख्या भी बढ़ रही है। पिछले 10 सालों में 74 हवाई अड्डे से बढ़कर 160 हो गए हैं। आने वाले 5 सालों में, यूडीएएन उड़े देश का आम नागरिक योजना के तहत 50 नए हवाई अड्डे बनाए जाएंगे। नायडू ने बताया, हम अगले 20 सालों में 200 और हवाई अड्डे बनाने के लिए तैयार हैं। दिल्ली-एनसीआर में जेवर, मुंबई में नवी मुंबई और चेन्नई में परंदूर के बाद, अब बेंगलुरु ने भी दूसरे हवाई अड्डे का प्रस्ताव रखा है।

सरकार को आरबीआई के रिकॉर्ड लाभांश से राजकोषीय घाटा कम होकर 4.2% पर आने की उम्मीद

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का बंपर लाभांश देना देश की अर्थव्यवस्था के लिए काफी अहम साबित होगा। इससे सरकार का राजकोषीय घाटा कम हो सकता है। वर्तमान में राजकोषीय घाटा 4.5% है, अब इसके घटकर 4.2% आने की उम्मीदें बढ़ गईं हैं। भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार यह घाटा 20 से 30 आधार अंकों तक कम होकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.2% तक पहुंच सकता है।

2025-26 के केंद्रीय बजट में रिजर्व बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों से करीब 2.56 लाख करोड़ रुपये का लाभांश मिलने का अनुमान जताया गया था। हालांकि आरबीआई ने ही उम्मीद से काफी अधिक लाभांश सरकार को दे दिया है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह अतिरिक्त राजस्व सरकार को अपने घाटे को कम करने में मदद करेगा। इसके साथ ही प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अधिक खर्च की गुंजाइश बढ़ेगी।भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बंपर लाभांश से सरकार की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। इससे, वैश्विक वित्तीय अनिश्चितताओं के बीच बॉन्ड्स की यील्ड कर्व को मैनेज करने मदद मिलेगी। यह रिजर्व बैंक के आकस्मिक जोखिम बफर (सीआर) को बढ़ावा देगा। जिससे इसका वित्तीय लचीलापन बढ़ा जाएगा। रिपोर्ट में आगे भारतीय रिजर्व बैंक के बड़े सरप्लस के पीछे की गतिविधियों के बारे में भी बताया गया। इसके अनुसार, केंद्रीय बैंक का सरप्लस मुख्य रूप से इसकी तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ) संचालन और घरेलू और विदेशी प्रतिभूतियों की होल्डिंग से ब्याज के रूप में होने वाली आय के कारण संभव हो पाया।

रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई ने मार्च 2025 के अंत तक बैंकिंग सिस्टम में धन डालना शुरू कर दिया। 1 मार्च, 2025 तक बैंकिंग प्रणाली की तरलता फिर से सरप्लस में आकर 1.2 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। 16 दिसंबर 2024 और 28 मार्च 2025 के बीच औसत तरलता घाटा 1.7 लाख करोड़ रुपये रही।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायण, ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-45
सूर्यास्त - 18-40
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	वृष---	05-08 बजे
चंद्र-	मेष में	मिथुन..	07-08 बजे
मंगल	कर्क में	कर्क--	09-21 बजे
बुध-	वृष में	सिंह---	11-32 बजे
गुरु-	मिथुन में	कन्या...	13-39 बजे
शुक्र-	मीन में	तुला....	15-46 बजे
शनि-	मीन में	वृश्चिक..	17-54 बजे
राहु-	कुंभ में	धनु.....	20-08 बजे
केतु-	सिंह में	मकर...	22-14 बजे
		कुंभ...	00-05 बजे
		मीन....	01-43 बजे
		मेष.....	03-19 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी 15-51 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण, रविवार 25 May
नक्षत्र - अश्विनी 11-12 तक उपरान्त भरणी
योग - सौभाग्य 11-06 तक उप शोभन
करण- वणिज 15-51 तक उप विष्टी
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्राकाल - 15-52 से

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:06 से 18:43 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	05:45 - 07:21	अशुभ	शुभ	18:40 - 20:06	शुभ
चंचल	07:21 - 08:58	शुभ	अमृत	20:06 - 21:28	शुभ
लाभ	08:58 - 10:36	शुभ	चंचल	21:28 - 22:51	शुभ
अमृत.	10:36 - 12:13	शुभ	रोग	22:51 - 00:13	अशुभ
काल	12:13 - 13:51	अशुभ	काल	00:13 - 01:36	अशुभ
शुभ	13:51 - 15:28	शुभ	लाभ	01:36 - 02:58	शुभ
रोग	15:28 - 17:06	अशुभ	उत्पात	02:58 - 04:20	अशुभ
उत्पात	17:06 - 18:40	अशुभ	शुभ	04:20 - 05:45	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं । टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है । लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे । आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे फिर भी आपको यह महसूस होगा कि इस घटना पर अधिक सोचकर कुछ हासिल नही होगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा । आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए । अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं.लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें । आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवेश होगा। आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है ।आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा । आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे ।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं ।आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा । कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है ।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें ।आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी, यू,
आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है । आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा । इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं । अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा, फा, ढा, भे
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे ।आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे । इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है । जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें । इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे जिस दिशा में आप बढ़ना चाहते हैं ।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे । दोस्तों और परिवार के साथ आनंद लें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बंद होने जा रहा है 233 साल पुराना सिक्का

हर साल होगी 477 करोड़ की बचत

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। अमेरिका का सबसे छोटा वैल्यू वाला सिक्का, 'पैनी' (1 सेंट), जल्द ही इतिहास बन सकता है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने घोषणा की है कि 2026 की शुरुआत से नए पैनी सिक्कों का प्रोडक्शन बंद कर दिया जाएगा। यह फैसला सिक्के के निर्माण लागत में खर्च होने वाला पैसा और इसके लिमिटेड इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इस फैसले से हर साल 477 करोड़ की बचत होगी।

हर साल होगी 477 करोड़ की बचत

वर्तमान में, एक पैनी सिक्का बनाने की लागत लगभग 3.7 सेंट (करीब 3.08) है, जो इसके प्रिंटेड मूल्य से लगभग चार गुना अधिक है। 2024 में, अमेरिकी मिंट ने 3.17 बिलियन पैनी सिक्के बनाए, जिस पर लगभग $85 मिलियन (करीब 710 करोड़) खर्च हुए। इस उत्पादन को बंद करने से सरकार को हर साल लगभग $56 मिलियन (करीब 477 करोड़) की बचत होगी।

क्या होगा मौजूदा सिक्कों का?

हालांकि नए पैनी सिक्कों का उत्पादन बंद किया जाएगा, लेकिन पहले से प्रचलन में मौजूद सिक्के वैध मुद्रा बने रहेंगे। अमेरिका में वर्तमान में लगभग 114 बिलियन पैनी सिक्के प्रचलन में हैं।

नकद लेन-देन पर प्रभाव

पैनी के उत्पादन बंद होने के बाद, नकद लेन-देन में कीमतों को निकटतम 5 सेंट तक गोल किया जा सकता है, जैसा कि कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में किया जाता है। डिजिटल लेन-देन पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। पैनी सिक्का पहली बार 1793 में जारी किया गया था और 1909 से इस पर राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की छवि अंकित है। हालांकि इसका आर्थिक महत्व कम हो गया है, लेकिन यह अमेरिकी संस्कृति और इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है।

तारों के जाल से मिलेगी मुक्ति!

शुरू होने वाली है स्टारलिंक की इंटरनेट सर्विस, कितना आएगा खर्च?

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। सैटकॉम कंपनियां जल्द ही भारत में अपनी सर्विस शुरू कर सकती हैं। इनमें एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक भी शामिल हैं। शुरुआती ऑफर में अनलिमिटेड डेटा प्लान 840 (करीब $10) प्रति महीने से भी कम में मिल सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि कंपनियां धीरे-धीरे अपने कस्टमर बढ़ाना चाहती हैं। उनका लक्ष्य मिड-टू-लॉन्ग टर्म में 1 करोड़ कस्टमर बनाना है। इससे स्पेक्ट्रम की ऊंची लागत को कम करने में मदद मिलेगी। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने शहरों में प्रति यूजर 500 प्रति महीने का एक्स्ट्रा चार्ज लगाने का सुझाव दिया है। इससे सैटेलाइट कम्युनिकेशन के लिए स्पेक्ट्रम जमीनी सर्विस से महंगा हो जाएगा। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक्सपर्ट्स का मानना है कि स्टारलिंक जैसी बड़ी कंपनी के लिए यह कोई बड़ी रुकावट नहीं होगी। कंपनी भारत के शहरों में आसानी से मुकाबला कर पाएगी। ग्लोबल टीएमटी कंसल्टिंग फर्म एनालिसिस मेसन के पार्टनर अश्विंदर सेठी ने कहा कि स्पेक्ट्रम चार्ज और लाइसेंस फीस ज्यादा होने के बावजूद सैटकॉम कंपनियां भारत में कम कीमत पर सर्विस शुरू कर सकती हैं। यह कीमत लगभग $10 से कम हो सकती है। इससे उन्हें ज्यादा कस्टमर मिलेंगे और उनकी फिक्स्ड कॉस्ट कम हो जाएगी।

ट्राई का सुझाव

इस बारे में एट ने स्टारलिंक और उसकी पैरेंट कंपनी स्पेसएक्स से बात करने की कोशिश की, लेकिन उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया। टेलीकॉम सेक्टर के रेगुलेटर ने सुझाव दिया है कि सैटकॉम कंपनियों को अपने एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (एजीआर) का 4% देना होगा। इसके साथ ही, उन्हें 3,500 प्रति एमएचजेड स्पेक्ट्रम ब्लॉक का मिनिमम सालाना चार्ज भी देना होगा। कमर्शियल सर्विस देने के लिए सैटकॉम कंपनियों को 8% लाइसेंस फीस भी देनी होगी। इन सुझावों को सरकार की मंजूरी मिलना बाकी है। एक्सपर्ट्स ने यह भी कहा है कि सैटेलाइट की संख्या कम होने से स्टारलिंक के लिए भारत में मार्केट शेयर बढ़ाना मुश्किल हो सकता है। भारत, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम मार्केट है। आईआईएफएल रिसर्च के अनुसार स्टारलिंक के पास अभी 7,000 सैटेलाइट हैं और उसके लगभग 40 लाख (4 मिलियन) कस्टमर हैं। अगर स्टारलिंक 18,000 सैटेलाइट तक पहुंच जाती है, तो भी वह फाइनेंशियल ईयर 2030 तक भारत में सिर्फ 15 लाख (1.5 मिलियन) कस्टमर को ही सर्विस दे पाएगी।

सैट वर्सेज होम ब्रॉडबैंड

आईआईएफएल रिसर्च ने एक रिपोर्ट में कहा कि सैटेलाइट की संख्या कम होने से कस्टमर बढ़ाने में दिक्कत आ सकती है। कम कीमत का फायदा भी कम हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्टारलिंक ने सैटेलाइट की कमी के कारण अमेरिका और अफ्रीका के कुछ इलाकों में कस्टमर जोड़ना बंद कर दिया था। आईआईएफएल का मानना है कि भारत को कवर करने वाले सैटेलाइट की संख्या ग्लोबल सैटेलाइट की संख्या का सिर्फ 0.7-0.8% होगी। यह भारत के एरिया के हिसाब से है। जेएम फाइनेंशियल ने बताया कि अभी सैटकॉम ब्रॉडबैंड की कीमत होम ब्रॉडबैंड से 7-18 गुना ज्यादा है।

चीन की गोद में बैठे बांग्लादेश का निकलेगा तेल! महंगा पड़ेगा भारत के साथ ट्रेड और पॉलिटिक्स का खेल

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के रिश्ते अभी ठीक नहीं चल रहे हैं। पिछले साल अगस्त में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद बनी मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार भारत विरोधी कामों में लगी है। इस काम में उसे चीन का खूब साथ मिल रहा है। चीन के प्रभाव में आकर यूनुस ऐसे काम करने में लगे हैं जो उनके देश के लिए आत्मघाती हो सकते हैं। बांग्लादेश लगातार भारतीय एक्सपोर्ट पर पाबंदियां लगा रहा है। पिछले हफ्ते भारत ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए ऐसे उपाय किए हैं जिससे बांग्लादेश का करीब 42% एक्सपोर्ट प्रभावित हुआ है। जानकारों का कहना है कि बांग्लादेश ने राजनीति और व्यापार को मिलाकर अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारी है। सवाल यह है कि इस विवाद से भारत और बांग्लादेश में से किसे ज्यादा नुकसान होगा? साल 1971 में बांग्लादेश की आजादी में भारत ने अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन फिलहाल वहां ऐसी सरकार है जो भारत के हितों के खिलाफ काम कर रही है और कट्टरपंथियों के हाथों में खेल रही है। मजबूरन हाल में भारत को बांग्लादेश से जुड़ा एक बड़ा फैसला लेना पड़ा। सरकार ने बांग्लादेश से भूमि बंदरगाहों के जरिए आयात को नियंत्रित करने का एलान किया। इस फैसले से बांग्लादेश से 77 करोड़ डॉलर से अधिक के आयात पर असर पड़ेगा। यह बांग्लादेश से होने वाले कुल आयात का लगभग 42% है। बांग्लादेश अब केवल कोलकाता और मुंबई पोर्ट से ही रेडिमेड कपड़े भेज सकता है।अब तक बांग्लादेश से भारत आने वाले 93% रेडिमेड गारमेंट 11 लैंड बॉर्डर पोस्ट से आते थे। लेकिन अब उन्हें बंद कर दिया गया है। इसी तरह कई और चीजों की आवाजाही भी लैंड बॉर्डर पोस्ट के जरिए रोक दी गई है। इनमें कार्बोनेटेड ड्रिंक, प्रोसेस्ड फूड, लकड़ी का फर्नीचर, पीवीसी गुड्स और कॉटन वेस्ट शामिल है। बांग्लादेश पिछले कुछ समय से भारतीय सामानों पर तरह-तरह की पाबंदियां लगा रहा था। इसके जवाब में भारत सरकार ने यह कार्रवाई की है। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने पिछले कुछ समय में भारत के प्रति जो बेरुखी दिखाई गई है, उसे देखते हुए भारत ने फिलहाल मामूली कदम उठाए हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि के खाते में जमा राशि पर 8.25% की ब्याज दर बरकरार, सरकार ने लगाई मुहर

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पीएफ खाते में जमा राशि पर मिलने वाला ब्याज दर 8.25% बरकरार रखने के ईपीएफओ के फैसले को केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। इससे पहले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ने 28 फरवरी को मीटिंग में ब्याज दर को 8.25% बरकरार रखने का फैसला किया था। इससे पहले वित्त-वर्ष 2023-24 के लिए ब्याज दर को 8.15% से 0.10% बढ़ाकर 8.25% किया गया था। वहीं 2022-23 में 8.10% से 0.05% बढ़ाकर 8.15% किया गया था।

पीएफ अकाउंट में किस हिसाब से जमा होती है राशि?

ईपीएफओ एक्ट के तहत कर्मचारी की बेसिक सैलरी+महंगाई भत्ता का 12 फीसदी पीएफ अकाउंट में जाता है। वहीं, कंपनी भी कर्मचारी की बेसिक सैलरी+महंगाई भत्ता का 12 फीसदी जमा करती है। कंपनी के 12 फीसदी हिस्से में से 3.67% पीएफ अकाउंट में जाता है और बाकी 8.33 फीसदी पेंशन स्कीम में जाता है। वहीं कर्मचारी के हिस्से का सारा पैसा पीएफ अकाउंट में जाता है।

पिछले वर्षों में कैसा रहा ब्याज दर?

इससे पहले 2022 में ईपीएफओ ने 2021-22 के लिए अपने सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए ईपीएफ पर ब्याज को घटाकर चार दशक से अधिक के निचले स्तर 8.1 फीसदी कर दिया था। 2020-21 में यह ब्याज दर 8.5 प्रतिशत थी। इससे पहले 2020-21 के लिए ईपीएफ पर 8.10 प्रतिशत ब्याज दर 1977-78 के बाद से सबसे कम थी। उस वक्त ईपीएफ ब्याज दर सिर्फ आठ प्रतिशत थी।

2020 से पहले कैसा था ब्याज दर?

जबकि, ईपीएफओ ने 2019-20 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को घटाकर सात साल के निचले स्तर 8.5 प्रतिशत कर दिया था, जो 2018-19 के लिए 8.65 प्रतिशत था। ईपीएफओ ने 2016-17 में अपने ग्राहकों को 8.65 प्रतिशत और 2017-18 में 8.55 प्रतिशत ब्याज दर प्रदान की थी। 2015-16 में ब्याज दर थोड़ी अधिक यानी 8.8 प्रतिशत थी। रिटायरमेंट फंड निकाय ने 2013-14 और 2014-15 में 8.75 प्रतिशत ब्याज दिया था, जो 2012-13 के 8.5 प्रतिशत से अधिक था। वर्ष 2011-12 में ब्याज दर 8.25 प्रतिशत थी। ईपीएफओ की सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) ब्याज दर पर फैसला करती है और फिर इसे वित्त मंत्रालय के पास मंजूरी के लिए भेजा जाता है। जब सरकार इस पर सहमति दे देती है, तब यह ब्याज ईपीएफओ ग्राहकों के खातों में जमा किया जाता है। पिछले कुछ सालों में ईपीएफ ब्याज दर में गिरावट आई है, जिससे कई कर्मचारियों को रिटायरमेंट बचत पर कम रिटर्न मिला है। ईपीएफ एक दीर्घकालिक बचत विकल्प है, जहां कर्मचारियों की सैलरी का एक हिस्सा जमा होता है और कंपनी भी उसमें योगदान देती है।

10 लाख का इनामी जेजेएमपी सुप्रीमो पुलिस मुठभेड़ में ढेर

2 अन्य नक्सली भी मारे गए, लातेहार के ईचाबार जंगल में एनकाउंटर

लातेहार, 24 मई (एजेंसियां)। लातेहार जिले के लिए आतंक का पर्याय बने जेजेएमपी के सुप्रीमो पप्पू लोहरा समेत दो नक्सलियों को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया है। बताया जाता है कि लातेहार थाना क्षेत्र के ईचाबार जंगल में शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में झारखंड जनसंघर्ष मुक्ति मोर्चा (जेजेएमपी) का सुप्रीमो पप्पू लोहरा और पांच लाख का इनामी नक्सली सबजोनल कमांडर प्रभात गंझू मारा गया है जबकि एक नक्सली घायल है। जिसे सदर अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया है।

वहीं सेट वन का जवान घायल हुआ है। उसका नाम अवध सिंह है। घायल जवान को एयर लिफ्ट कर रांची के राज अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया है। जहां इलाज जारी है। घायल जवान से रक्षा राज्यमंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ ने मुलाकात की। वहीं डॉक्टरों ने बताया कि घायल जवान अवध सिंह की स्थिति खतरे से बाहर है।

जानकारी के मुताबिक लातेहार एसपी कुमार गौरव के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। इस अभियान में सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस की टीम शामिल थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि पप्पू लोहरा अपने साथियों के साथ ईचाबार जंगल में कोई बड़ी वारदात करने की योजना बना रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस और सुरक्षाबलों ने सर्च अभियान शुरू किया। ईचाबार जंगल में उग्रवादियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में 10 लाख रुपए का इनामी पप्पू लोहरा और उसका साथी प्रभात लोहरा मारे गए।

साल 2018 में जेजेएमपी के सुप्रीमो जोनल कमांडर पप्पू लोहरा का एक फोटो पुलिस के साथ देखा गया था। जानकारी के मुताबिक उस दौरान नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पप्पू लोहरा पुलिस और सुरक्षा बलों की मदद कर रहा था। तस्वीर वायरल होने के बाद सुरक्षा बलों पर भी सवाल उठे थे।

तस्वीर वायरल होने के बाद पुलिस और सुरक्षा बलों पर आरोप लगा था कि उन्होंने ही माओवादियों के खिलाफ जेजेएमपी नाम से संगठन खड़ा कर स्थानीय लड़ाकों को हथियार मुहैया कराया था। बाद में यही संगठन पुलिस के लिए सिरदर्द बन गया।

पलामू के बकोरिया में हुए मुठभेड़ में आठ जून 2015 को पुलिस ने 12 नक्सलियों को मारने का दावा किया था। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। आरोप था कि जिन 12 लोगों को मारा गया था, उन्हें जेजेएमपी के उग्रवादियों ने मारा था।

घर में घुसकर डकैती करने वाले 7 अपराधी गिरफ्तार

बंधक बनाकर लूट को अंजाम दिया था, ज्वेलरी समेत हथियार बरामद

पटना, 24 मई (एजेंसियां)। फतुहा थाने के गौरैया में 16 मई को डकैती की घटना हुई थी। सैदपुर के रहने वाले राजकुमार के घर में देर रात 6 से 7 की संख्या में अपराधी ग्रिल तोड़कर घर में घुसे थे। हथियार के बल पर बंधक बनाकर डकैती की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में 7 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से डकैती के सामान और हथियार बरामद किए गए हैं। इसमें दो देशी कट्टा, 4 गोली, दो बाइक और सोने-चांदी की ज्वेलरी शामिल है। ग्रामीण एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि 7 अपराधियों में से एक ज्वेलर भी शामिल है। यह अपराधियों से डकैती के गहने कम भाव में खपाने के इरादे से खरीदे थे, जिनका नाम मनीष राज है।

अवैध लॉटरी का बढ़ रहा धंधा

महिलाओं और बच्चों को भी माफिया कर रहे शामिल, कर रहे करोड़ों की काली कमाई

पाकुड़, 24 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पाकुड़ जिले में अवैध लॉटरी का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। राज्य में लॉटरी पर पूर्ण प्रतिबंध है। इसके बावजूद माफिया इस धंधे को चला रहे हैं। माफिया महिलाओं और बच्चों को कुछ रुपए का लालच देकर लॉटरी बेचने का काम सौंप रहे हैं। लॉटरी की छपाई जिले में ही होती है। हर महीने नए-नए नाम से बाजार में उतारी जाती है। जेके, एसके जैसे कई नाम इसमें शामिल हैं। पश्चिम बंगाल से डियर लॉटरी के अलावा नकली लॉटरी भी छापकर बाजार में बेची जा रही है।

लॉटरी माफिया की पकड़ ऊपर तक है। वे खुलेआम सवाल उठाने वालों को फंसाने की धमकी देते हैं। एक सुनियोजित तरीके से लॉटरी का गैंग बनाया गया है। इसमें महिलाओं को आगे रखा जाता है। सदर प्रखंड के कई ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध लॉटरी छापी जा रही है। छोटे होलसेलर के माध्यम से इसे बाजारों में बेचा जाता है।

पुलिस समय-समय पर कार्रवाई करती है, लेकिन सिर्फ छोटे लॉटरी विक्रेता ही पकड़े जाते हैं। कुछ साल पहले सिंधीपाड़ा में एक किराए के मकान से लॉटरी छापने का भंडाफोड़ हुआ था। सरगना को जेल भेजा गया था। कुछ महीनों तक यह धंधा कम हुआ, लेकिन पिछले कुछ महीनों से फिर तेज हो गया है। मध्यमवर्गीय परिवार इस लॉटरी के चक्कर में आर्थिक रूप से बर्बाद हो रहे हैं। जिले के बुद्धिजीवियों ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।

कैंसर पीड़ित ने पूरे परिवार के साथ की आत्महत्या

जमशेदपुर में कराना था कीमोथेरेपी, तभी लगा ली फांसी

जमशेदपुर, 24 मई (एजेंसियां)। टाटा स्टील गम्हरिया में सीनियर मैनेजर के पद पर कार्यरत कृष्ण कुमार (40) ने अपनी पत्नी और दो मासूम बेटियों के साथ आत्महत्या कर ली।

यह हृदयविदारक घटना जमशेदपुर के आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चित्रगुप्त नगर में सामने आई, जिसने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, चारों शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटके हुए पाए गए।

मृतकों में कृष्ण कुमार, उनकी पत्नी डोली देवी, 13 वर्षीय पुत्री पूजा और छह वर्षीय पुत्री मैया शामिल हैं। घटना की जानकारी तब हुई जब पड़ोसियों को घर से दुर्गंध आने लगी और सूचना देने पर स्थानीय लोगों ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया।

कृष्ण कुमार कुछ समय पहले मुंबई में कैंसर का इलाज कराकर लौटे थे। परिवार वालों के अनुसार, डॉक्टरों ने उन्हें कीमोथेरेपी की सलाह दी थी, जो जमशेदपुर में भी उपलब्ध है। पिता शोभिंदो तिवारी ने बताया कि मुंबई से लौटने के बाद उनका बेटा काफी तनाव में रहने लगा था और घर से बाहर नहीं निकलता था। न ही वह किसी से बात कर रहे थे। अनुमान है कि इसी मानसिक दबाव में आकर उन्होंने यह कदम उठाया।

पिता ने बताया कि बेटे की गंभीर स्थिति को देखते हुए वह डोली देवी ने इलाज के लिए मुंबई ले जाने की पहल की थी। वहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें नियमित कीमोथेरेपी की जरूरत है। चूंकि यह सुविधा जमशेदपुर में भी उपलब्ध थी, इसलिए वे फ्लाइट से वापस लौट आए। कृष्ण कुमार ने टाटा स्टील में इलाज के लिए आवेदन भी दिया था, लेकिन इसके बाद पूरा परिवार घर में सिमट कर रह गया।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभी तक घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस आत्महत्या के कारणों की गहराई से जांच कर रही है।

कृष्ण कुमार की आत्महत्या की खबर से टाटा स्टील और स्थानीय क्षेत्र में शोक की लहर है। उन्हें एक ईमानदार और जिम्मेदार अफसर के रूप में जाना जाता था।

पड़ोसियों के अनुसार, उनका परिवार बेहद सुलझा हुआ और सौम्य स्वभाव का था। किसी को अंदाजा नहीं था कि वे इतने गंभीर मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं।

अवैध लॉटरी के खिलाफ प्रदर्शन

लोगों ने रणधीर वर्मा चौक पर दिया धरना, कहा- घरों में चूल्हा नहीं जल रहा

धनबाद, 24 मई (एजेंसियां)। झारखंड में लॉटरी कारोबार पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद कोयलांचल में अवैध लॉटरी का धंधा चल रहा है। इसके विरोध में शनिवार को धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर महिलाएं, पुरुष और बच्चे सड़कों पर उतर आए।

प्रदर्शनकारी महिला रेखा देवी ने बताया कि पवन झुनझुनवाला अवैध लॉटरी कारोबार का मुख्य सरगना है। वह अपने गुर्गों के माध्यम से पूरे कोयलांचल में लॉटरी की बिक्री करवा रहा है। दिहाड़ी मजदूर अधिक पैसों के लालच में रोज लॉटरी टिकट खरीद रहे हैं। इससे उनकी दैनिक कमाई लॉटरी में खर्च हो जाती है।

प्रदर्शनकारी शमीम ने कहा कि अवैध लॉटरी के कारण जिले में चोरी और छिनतई जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। प्रशासन इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

रिटायर्ड बीसीसीएल कर्मी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

गए थे गृह प्रवेश कार्यक्रम में, निर्माणाधीन अपार्टमेंट के बेसमेंट में मिला शव

धनबाद, 24 मई (एजेंसियां)। धनबाद में शनिवार को एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट के बेसमेंट में बीसीसीएल के रिटायर्ड कर्मी का शव मिला है। मृतक की पहचान 70 वर्षीय इंद्रदेव प्रसाद सिंह के रूप में हुई है।

शुक्रवार की शाम को इंद्रदेव एक गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर से निकले थे। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान उनका शव अपार्टमेंट के बेसमेंट में लिफ्ट के पास मिला। धनबाद थाना पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेज दिया है।

परिजनों का कहना है कि यह सामान्य दुर्घटना नहीं हो सकती। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

धनबाद थाना प्रभारी के अनुसार, घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। पुलिस ठोस साक्ष्य जुटाने में जुटी है।

कोडरमा घाटी में रिफाइन तेल टैंकर पलटा

कोडरमा, 24 मई (एजेंसियां)। कोडरमा घाटी स्थित बन्दरचुआं के पास शनिवार की सुबह रिफाइन तेल से भरा एक टैंकर पलट गया। जिससे रांची-पटना मेन रोड में परिचालन बाधित हो गया। बताया जा रहा है कि उक्त टैंकर हल्दिया (पश्चिम बंगाल) से रिफाइन लोड कर कोडरमा होते हुए बिहार के रास्ते नेपाल की ओर जा रहा था।

इसी बीच कोडरमा घाटी के बन्दरचुआं के समीप टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गया। टैंकर के पलटते ही उसमें लोड रिफाइन सड़कों पर बहने लगा। इधर घटना की सूचना पर आसपास के लोग वहां इक्ट्ठा हो गए। जैसे ही उनलोगों की नजर टैंकर से बहते हुए तेल पर पड़ी वे लोग अपने-अपने घरों की ओर दौड़े और घरों से बाल्टी, डब्बा या जो भी बर्तन मिला उसे लेकर सरपट घटनास्थल पर पहुंच गए। टैंकर से बह रहे तेल को लूटने में लग गए। इधर इस दुर्घटना के बाद रांची-पटना मुख्य मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने वहां पर पुलिस बल को भेज दिया। कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि टैंकर से तेल का रिसाव सड़क पर होने के कारण कई छोटी गाड़ियां उस पर फिसल जा रही हैं। आवागमन फिलहाल पूरी तरह से बाधित है। पुलिसबल को क्रेन लेकर भेज दिया गया है। जल्द ही टैंकर को मुख्य मार्ग से हटाकर वाहनों के आवागमन को फिर से सुचारू रूप से चालू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस घटना में टैंकर का चालक व उपचालक पूरी तरह से सुरक्षित है।

सीएम सोरेन की अध्यक्षता में 27 मई को होगी विधि-व्यवस्था पर समीक्षा बैठक

रांची, 24 मई (एजेंसियां)। झारखंड में विधि-व्यवस्था की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आगामी 27 मई 2025 को एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह बैठक राजधानी रांची में आयोजित की जाएगी, जिसमें राज्य के शीर्ष पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी, गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, तथा खुफिया एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार,

इन बिंदुओं पर होगी चर्चा

बैठक में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराध, नक्सल गतिविधियों और संगठित अपराध जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा की जाएगी। कुल मिलाकर 16 प्रमुख बिंदुओं को लेकर समीक्षा और रणनीति पर विचार-विमर्श होगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस संबंध में कहा है कि राज्य सरकार नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सरकार हरसंभव कदम उठाएगी और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक के मुख्य एजेंडे में शामिल विषय

सीमावर्ती इलाकों में अवैध घुसपैठ और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा, हाल की गंभीर आपराधिक घटनाओं का विश्लेषण और उनके निवारण की रणनीति, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती और संचालन योजना, पुलिस बल की जवाबदेही, संसाधनों की उपलब्धता और क्षमताओं का आकलन, महिला एवं बाल सुरक्षा, और तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों पर नियंत्रण।

इस समीक्षा बैठक के बाद नई सुरक्षा नीतियों, प्रशासनिक निर्देशों और संरचनात्मक सुधारों की घोषणा किए जाने की संभावना जताई जा रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई हो।

कोरोना का पहला मरीज मिला

निजी अस्पताल में चल रहा इलाज, ट्रैवल हिस्ट्री नहीं, देशभर में फैल रहा नया वैरिएंट

रायपुर, 24 मई (एजेंसियां)। देश में बढ़ रहे कोरोना मामलों के बीच रायपुर में भी एक कोरोना संक्रमित मरीज मिला है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को सर्दी-खांसी की शिकायत लेकर 41 साल का एक मरीज एमएमआई नारायण हॉस्पिटल पहुंचा था।

टेस्ट में मरीज कोविड पॉजिटिव निकला। दरअसल, मरीज लक्ष्मीनगर के पचपेड़ी नाका का रहने वाला है। उसे प्राइवेट आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। अब तक मरीज की कोई ट्रैवल हिस्ट्री सामने नहीं आ आई है। इस मामले की पुष्टि हॉस्पिटल प्रबंधन और राज्य नोडल अधिकारी डॉ. खेमराज सोनवानी ने की है। हालांकि मरीज में कोरोना वायरस का नया वैरिएंट जेएन.1 है या नहीं इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। देर शाम अगली जांच रिपोर्ट में इसकी जानकारी मिलेगी।

मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने उनके परिजनों के सैंपल लेना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही मरीज के संपर्क में आए लोगों की ट्रैकिंग और स्क्रीनिंग की जा रही है। ट्रैवल हिस्ट्री नहीं होने के कारण संक्रमण के स्थानीय स्तर पर फैलने की आशंका जताई जा रही है।

सिल्ली में जल संकट पर भड़के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी

सीएम सोरेन पर लगाया गंभीर आरोप

रांची, 24 मई (एजेंसियां)। बाबूलाल मरांडी ने सिल्ली क्षेत्र की कुछ तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर साझा करते हुए लिखा कि रांची जिले के सिल्ली में जल संकट की स्थिति बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है। उन्होंने रांची के उपायुक्त से इस गंभीर स्थिति पर अविलंब संज्ञान लेने और आवश्यक कदम उठाने की अपील की है। मरांडी ने आरोप लगाया कि जल आपूर्ति योजनाओं में भारी भ्रष्टाचार हुआ है और कई योजनाएं सिर्फ कागजों पर चल रही हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब राज्य के कोष से करोड़ों रुपये की योजनाएं चलाई जा रही हैं, तो फिर लोगों को पीने के पानी के लिए क्यों तरसना पड़ रहा है?

राजनीतिक पृष्ठभूमि में उठाया गया मुद्दा

विशेषज्ञों का मानना है कि मरांडी द्वारा उठाया गया यह मुद्दा न सिर्फ आम जनभावनाओं से जुड़ा है, बल्कि आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए एक रणनीतिक कदम भी हो सकता है। जल संकट जैसे बुनियादी विषयों पर विपक्षी दलों का मुखर होना सत्तारूढ़ सरकार के लिए दबाव का कारण बन सकता है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि पिछले कई हफ्तों से इलाके में जल आपूर्ति बाधित है। टैंकरों के भरोसे लोग पानी की जरूरतें पूरी कर रहे हैं। कई गांवों में हैंडपंप भी जवाब दे चुके हैं, जिससे महिलाओं और बच्चों को मीलों दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है।

सरकार में मौजूद नेताओं एवम अधिकारियों के प्रतिक्रिया का इंतजार

अब सबकी निगाहें राज्य सरकार और जिला प्रशासन की ओर हैं कि इस आरोपों और समस्या पर किस तरह की प्रतिक्रिया दी जाती है। जल संकट जैसे मुद्दे पर त्वरित और ठोस कार्रवाई की उम्मीद स्थानीय लोगों को है।

गंडक नदी में कूदा शराब तस्कर लापता

पुलिस की छापेमारी के दौरान भागा मुकेश, परिजनों में चिंता

बेतिया, 24 मई (एजेंसियां)। बेतिया में पुलिस छापेमारी के दौरान शराब तस्कर मुकेश कुमार ने गंडक नदी में छलांग लगा दी। शुक्रवार को हुई इस घटना के बाद से वह लापता है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन लगातार खोजबीन में जुटे हैं, लेकिन घटना के 24 घंटे बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला है। घटना नौतन थाना क्षेत्र अंतर्गत बरियारपुर दियारा की है।

छापेमारी की भनक लगते ही भागा तस्कर

पुलिस की टीम इलाके में अवैध शराब के कारोबार पर नकेल कसने के लिए पहुंची थी। छापेमारी की भनक लगते ही कई तस्कर भाग खड़े हुए, जबकि मुकेश कुमार, जो सुदामा यादव का बेटा है, शराब की कुछ बोतलें छोड़कर नदी में कूद गया।

थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि यह स्पष्ट नहीं है कि मुकेश डूब गया या किसी और रास्ते से फरार हो गया। शनिवार सुबह से ही पुलिस की टीम गंडक नदी के किनारे तलाश में जुटी है।

बेटे के लौटने की उम्मीद में परिजन

घटना के बाद मुकेश के घर लौटने की उम्मीद में परिजन बेचैन हैं। पिता सुदामा यादव ने खुद बेटे की तलाश में दियारा इलाके का रुख किया। पंचायत समिति सदस्य रंजन यादव ने भी पुष्टि की कि उन्हें सूचना मिली थी कि मुकेश गंडक नदी में डूब गया है।

गांव में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। परिजनों में मायूसी का माहौल है और अंधेरा होने की वजह से वे नदी किनारे नहीं जा पा रहे हैं। प्रशासन मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है और स्थानीय लोगों से भी सहयोग की अपील की गई है।

प्रेमी- प्रेमिका, इश्क और ब्राउन शुगर

रांची पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा, बिहार से जुड़ा है कनेक्शन

रांची, 24 मई (एजेंसियां)। राजधानी रांची में ब्राउन शुगर का काला कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। इसके खिलाफ लगातार पुलिस कार्रवाई भी कर रही है। ऐसे में कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरानी रांची से छापेमारी कर पुलिस ने एक प्रेमी जोड़े को गिरफ्तार किया गया है। जो लगातार बिहार से ब्राउन शुगर लाकर रांची में खपाता था। रांची जिले के डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को सूचना मिली थी कि कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरानी रांची के नूर नगर में रोहतास सासाराम से एक युवक भारी मात्रा में ब्राउन शुगर लेकर आया है।

इस सूचना के बाद सिटी एसपी के नेतृत्व में कोतवाली डीएसपी के साथ पुलिस टीम का गठन किया गया और नूर नगर में छापेमारी अभियान चलाया गया। इसके तहत खेत मोहल्ला में अहसन जुनैद के घर पर मकान मालिक के सामने सेजल खान के कमरे में छापेमारी की गई। डीआईजी सह एसएसपी चन्दन कुमार सिन्हा ने बताया कि इस छापेमारी के दौरान कमरे से एक लड़का मिला। जब उसकी पहचान पुलिस ने पूछी तो उसने बताया कि उसका नाम सूरज कुमार है। वह बिहार के रोहतास का रहने वाला है।

जब पुलिस टीम के द्वारा तलाशी ली गई तो उसके पॉकेट से ब्राउन शुगर बरामद किया गया। जिसका वजन 110 ग्राम पाया गया।जो बड़ी मात्रा है। इसके साथ ही छापेमारी के दौरान जब पुलिस ने पूरे कमरे की तलाशी ली। तो 4.50 लाख रुपए नगद बरामद किया गया।वहीं जब अवैध ब्राउन शुगर का वैध कागजात मांगा गया तो कोई कागजात नहीं दिया गया। जब उनसे नगद के बारे में पूछताछ की गई। तो उन्होंने बताया कि नगद ब्राउन शुगर की बिक्री से जमा हुआ है। जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तब पता चला कि उनके द्वारा लंबे समय से ब्राउन शुगर का अवैध कारोबार किया जा रहा है। वह बिहार से ब्राउन शुगर लाते थे और रांची में बेचते थे। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग भी है। इसके साथ ही दो और ड्रग्स पैडलर को पुलिस ने सुखदेव नगर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। विशाल मित्तल उर्फ हेमंत मित्तल और आरिफ इकबाल नाम के ड्रग पैडलर को गिरफ्तार किया गया है।

कौन है सोनू, जो टॉप नक्सली कमांडर बनने की लाइन में था, अब सरेंडर की चर्चा

रायपुर, 24 मई (एजेंसियां)। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) सीपीआई के सेंट्रल कमिटी के सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू (69) पुलिस के सामने सरेंडर कर सकता है। पार्टी महासचिव बसवराजू के मारे जाने के बाद वह शीर्ष पद का संभावित दावेदार माना जा रहा था।

जानकारी के अनुसार वह महाराष्ट्र के गढ़चिरौली पुलिस के सामने सरेंडर कर सकता है। यह जानकारी राज्य की एंटी-नक्सल यूनिट के सूत्रों ने दी। हमारे सहयोगी टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार सोनू एक तेलुगू ब्राह्मण है और बीकॉम पास है। पहले उसने सरकार से सीजफायर की अपील भी की थी।

सोनू के छोटे भाई किशनजी (मल्लोजुला कोटेश्वर राव) को 2011 में कोलकाता के पास मुठभेड़ में मार दिया गया था। अब सोनू भी हथियार डालने को तैयार है और संभव है कि वह अपनी पत्नी तारक्का के साथ जुड़ जाए, जिसने पिछले साल गढ़चिरौली पुलिस के सामने सरेंडर किया था और अब पुलिस के पुनर्वास कैंप में रह रही है।

महाराष्ट्र के सीएम फडणवीस ने गढ़चिरौली में नक्सलियों के बड़े पैमाने पर सरेंडर की ओर इशारा किया। एक अधिकारी ने बताया कि आंतरिक असंतोष माओवादियों के कमजोर होने का कारण है। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के आदिवासी कैडर अब तेलुगू नेताओं के नीचे काम करने से नाराज हैं। उन्हें जबरदस्ती मजदूरी और लड़ाई में आगे भेजा जाता है, जबकि तेलुगू नेता खुद पीछे रहते हैं।

पूर्व पीएम इमरान का आर्मी चीफ पर तंज

कहा– उन्हें खुद को राजा की उपाधि देना चाहिए, पाक पीएम 4 देशों के दौरे पर जाएंगे

इस्लामाबाद, 24 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आर्मी चीफ आसिम मुनीर के फील्ड मार्शल बनने पर तंज कसा है। इमरान ने कहा है कि मुनीर को खुद को राजा की उपाधि देनी चाहिए।

जेल में बंद इमरान का यह बयान उनके X पर पोस्ट किया है। इसमें इमरान ने लिखा, माशा अल्लाह, जनरल असीम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाया गया है। हालांकि, उन्हें राजा की उपाधि देना ज्यादा अच्छा होता- क्योंकि अभी देश में जंगल का कानून चलता है और जंगल में केवल एक ही राजा होता है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 25 से 30 मई तक तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान का दौरा करेंगे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी दी।

मंत्रालय के मुताबिक शरीफ इस दौरान इन देशों के साथ कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे और हाल ही

में भारत के साथ संघर्ष के समय मदद करने के लिए आभार जताएंगे। बयान में यह भी कहा गया कि शरीफ 29-30 मई को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में ग्लेशियर्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लेंगे। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के चेयरमैन बिलावल भुट्टो ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। बिलावल ने शरीफ से सलाह मांगी कि दुनिया के सामने पाकिस्तान का पक्ष कैसे रखा जाए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बैठक में सीनेटर शेरी रहमान और पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार भी मौजूद थीं।

पिछले हफ्ते, शरीफ ने बिलावल को एक हाई लेवल डेलिगेशन की लीडरशिप सौंपी है, जो भारत के साथ हुए तनाव को लेकर दुनिया के सामने पाकिस्तान का पक्ष रखेगा।

पाकिस्तानी सांसद सैयद अली जफर ने सिंधु जल संकट को बताया वाटर बम बताया है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि वो जल्द से जल्द से संकट से बाहर निकलने के लिए कोई कदम उठाए। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी से सांसद अली जफर ने शुक्रवार को पाकिस्तान संसद में कहा कि हमारा हर 10 में से 9 आदमी इसी पर नदी पर निर्भर है। हमारी 90% फसलों को इसी नदी से पानी मिलता है।

उन्होंने कहा- अगर हम इस जल संकट को अभी नहीं सुलझाते, तो हम भूख से मर सकते हैं। इसकी वजह यह है कि सिंधु बेसिन हमारी लाइफ लाइन है। हमारा तीन-चौथाई पानी देश के बाहर से आता है।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने भारत को धमकी भरा बयान दिया है। शरीफ ने एक बयान में कहा, अगर तुम (भारत) हमारा पानी बंद करोगे, तो हम तुम्हारी सांसें बंद कर देंगे।

प्रवक्ता चौधरी ने यह बयान पाकिस्तान के एक विश्वविद्यालय में भाषण के दौरान की। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो गया है। हालांकि, यह वीडियो किस कार्यक्रम और जगह का है, इसकी फिलहाल जानकारी नहीं है।

दरअसल भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ जल संधि स्थगित कर दी है और पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोक दिया है।

जूते में बीयर डालकर पी गए सांसद महोदय

संसद में हैरान करने वाला नजारा, ऑस्ट्रेलिया की ये अनोखी परंपरा

कैनबरा, 24 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की संसद में ऐसी घटना हुई है, जिसे देखने वाला हर कोई हैरान रह जा रहा है। यहां एक सांसद ने संसद के अंदर ही पहले अपने पैर से एक जूता निकाला, फिर उसमें बीयर डालकर उसे पी लिया। जूते में बीयर डालकर पीने का सांसद का ये वीडियो सोशल मीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लोग इसे लेकर अलग-अलग तरह से प्रतिक्रिया दे रहे हैं, तो कुछ के लिए ये अचरज भरा है कि कोई जूते में कोई चीज डालकर कैसे पी सकता है। लेकिन आप ये जानकर हैरान रह जाएंगे कि सांसद ने जो किया, वह ऑस्ट्रेलियाई लोगों के बीच शराब पीने की परंपरा का एक हिस्सा है।

ऑस्ट्रेलियाई सांसद काइल मैकगिन ने संसद में अपने आखिरी दिन जो किया, वह उनके अलविदा कहने का तरीका था। ऑस्ट्रेलियाई लोगों में इस परंपरा को शूई कहा जाता है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस परंपरा के तहत शराब किसी

व्यक्ति के जूते में डाली जाती है। शराब पीने के बाद गीला जूता व्यक्ति को पहनने के लिए वापस दे दिया जाता है।

शूई परंपरा की शुरुआत कब हुई, इसके बारे में कुछ स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन कई मशहूर हस्तियां इसे सार्वजनिक तौर पर कर चुकी हैं। इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलियाई फॉर्मूला वन ड्राइवर डैनियल रिकियार्डो, फिल्म स्टार पैट्रिक स्टीवर्ट, जिमी फॉलन, ह्यू ग्रांट और जेरार्ड बटलर जैसी हस्तियां शामिल हैं।

सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड में छपी रिपोर्ट के अनुसार, सांसद काइल मैकगिन ने संसद के अंदर जूते में बीयर पीने को लेकर कहा कि 'मैंने इस बारे में बहुत सोचा कि कैसे इस भाषण को समाप्त किया जाए, और मुझे लगा कि केवल यही तरीका है। गोल्डफील्ड्स में मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोग विशेष रूप से इसकी सराहना करेंगे।' अपनी ड्रिंक खत्म करने के पहले उन्होंने कहा, 'मुझे डांट सुनने की आदत है, इसलिए हमें इसे यहीं खत्म कर देना चाहिए, लेकिन मैं मतदाताओं से कहना चाहूंगा कि दो शानदार कार्यकाल के लिए आपका धन्यवाद। चीयर्स।'

अवैध अभ्रक उत्खनन के दौरान हादसा

सिविल कोर्ट के पीछे चॉल धंसने से महिला की मौत, 15 दिन में दूसरी घटना

कोडरमा, 24 मई (एजेंसियां)। कोडरमा में अवैध माइका (अभ्रक) उत्खनन से एक और जान चली गई। सिविल कोर्ट के पीछे जंगल में अभ्रक चॉल धंसने से 45 वर्षीय कंचन देवी की मौत हो गई। कंचन देवी शिव मुहल्ला की रहने वाली थीं। घटना उस समय हुई जब कंचन देवी अन्य महिलाओं के साथ डिबरा डस्ट के ढेर में माइका (अभ्रक) चुनने गई थीं। अचानक चॉल धंस गई और वह मलबे में दब गईं। घटना के बाद कंचन के साथ गईं महिलाओं ने शोर मचाया। यह घटना पिछली घटना के महज 15 दिन बाद हुई है। इससे पहले लोमचांची जंगल में अवैध उत्खनन के दौरान दो लोगों की मौत हुई थी।

भारत से संबंध सुधारना चाह रहा कनाडा

कोमागाटा मारू पर पीएम कार्नी के हालिया बयान पर मिल रहे संकेत

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो के समय में भारत के साथ बढ़ी तल्खी को पाटने के संकेत दे रहे हैं। 110 साल से अधिक पुरानी कोमागाटा मारू की घटना पर उनकी टिप्पणी से यह संकेत मिलते हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 1914 की कोमागाटा मारू घटना, जिसमें 376 भारतीय प्रवासियों को कनाडा में घुसने रोक दिया गया था, पर टिप्पणी की है।

कार्नी ने कहा है कि यह घटना इस बात की सख्त याद दिलाती है कि हमारा देश अपने मूल्यों से कैसे चूक गया? उन्होंने कनाडा के लोगों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस तरह के अन्याय फिर कभी न दोहराए जाएं। कार्नी ने कहा आइए हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें जहां समावेश एक नारा न होकर हकीकत बन जाए।

1914 में, कोमागाटा मारू नामक एक जापानी स्टीमर ने प्रशांत महासागर में एक लंबी यात्रा के बाद वैंकूवर के बंदरगाह पर लंगर डाला था। कार्नी ने बताया कि जहाज पर सवार सिख, मुस्लिम और हिंदू धर्मों के 376 लोग शरण और सम्मान की तलाश में यहां पहुंचे थे।

कार्नी ने शुक्रवार को कोमागाटा मारू घटना की याद में एक बयान में कहा, कनाडाई अधिकारियों ने बहिष्कार और भेदभावपूर्ण कानूनों का उपयोग करते हुए उन्हें प्रवेश देने से इनकार कर दिया। उनके कष्टों को याद करते हुए कार्नी ने कहा कि दो महीने तक यात्रियों को जहाज पर ही रोके रखा गया तथा उन्हें भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधा से वंचित रखा गया।

उन्होंने कहा, जब उन्हें भारत लौटने के लिए मजबूर किया गया तो उनमें से कई को या तो जेल में डाल दिया गया या मार दिया गया। कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा, कोमागाटा मारू त्रासदी इस बात की स्पष्ट याद दिलाती है कि कैसे हमारे इतिहास के कुछ क्षणों में कनाडा उन मूल्यों से चूक गया जिन्हें हम प्रिय मानते हैं।

कार्नी ने कहा, हम अतीत को फिर से नहीं लिख सकते, लेकिन हमें उसका सामना करना होगा, उद्देश्यपूर्ण तरीके से कार्य करना होगा, यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तरह के अन्याय कभी न दोहराए जाएं, और एक मजबूत भविष्य का निर्माण करना होगा जहां समावेशिता एक नारा नहीं, बल्कि एक वास्तविकता हो - जिसे जिया जाए, अभ्यास में लाया जाए और जिसका बचाव किया जाए। कनाडाई पीएम ने कहा कि इस घटना की वर्षगांठ को स्मरण और विवेक की पुकार के रूप में मनाएं। अतीत का सम्मान करना हमें इस घटना से सीखनी है।

अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता, तो पाकिस्तान उसका हैंडलर

जापान में बोले टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी

टोक्यो, 24 मई (एजेंसियां)। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ विदेश दौरे पर गए टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को जापान में एक कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता है तो पाकिस्तान उसका हैंडलर है। भारत सरकार ने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों के दौरे पर भेजे हैं। इनका उद्देश्य सीमापार आतंकवाद पर पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब करना है। जदयू सांसद संजय झा के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल में अभिषेक बनर्जी भी शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल अपने दौरे के पहले पड़ाव पर जापान पहुंचा था, जहां शनिवार को इस प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की।

बांग्लादेश में सेना का यूनुस सरकार को अल्टीमेटम

दिसंबर तक चुनाव कराएं, हसीना को सजा मिलने तक चुनाव नहीं चाहते छात्र संगठन

ढाका, 24 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुखिया डॉ. मुहम्मद यूनुस पर चुनावी रोडमैप घोषित करने और जल्द चुनाव कराने का जोरदार दबाव बढ़ गया है। सेना प्रमुख वकार-उज-जमां ने स्पष्ट रूप से दिसंबर तक चुनाव कराने का अल्टीमेटम दिया है, जिससे यूनुस सरकार का तिलिस्म टूटने लगा है। इसी बीच, छात्र संगठनों ने साफ शब्दों में कहा है कि जब तक चुनाव सुधार नहीं हो जाते और शेख हसीना के शासनकाल के कथित अपराधों की जांच व सजा नहीं दी जाती, वे किसी भी आम चुनाव को स्वीकार नहीं करेंगे।

दूसरी ओर, विपक्षी दल बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच चुनाव को लेकर चर्चा और सड़कों पर संघर्ष की रणनीतियां बन रही हैं। नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी), जमात-ए-इस्लामी के स्टूडेंट विंग छात्र शिविर और वामपंथी छात्र संगठनों ने एकमत होकर कहा है कि जब तक पिछली सरकार के दौरान हुई हिंसा और हत्याओं की निष्पक्ष जांच नहीं होती, चुनाव का कोई मतलब नहीं।

एनसीपी के छात्र नेता नाहिद इस्लाम का कहना है कि अगर देश के सभी वर्ग इस तरह असहयोग करेंगे तो डॉ. यूनुस इस्तीफा दे देंगे। हमने उनसे अनुरोध किया है कि वे इस्तीफा न दें, लेकिन चुनाव से पहले न्याय जरूरी है। पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने डॉ. यूनुस की सरकार से तुरंत चुनाव रोडमैप की मांग की है। पार्टी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि रोडमैप के बिना वर्तमान सरकार का समर्थन संभव नहीं है।

सूत्रों के अनुसार, बीते सप्ताह बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच 4 बैठकें हुई हैं, जिनमें आंदोलन की रणनीति पर चर्चा हुई। सेना के दबाव में डॉ. यूनुस के इस्तीफे की अटकलें तेज हो गई हैं। वहीं चर्चा है कि वे चुनाव कराए बिना राजनीतिक दलों से बातचीत कर फिर से एक राष्ट्रीय सरकार बनाने की कोशिश कर सकते हैं। बीएनपी ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के बिना किसी भी राष्ट्रीय सरकार को वह वैध नहीं मानेगी। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बीएनपी ने भी यूनुस पर दबाव बढ़ाते हुए दिसंबर में चुनाव कराने की मांग दोहराई है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार जल्द चुनावी रोडमैप तैयार कर इसकी सार्वजनिक घोषणा नहीं करती, तो उनका सरकार के साथ सहयोग जारी रखना मुश्किल हो जाएगा।

चावल पर मजाक से गया जापान के मंत्री का पद

बढ़ती कीमतों के सवाल पर कहा– मैं खरीदता नहीं, मेरे चाहने वाले दे जाते हैं

टोक्यो, 24 मई (एजेंसियां)। जापान के पूर्व कृषि मंत्री ताकु ईटो को चावल की बढ़ी कीमत पर मजाकिया बयान देना काफी महंगा पड़ गया। यहां तक कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ गया। उन्होंने कहा था कि वो कभी चावल नहीं खरीदते हैं, बल्कि उन्हें मुफ्त में मिलता है। इस बयान के बाद महंगाई से जूझ रही जनता का गुस्सा भड़क गया।

ईटो ने बुधवार को प्रधानमंत्री ऑफिस जाकर अपना इस्तीफा सौंपा। इस इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा पर भी महंगाई कम करने का दबाव और ज्यादा बढ़ गया।

उनकी सरकार को चावल की लगातार बढ़ती कीमतों को कंट्रोल न कर पाने की वजह से लोगों का गुस्सा झेलना पड़ रहा है। जापान में जुलाई महीने में संसद के ऊपरी सदन का चुनाव होने वाला है, ऐसे में यह मुद्दा और ज्यादा

जापान के कृषि मंत्री ताकु ईटो ने इस्तीफे के बाद मीडिया से कहा कि मैंने इस्तीफा दे दिया है

राजनीतिक तूल पकड़ता जा रहा है। जापान का सबसे मशहूर कोशिहिकारी ब्रांड का चावल लगभग 5,000 येन (3000 रुपए) प्रति 5 किलोग्राम में बिक रहा है।

जबकि 2023 में 5 किलोग्राम चावल की कीमत औसतन लगभग 2,000 येन (1100 रुपए) थी। प्रधानमंत्री इशीबा ने वादा किया है कि चावल की औसत कीमत को 3,000 येन (1700 रुपए) प्रति 5 किलोग्राम तक लाया जाएगा। जापान में चावल की कमी के लिए कई वजह जिम्मेदार मानी जा रही हैं। 2023 में गर्म मौसम की वजह से कम फसल और 2024 में 'मेगाक्वेक' (बड़े भूकंप) की चेतावनी की वजह से लोगों ने डर से ज्यादा चावल खरीद लिए थे। इससे कालाबाजारी भी हुई।

सरकार ने कई सालों तक किसानों को चावल की खेती छोड़कर दूसरी फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया था ताकि कीमतें नियंत्रित रहें। लेकिन अब जब मांग बढ़ी, तो उत्पादन पर्याप्त नहीं है।

कुछ व्यापारियों पर जानबूझकर चावल का स्टॉक छिपाकर रखने का आरोप भी लगा है ताकि कीमतें और ऊपर जाएं।

सरकार ने आपातकालीन भंडार से चावल जारी किया है, लेकिन अब तक सिर्फ 10% चावल ही बाजार तक पहुंच पाया है। ताकु ईटो ने पिछले हफ्ते एक फंड रेज प्रोग्राम में कहा था- मैंने खुद कभी चावल नहीं खरीदा, क्योंकि मेरे समर्थक मुझे इतना चावल दान करते हैं कि मैं इसे बेच सकता हूं।

पाकिस्तान के दोस्त ने भी तोड़ दी रूसी फाइटर जेट की उम्मीदें

सू-57 को नहीं मिला कोई खरीददार पुतिन को अब सिर्फ भारत से आस

कुआलालंपुर, 24 मई (एजेंसियां)। रूस काफी लंबे अर्से से अपने 5th जेनरेशन फाइटर जेट सू-57 के लिए ग्राहक तलाशता आ रहा है। लेकिन अभी तक रूस को हर जगह से नाकामी ही हासिल हुई है। इसलिए बहुत उम्मीदों के साथ रूस ने अपने स्टील्थ फाइटर जेट को मलेशिया में आयोजित एलआईएमए 2025 एयरशो में प्रदर्शन करने भेजा था। हालांकि शुरुआत में हर किसी को उम्मीद थी कि रूसी फाइटर जेट एयरशो में धाक जमा लेगा, लेकिन हकीकत इसका ठीक उल्टा हुआ। रूस ने एसयू-57 का सिर्फ स्केल मॉडल ही भेजा। उसका असली फाइटर जेट कहीं नहीं दिखा। इस घटना ने हर किसी को चौंका दिया है, जबकि रूस ने अपने फिफ्थ जेनरेशन विमान को चीन और भारत में आयोजित एयरशो में भेजा था।

भारत के पड़ोसी देश में छाया गंभीर नमक संकट

दिल्ली ने मदद के लिए बढ़ाया हाथ, पाकिस्तान से युद्ध के समय दिया था साथ

कोलंबो, 24 मई (एजेंसियां)। हिंद महासागर में स्थित भारत का करीबी पड़ोसी देश श्रीलंका में गंभीर नमक संकट छा गया है। नाशपाती के आकार का बेहद खूबसूरत द्वीप श्रीलंका इस समय नमक संकट से जूझ रहा है। भारी बारिश की वजह से नमक का उत्पादन ठप पड़ गया है, जिसकी वजह से पहले जो नमक बनाया गया था, वो पानी में बह गया है। जिसकी वजह से श्रीलंका के पास इस्तेमाल करने के लिए जरूरी मात्रा में भी नमक नहीं है। ऐसे में लोगों को नमक खरीदने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीलंका में इस वक्त नमक की कीमतों में बेतहाशा इजाफा हो गया है और संकट का फायदा उठाने के लिए कई लोगों ने नमक की ब्लैकमेलिंग भी शुरू कर दी है। नमक की कमी देश में सामान्य से तीन से चार गुना ज्यादा हो गई है। श्रीलंकन मीडिया

रिपोर्ट्स के मुताबिक मौजूदा संकट की वजह से देश में नमक की कीमत 145 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुकी है। श्रीलंका अपनी वास्तविक नमक जरूरत का सिर्फ 23% ही उत्पादन कर पा रहा है। कई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत ने 3,050 मीट्रिक टन नमक की खेप भेजकर अपने पड़ोसी की मदद के लिए कदम बढ़ाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कुल शिपमेंट में से 2,800 मीट्रिक टन भारत की नेशनल सॉल्ट कंपनी की तरफ से भेजा गया है, जबकि बाकी 250 मीट्रिक टन निजी क्षेत्र की कंपनियों से आया था। नमक उत्पादकों के संघ ने कहा है कि सरकार द्वारा 30,000 मीट्रिक टन गैर-आयोडीन युक्त नमक के आयात में देरी ने स्थिति को और खराब कर दिया है। श्रीलंकाई लोगों ने सोशल मीडिया पर खाली दुकानों की तस्वीरें साझा की हैं, जबकि कई लोगों ने कहा है कि काफी भटकने के बाद भी उन्हें दुकानों से नमक नहीं मिल पाया है। आपको बता दें कि इससे पहले श्रीलंका में दो साल पहले गंभीर आर्थिक संकट आया था। जिसने देश को खाद्य असुरक्षा की ओर धकेल दिया था और श्रीलंका में आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी हो गई थी। आर्थिक संकट के कारण 60 लाख से ज्यादा लोग खाद्य असुरक्षा का सामना करने पर अभी भी मजबूर हैं और देश की 28% से अधिक आबादी इस स्थिति से प्रभावित है। इस संकट के पीछे कई फैक्टर्स हैं, जैसे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी, कृषि क्षेत्र में गलत नीतियां, और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटें।

बलूच अमेरिकी कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी से बलूचिस्तान आंदोलन के लिए समर्थन मांगा

क्वेटा, 24 मई (एजेंसियां)। बलूच अमेरिकी कांग्रेस के अध्यक्ष और बलूचिस्तान सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री तारा चंद बलूच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर पाकिस्तान के प्रभुत्व के खिलाफ बलूच लोगों के राष्ट्रीय प्रतिरोध के लिए भारत के नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन का अनुरोध किया है।

यह अपील बलूच अमेरिकी कांग्रेस की ओर से भेजे गए दो औपचारिक पत्रों के माध्यम से की गई, जो सीधे दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय को संबोधित थे। अपने पत्र में, चंद ने बलूचिस्तान मुद्दे पर भारतीय नेतृत्व के पहले ध्यान देने के लिए प्रशंसा व्यक्त की, विशेष रूप से लाल किले के भाषण के दौरान पीएम मोदी की टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए, जिसे वे नैतिक समर्थन के प्रदर्शन के रूप में देखते हैं जिसने वैश्विक स्तर पर उत्पीड़ित बलूच आबादी के बीच आशा को प्रेरित किया। डॉ. चंद ने कहा, आपके लाल किले के संबोधन में बलूचिस्तान का जिक्र दुनिया भर के बलूच लोगों ने एक ऐसे राष्ट्र के लिए नैतिक समर्थन के संकेत के रूप में स्वीकार किया, जिस पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया है, उसे अपने अधीन कर लिया है और उसे आतंकित कर दिया है। पत्र में 1948 में अंग्रेजों के जाने के बाद बलूचिस्तान को पाकिस्तान में जबरन शामिल किए जाने के इतिहास का वर्णन किया गया है, जिसे डॉ. चंद क्रूर कब्जे की शुरुआत बताते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बलूच लोगों को रावलपिंडी जीएचक्यू में पाकिस्तान के प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा समर्थित जिहादी सेना द्वारा किए गए नरसंहार जैसे कृत्यों का सामना करना पड़ा है। पत्र में दावा किया गया है, एक जिहादी सेना की ओर से शासित, यह खराब रूप से परिकल्पित देश मेरे हजारों देशवासियों के लापता होने, यातना, मृत्यु और विस्थापन के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये कार्रवाई बलूच राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन को दबाने के एक बड़े अभियान का हिस्सा है, जो कई दशकों से चल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि एक औपनिवेशिक शक्ति के रूप में बलूचिस्तान में चीन की भागीदारी एक अतिरिक्त भू-राजनीतिक खतरा पेश करती है।

पांच दिन की हवाई सेवाएं दो महीने में बंद

सरगुजा, 24 मई (एजेंसियां)। अंबिकापुर के महामाया एयरपोर्ट, दरिमा से अब हफ्ते में 3 दिन ही फ्लाइट का संचालन किया जाएगा। हवाई सेवा का संचालन करने वाली फ्लाई बिग ने करीब दो महीने पहले पांच दिनों की फ्लाइट का शेड्यूल जारी किया था। अंबिकापुर से रायपुर और बिलासपुर के लिए हवाई सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। हालांकि सेवाएं घटाने का कारण विमान में तकनीकी खराबी बताया गया है। सरगुजा के लिए हवाई सेवाओं की शुरुआत दिसंबर 2024 में हुई थी। फ्लाई बिग कंपनी ने उड़ान योजना के तहत रायपुर से अंबिकापुर, अंबिकापुर से बिलासपुर, बिलासपुर से अंबिकापुर और अंबिकापुर से रायपुर हवाई सेवाएं संचालित कीं।

हम पर तीन युद्ध थोपकर पहले ही सिंधु जल समझौते का उल्लंघन कर चुका पाकिस्तान

भारत ने खोली पड़ोसी की पोल

न्यूयॉर्क, 24 मई (एजेंसियां)। भारत ने सिंधु जल समझौते पर पाकिस्तान के दुष्प्रचार का मुंहतोड़ जवाब देते हुए संयुक्त राष्ट्र में कहा कि पाकिस्तान पहले ही भारत पर तीन युद्ध थोपकर और हजारों आतंकी घटनाएं कर सिंधु जल समझौते की भावना का उल्लंघन कर चुका है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि सिंधु जल समझौते को लेकर पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल द्वारा दुष्प्रचार किया जा रहा है। भारत ने हमेशा जिम्मेदारी भरा व्यवहार किया है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाते हुए पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता स्थगित कर दिया था। शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद की एरिआ फार्मूला बैठक

का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुद्दा संघर्ष में पानी की सुरक्षा था। इस बैठक में पाकिस्तान ने भारत पर सिंधु जल समझौता तोड़ने के लिए बेबुनियाद और भ्रामक आरोप लगाए। जिस पर भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार का मुंहतोड़ और तथ्यों के साथ जवाब दिया। भारतीय प्रतिनिधि पी हरीश ने कहा कि 65 साल पहले भारत ने अच्छी भावना के साथ पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता किया था। समझौते की प्रस्तावना का उल्लेख करते हुए पी. हरीश ने कहा कि 'प्रस्तावना में साफ लिखा गया है कि ये समझौता अच्छी भावना और दोस्ती के साथ किया गया, लेकिन पाकिस्तान ने बीते 65 वर्षों में इस भावना का साफ उल्लंघन किया और भारत के खिलाफ तीन युद्ध लड़े और हजारों आतंकी हमले किए।'

पी हरीश ने बताया कि 'बीते चार दशकों में आतंकी हमलों में भारत के 20 हजार से ज्यादा लोगों ने अपनी जान गंवाई है और सबसे ताजा आतंकी हमला पहलगाम का है, जिसमें निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया। इसके बावजूद भारत ने संयम से काम किया।' भारतीय राजनयिक ने कहा कि पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद के जरिए भारत में आम नागरिकों की जिंदगी को बंधक बनाना चाहता है और साथ ही धार्मिक सद्भाव और आर्थिक समृद्धि को भी बाधित करना चाहता है। हरीश ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए कहा कि हमने कई बार पाकिस्तान से सिंधु जल समझौते को संशोधित करने को कहा था, लेकिन इस्लामाबाद ने हर बार इस प्रस्ताव को खारिज किया। पी हरीश ने कहा कि तकनीक बदल चुकी है और इसने बांध निर्माण के काम को भी बदल दिया है, जिससे बांधों की सुरक्षा और उनका संचालन बेहतर हुआ है। कई पुराने बांधों की सुरक्षा को खतरा है, लेकिन पाकिस्तान इन बांधों के निर्माण में किसी भी बदलाव का विरोध करता रहा है, जबकि संधि के तहत इसकी मंजूरी दी गई थी।

राहुल-सोनिया पर जानबूझकर दर्ज किया गया ईडी का केस
अशोक गहलोत ने बीजीपी पर साधा निशाना

जोधपुर, 24 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से जुड़े नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। अब कोर्ट 2 से 8 जुलाई तक रोजाना सुनवाई करेगी। इस मामले पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भाजपा और ईडी पर निशाना साधा।

कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर जानबूझकर ईडी का केस दर्ज किया गया, जिसका कोई मतलब नहीं है, उस मामले में जिस अखबार को हमने 90 साल पहले शुरू किया था। उनकी परेशानी ये है कि अगर ये अखबार फिर से शुरू हो गया तो ये अपनी बात कहेगा, कांग्रेस की सर्वधर्म समभाव, धर्मनिरपेक्षता की बात कहेगा,जो उन्हें बर्दाश्त नहीं है।

अशोक गहलोत ने आगे लिखा कि झूठे केस बनाए गए हैं। एक रुपए का भी लेन-देन नहीं हुआ।जब राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल पूछा तो उन्हें तकलीफ हुई, लेकिन उन्होंने वही सवाल पूछा जो जनता के मन में है। जनता के सवाल उठाना विपक्ष की जिम्मेदारी है, ये लोकतंत्र है।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से जुड़े नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। ईडी ने कोर्ट में दावा किया कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने अपराध से 142 करोड़ रुपए कमाए। इस मामले में गांधी परिवार, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य को आरोपी बनाया गया है। बचाव पक्ष के वरिष्ठ वकील एएम सिंघवी और आरएस चीमा का कहना था कि उन्हें करीब 5000 पन्नों के दस्तावेज हाल में प्राप्त हुए हैं। अतः उन्होंने समय दिया जाए। कोर्ट ने 2 से 8 जुलाई तक रोजाना सुनवाई का फैसला किया है। इस दौरान कोर्ट तय करेगा कि ईडी की चार्जशीट को स्वीकार किया जाए या नहीं। कोर्ट ने चार्जशीट पर संज्ञान लिया, तो सोनिया व राहुल गांधी की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

लिव-इन पार्टनर की हत्या कर शव दफनाया
5 महीने से साथ रह रहे थे, दोनों में विवाद हो गया था; जेसीबी से शव निकलवाया

बांसवाड़ा, 24 मई (एजेंसियां)। बांसवाड़ा में प्रेमी ने लिव-इन पार्टनर की हत्या कर शव को दफना दिया। पुलिस को गुमराह करने के लिए बोला- सुसाइड कर लिया था। पुलिस ने जेसीबी से युवती के शव को जमीन से बाहर निकलवाया। गले पर रस्सी के निशान नहीं मिले। मामला घाटोल इलाके के गर्णावट गांव का है। पुलिस ने युवक को डिटेन कर लिया है।

एसएचओ प्रवीण सिंह ने बताया- शनिवार सुबह 9 बजे इलाके के झरकनिया गांव निवासी लालशंकर निनामा थाने पहुंचा। उसने बताया कि उसकी बेटी बिपाशा (19) पांच महीने से गायब है। जानकारी की तो पता चला कि वह नजदीकी गांव गर्णावट के युवक प्रदीप (22) के साथ लिव-इन में रह रही थी।

परिचित ने पिता को बताया- बेटी 2-3 दिन से दिखी नहीं

एसएचओ प्रवीण सिंह ने कहा- गर्णावट गांव के कुछ परिचित लोगों ने लालशंकर निनामा को बताया कि बिपाशा 2-3 दिन से नजर नहीं आ रही है। प्रदीप ने मेरी बेटी की हत्या कर दी है।

लालशंकर की ओर से रिपोर्ट दर्ज किए जाने के बाद थाने से पुलिस टीम गर्णावट गांव पहुंची। वहां प्रदीप के घर दबिश देकर आरोपी को डिटेन कर लिया। घर की तलाशी ली, लेकिन बिपाशा नहीं मिली। बिपाशा के बारे में पूछा तो गुमराह करने लगा।

थाने लाकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि 20 मई को उसका बिपाशा के साथ झगड़ा हुआ था। झगड़े के बाद देर रात बिपाशा ने घर में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। डर से शव को उतारा और खेत में ले जाकर दफना दिया।

खेत में गड्ढा खोदकर निकाला शव

आरोपी के कबूलनामे के बाद शनिवार सुबह 11.30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीएम की मौजूदगी में आरोपी की निशानदेही पर खेत में एक जगह गड्ढा खोदा गया। बिपाशा की लाश गड्ढे से निकाली गई। मौके पर मौजूद एफएसएल टीम ने शव की जांच की। टीम ने कहा कि गले पर रस्सी या दुपट्टे के निशान नहीं है।

टीम ने शक जताया कि हो सकता है कि प्रदीप ने लड़की को गला दबाकर मार डाला हो, इसके बाद शव को खेत में दफनाया हो।

बिपाशा के पिता ने प्रदीप के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करा दिया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बांसवाड़ा जिला अस्पताल भिजवाया गया। इस दौरान लड़की पक्ष के लोग आक्रोशित हो गए और वाहन को रोकने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत कराया।

5 महीने से लिव-इन में रह रहे थे

एसएचओ प्रवीण सिंह ने बताया- प्रदीप दिसंबर 2024 में लालशंकर की बेटी बिपाशा को लेकर भाग गया था। दोनों पहले उदयपुर रहे। इसके बाद 23 अप्रैल को प्रदीप बिपाशा को लेकर अपने गांव गर्णावट आया। यहां वे परिवार के साथ लिव-इन में रहने लगे थे।

बिपाशा लालशंकर के 12 बेटे-बेटियों में 10वें नंबर की थी। वह दसवीं तक पढ़ी थी।

जयपुर बनेगा युवाओं की आवाज़ का केंद्र
बेनीवाल का आंदोलन शुरू

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में अपने तीखे तेवर और स्पष्टवादिता के लिए जाने जाने वाले आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल ने एक बार फिर युवाओं के हक की लड़ाई के लिए हुंकार भरी है। उन्होंने 25 मई को जयपुर में विशाल युवा आंदोलन की घोषणा करते हुए भावुक अपील की है कि यह सिर्फ एक भर्ती की नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम के खिलाफ बगावत की घड़ी है।

अपने संदेश में बेनीवाल ने कहा, "अब बात सिर्फ एक भर्ती की नहीं रही... बात अब उस ज़ुल्म के खिलाफ़ आवाज उठाने की है, जिसने राजस्थान के लाखों युवाओं के सपनों को रौंदा है।" उन्होंने बेरोजगारी, पेपर लीक और भ्रष्टाचार को जाति और धर्म से ऊपर का मुद्दा बताया और कहा कि ये समस्याएं हर युवा को एक जैसी चोट देती हैं।

बेनीवाल ने खुद के संघर्षों का ज़िक्र करते हुए बताया कि उन्होंने संसद से लेकर सड़क तक, हर मंच पर युवाओं की आवाज़ बुलंद की है। "चाहे मुझे सदन से निकाला गया हो, या धमकियां दी गई हों, मैंने कभी पीछे हटना नहीं सीखा," उन्होंने कहा।

उन्होंने युवाओं से भावनात्मक अपील करते हुए कहा, "मैं आपसे मांगने आया हूं—अपने लिए नहीं, बल्कि उस भविष्य के लिए जिसे बार-बार कुचला गया है।" साथ ही यह भी जोड़ा कि आंदोलन में किसी पार्टी या झंडे का भेद नहीं होना चाहिए—यह सिर्फ हक की लड़ाई है।

25 मई को जयपुर की सड़कों पर एक निर्णायक आंदोलन की तैयारी है, जहां हनुमान बेनीवाल ने हर युवा से जुड़ने की अपील की है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह आह्वान राजस्थान की राजनीतिक जमीन पर क्या प्रभाव डालता है।

माफियाओं की गुंडागर्दी, पीड़ित को जेसीबी से उलटा लटकाकर पीटा

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में अवैध खनन माफियाओं की गुंडागर्दी के मामले आए दिन सामने आ रहे है। भारतीय जनता पार्टी का 'कब सहेगा राजस्थान' का नारा भजनलाल सरकार पर भारी पड़ते दिख रहा है। इसी कड़ी में ब्यावर जिले के रायपुर थाना क्षेत्र का अमानवीय और क्रूर घटना का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें माफिया एक ड्राइवर को जेसीबी से उलटा लटकाकर पीटते हुए दिखाई दे रहा है। इसे लेकर कांग्रेस, सरकार पर जमकर हमलावर है।

बताया जा रहा है कि गुड़िया गांव में कुख्यात हिस्ट्रीशीटर तेजपाल सिंह उदावत ने डंपर चालक को डीजल चोरी के शक में अपने फार्म हाउस पर जेसीबी से लटकाकर दो से तीन घंटे तक पीटा है। यह वीडियो 2- 3 दिन पुराना बताया जा रहा है। इसमें ड्राइवर को जंजीरों से लटकाया गया और फिर उसके साथ बर्बरता की गई।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखकर राजस्थान सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'राजस्थान में यह माफिया राज आखिर कब तक चलता रहेगा? जनता पूछ रही है कि पुलिस-प्रशासन की मिलीभगत से चल रहा ये डरावना खेल कब रुकेगा?'

कानून का कोई खौफ नहीं- डोटासरा

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने भी सरकार पर हमला बोलते हुए एक्स पर लिखा कि 'राजस्थान में माफियाओं की गुंडागर्दी चरम पर है, कमजोर भाजपा सरकार में माफियाओं पर कानून का कोई खौफ नहीं है। ब्यावर के रायपुर थाना क्षेत्र में सामने आई इस अमानवीय और क्रूर घटना ने कानून व्यवस्था, पुलिस की निष्क्रियता और प्रदेश में भाजपा राज में अपराधियों को मिल रहे राजनीतिक संरक्षण पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं।'

सत्ता का संरक्षण मिलने पर अपराधी बेलगाम- डोटासरा

उन्होंने आगे लिखा कि 'माफियाओं ने जिस तरह से एक व्यक्ति को जेसीबी से उलटा लटकाकर यातनाएं दी है, वह हैवानियत की सारी हदें पार कर गईं। ये तस्वीरें न सिर्फ प्रशासन की नाकामी दिखाती है, बल्कि बताती है कि सत्ता का संरक्षण मिलने पर अपराधी किस कदर बेलगाम हो जाते हैं।

डोटासरा ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि 'यह घटना केवल एक व्यक्ति पर अत्याचार नहीं, बल्कि उस पूरी व्यवस्था पर कलंक है जो अपराधियों को संरक्षण देकर आम जनता के अधिकारों का गला घोंट रही है। मैं राज्य सरकार से मांग करता हूं कि इस मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए और राजनीतिक संरक्षण की परतें खोली जाएं। साथ ही घटना में लापरवाह स्थानीय पुलिस की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच हो।'

माफियाओं ने एसपी की फूंक दी थी गाड़ी

इससे पहले सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा में बजरी माफियाओं ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया था। मौके पर पहुंचे पुलिस उपाधीक्षक की प्राइवेट एसयूवी गाड़ी में आरोपियों ने आग लगा दी। चारों ओर से पथराव होने पर पुलिस ने बनास नदी एरिया में छुपकर जान बचाई थी। बताया जा रहा है कि पुलिसकर्मियों ने अवैध खनन कर रहे आरोपियों पर लाठी बरसाई थी।

तेज रफ्तार से वीडियो कोच बस पलटी
3 लोगों की मौत, 15 से अधिक लोग घायल

राजसमंद, 24 मई (एजेंसियां)। जिले के कांकरोली थाना एरिया के तहत आने वाले भावा गांव में एक बस पलट गई। हादसे में तीन लोगों के मरने की सूचना है। वहीं, 15 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। बता दें कि बस नागपुर से भीलवाड़ा जा रही थी। वीडियो कोच बस तेज रफ्तार में थी, जो मोड़ पर घूम नहीं पाई और पलट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को आरके अस्पताल पहुंचाकर इलाज शुरू करवाया। बताया जा रहा है कि बस के दोनों पहिए निकलकर बाहर हो गए। जेसीबी की सहायता से क्षतिग्रस्त बस को हाइवे से हटाया गया।

अपराधी को पकड़ने के लिए देश के सभी एयरपोर्ट पर अलर्ट
अपराध का कनेक्शन दुबई से जुड़ा

उदयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। उदयपुर जिले में गोवर्धनविलास थाना पुलिस की ओर से ऑनलाइन गेमिंग सट्टे पर कार्रवाई में गिरफ्तार चारों बदमाशों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से तीन दिन की रिमांड पर भेजा गया है। पूछताछ में आरोपियों से कई तरह के खुलासे होने के आसार हैं। बता दें कि आरोपियों से बरामद लैपटॉप, मोबाइल और अन्य चीजों की तकनीकी जांच की जा रही है। मुख्य सरगना पुनित उर्फ सोनू सिंधी के दुबई भागने की आशंका है। ऐसे में पुलिस ने लुक आउट सर्कुलर जारी करते हुए देश भर के एयरपोर्ट को अलर्ट भेजा है।

गौरतलब है कि गोवर्धनविलास थाना क्षेत्र में शिकारबाड़ी कॉलोनी स्थित लेकविजन अपार्टमेंट के फ्लैट पर कार्रवाई की थी। बजरंग बुक ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट पर सट्टा लगाते मेन रोड शिकारबाड़ी रेजीडेंसी अपार्टमेंट निवासी कुलदीप सिंह कुंपावत, जमशेदपुर टाटानगर झारखंड निवासी मुकुल कुमार सिंह, देवपुरा राजनगर राजसंमद निवासी जयेश रेगर और जाट मोहल्ला रेलमगरा राजसंमद निवासी नीरज सिंह चौधरी को गिरफ्तार किया था। कार्रवाई की भनक पर मास्टर माइंड सेक्टर-11 आलोक स्कूल के पास निवासी पुनीत खतुरिया उर्फ सोनू सिंधी फरार हो गया।

फिर सुलग सकती है गुर्जर आरक्षण आंदोलन की आग, बीजेपी नेता ने बुलाई महापंचायत

भरतपुर, 24 मई (एजेंसियां)। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने 8 जून को भरतपुर जिले के पीलूपुरा में गुर्जर महापंचायत बुलाई है। यह स्थान इसलिए अहम है, क्योंकि यहीं से साल 2008 में उनके पिता स्वर्गीय किरोड़ी सिंह बैंसला ने गुर्जर आंदोलन की शुरुआत की थी। महापंचायत के ऐलान के बाद आशंका जताई जा रही है कि राजस्थान में एक बार फिर गुर्जर आरक्षण आंदोलन रफ्तार पकड़ सकता है।

पीलूपुरा स्थित शहीद स्मारक पर गुर्जर आरक्षण आंदोलन की 18वीं बरसी पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें गुर्जर आरक्षण आंदोलन में पुलिस फायरिंग में मारे गए 73 गुर्जर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही आंदोलन में मृत हुए लोगों की याद में हवन-यज्ञ किया गया और दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। इस मौके बैंसला ने घोषणा की 8 जून को कारबारी-पीलूपुरा स्थित शहीद स्मारक पर महापंचायत होगी। जिसमें कई अहम मुद्दों को लेकर गुर्जर समाज आगे की रणनीति पर चर्चा करेगा।

गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष और बीजेपी नेता विजय बैंसला ने कहा कि सरकार की ओर से आंदोलन के दौरान किए गए समझौतों की पालना अब तक नहीं की गई है। एमबीसी आरक्षण को अब तक संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि शहीद के परिजनों को सरकारी नौकरी नहीं मिली और न ही आंदोलन के दौरान दर्ज केस वापस लिए गए हैं। सरकारी भर्तियों में बैकलॉग और रोस्टर प्रणाली को लेकर भी गड़बड़ियां जारी हैं। देवनारायण योजना में भी बहुत सारी अनियमितताएं है, इन सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

बांध से 1821 गांवों को मिलेगा पानी
लेकिन काम पूरा होने से पहले ही गरमाई सियासत

झालावाड़, 24 मई (एजेंसियां)। ईआरसीपी के तहत हाड़ौती के तीन जिलों के लिए बहुप्रतीक्षित परवन वृहद बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना को पूरा होने में अभी एक साल और लगेगा, लेकिन इसके पानी को लेकर अभी से सियासत गरमाने लगी है। झालावाड़ के खानपुर तहसील में अकावद कलां में परवन नदी पर बन रहे बांध का काम 93 फीसदी पूरा हो सका है। बांध का निर्माण इस साल के आखिरी तक पूरा होने की उम्मीद है। ऐसे में अगले मानसून में ही यह बांध भर सकेगा। झालावाड़-बारां क्षेत्र के सांसद दुष्यन्त सिंह पिछले लंबे समय से इसके पानी को मुद्दा बना रहे हैं। पिछले दिनों लोकसभा में शून्यकाल में उठाया मुद्दा हो या प्रदेश के जल संसाधन मंत्री के साथ बांध का निरीक्षण। वे लगातार यही कह रहे हैं कि इस परियोजना के पानी पर पहला हक झालावाड़ और बारां के किसानों का है। उन्हें पूरा पानी मिलना चाहिए। इस परियोजना के तहत नहरों का दो चरण में काम चल रहा है। पहले चरण में हो रहे कार्य के जरिये झालावाड़ और बारां जिले के किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा, वहीं दूसरे चरण में खानपुर, कोटा जिले के सांगोद और लाडपुरा क्षेत्र के किसानों को पानी मिलेगा।

कुछ माह पूर्व बारां में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में दुष्यंत सिंह सिंचाई विभाग के अधिकारियों पर बिफर गए थे, जब उन्हें पता चला कि अब तक पहले चरण के बजाय दूसरे चरण का काम ज्यादा हुआ है तो पहले चरण में देरी पर नाराजगी जताते हुए पूछा कि हमारे क्षेत्र का पानी पहले हमारे किसानों को देने की प्राथमिकता निर्धारित क्यों नहीं हुई। इसके बाद गत 23 अप्रेल को प्रदेश के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने अकावद कलां के समीप बन रहे बांध और टनल का निरीक्षण किया, तब भी सांसद दुष्यंत सिंह उनके साथ थे। रावत से चर्चा के दौरान भी दुष्यंत ने पहले बारां और झालावाड़ के किसानों को पानी देने की मांग की। करीब 7355 करोड़ की लागत की इस परियोजना के 392 मीटर लम्बा बांध बनाया जा रहा है। इसकी क्षमता 490 मिलियन क्यूबिक मीटर है। परियोजना से बारां, झालावाड़ और कोटा जिले के 637 गांवों के दो लाख हेक्टेयर से ज्यादा जमीन सिंचित होगी। इसके साथ ही 1821 गांवों को पीने का पानी मिलेगा।

ट्रक की टक्कर से कार के उड़े परखच्चे, एक साथ 4 घरों के बुझे चिराग

जैसलमेर, 24 मई (एजेंसियां)। जैसलमेर के पोकरण में लाठी गांव के पास सड़क पर ऐसा दर्द लिख गया, जिसे पोकरण बरसों भूल नहीं पाएगा। एसयूवी और ट्रक की भीषण भिड़ंत में वन विभाग के एक कर्मचारी और तीन वन्यजीव प्रेमियों की मौके पर ही मौत हो गई। एक ही पल में चार घर सूने हो गए, चार मांओं की गोद उजड़ गई और बहनों की राखी अधूरी रह गई। ये वे लोग थे जो खुद को जंगल, जानवरों और प्रकृति की सेवा में लगाए हुए थे। जीवों के लिए लड़ने वाले आज खुद जिंदगी की जंग हार गए। जिस गाड़ी में बैठकर वे किसी नेक काम के लिए जा रहे थे, वही उन्हें काल की गोद में ले गई। रात होते ही जब एंबुलेंस के सायरन अस्पताल के दरवाजे पर गूंजी, तो उनके अपने बदहवासी में दौड़े। किसी की मां बेटे का चेहरा देखते ही बेहोश हो गई, किसी की पत्नी चीत्कार कर उठी—अब किसके लिए जिऊंगी?

लाठी गांव के पास रात करीब सवा दस बजे जब एसयूवी और ट्रक में भीषण भिड़ंत हुई, तो पूरा इलाका दहल उठा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एसयूवी कार के परखच्चे उड़ गए। वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और चारों युवक उसमें फंस गए।

सगाई टूटने से गुस्साए युवक ने कर दी हत्या
बोला- किसी और की होते नहीं देख सकता था

सवाई माधोपुर, 24 मई (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर में सगाई टूटने से तनाव में चल रहे युवक ने युवती की निर्मम हत्या कर दी। मंगेतर रही युवती की उसी के घर में दिनदहाड़े गला रेतकर हत्या के बाद आरोपी ने खुद ही आसपास के लोगों के इस बारे में बताया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो हैरान कर देने वाला सच सामने आया। पूछताछ में इकबाल ने बताया कि वह शहनाज को किसी और की होते नहीं देख सकता था। इसलिए उसकी हत्या कर दी है। इकबाल ने बताया कि वह शहनाज से सच्चा प्यार करता था। उसने शहनाज से कई बार घर से भागने के लिए भी बोला, लेकिन युवती ने मना कर दिया। इसके बाद मौका पाकर शहनाज का गला रेतकर हत्या कर दी।

मकान मालिक ने घर खाली करने को कहा तो किरायेदार महिला ने नग्न कर पीटा, वीडियो बनाया

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। मकान खाली करने के विवाद में मारपीट और अश्लील हरकतें करने के साथ ही अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने की मांग की गई है। मुरलीपुरा पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। पीड़िता मकान मालकिन ने इस मामले में कोर्ट की दखल के बाद केस दर्ज कराया है। आरोपियों से पूछताछ की भी तैयारी की जा रही है।

दर्ज रिपोर्ट के अनुसार मुरलीपुरा इलाके में रहने वाली मकान मालकिन ने अपनी किरायेदार कृष्णा देवी को कमरा खाली करने के लिए कहा था। मामला पिछले साल अक्टूबर महीने का है। मकान मालकिन ने आरोप लगाया कि कृष्णा देवी ने अपने पति और कुछ अन्य जानकारों को बुलाया और उसके बाद मारपीट की। मकान मालिक को नग्न कर पीटा और उसका वीडियो बनाया। वीडियो बनाने के बाद वायरल करने की धमकी देती रही।

तीन महीने के मासूम की हत्या कर झाड़ियों में फेंका शव
फिर पिता ने खा लिया जहर

झुंझुनू, 24 मई (एजेंसियां)। मलसीसर थानाक्षेत्र के गांव चिमनपुरा में हृदयविदारक घटना ने हर किसी के होश उड़ा दिए। गांव में तीन महीने के मासूम की हत्या कर शव को झाड़ियों में फेंक दिया और फिर पिता ने खुद ही जहर खा लिया। गांव के एक खेत में तीन महीने के बच्चे का शव मिला है। शव के कुछ दूरी पर ही बच्चे का पिता बेहोशी की हालत में मिला। उसे बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। परिजन ने मृतक बच्चे के माता-पिता पर बेटे की हत्या करने का संदेह जताया है। थानाधिकारी सुखदेवसिंह ने बताया कि चिमनपुरा निवासी हेमाराम पुत्र देबूराम जाट ने रिपोर्ट दी है कि सत्यवीर पुत्र अर्जुनराम उसका सगा भतीजा है। वह खेत में मकान बनाकर रहता है। उसके पौत्र कमल ने फोन पर सूचना दी कि रणवीर धेत्रवाल के खेत में सत्यवीर ने जहर खा लिया है। उसका बच्चा भी पास में ही मरा हुआ पड़ा है। सूचना मिलने पर जब वह खेत में पहुंचा तो वहां पर उसकी पत्नी केसर, पुत्रवधू प्रेम व पौत्रवधू प्रियंका, सत्यवीर की पत्नी अर्चना व एक अन्य मिले। उसे संदेह है कि बच्चे के माता-पिता ने बच्चे की गला घोंटकर हत्या की है।

8 हजार करोड़ की ड्रग तस्करी: अफ्रीका में होती थी सप्लाई, 7 आरोपी दोषी करार

उदयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। 8 हजार करोड़ की ड्रग तस्करी मामले में न्यायालय ने सभी 7 आरोपियों को दोषी करार दिया है। न्यायालय ने उनकी सजा के फैसले को सोमवार तक सुरक्षित रखा है। न्यायालय के इस फैसले के बाद जमानत पर चल रहे 5 आरोपियों को तुरंत हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया। दो आरोपी पिछले 9 साल से न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे हैं।

मामले में मुख्य आरोपी सुभाष दूदानी की न्यायिक अभिरक्षा के दौरान ही मौत हो गई थी, ऐसे में उसके खिलाफ कार्रवाई को ड्राप कर दिया गया। डायरेक्ट्रेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस की टीम ने 28 अक्टूबर 2016 को ठीक दीपावली के दो दिन पहले शहर के कलड़वास और गुड़ली रीको एरिया और राजसमंद के धोइंदा में छापा मार कार्रवाई की थी। इस दौरान 8 हजार करोड़ की 23.32 मैट्रिक टन मैथाकुलोन टेबलेट्स मेंड्रेक्स (एमडी) बरामद की थी।

मामले में डीआरआई की टीम ने मुंबई निवासी सुभाष पुत्र थावरदास दूदानी, उसका पुत्र आरके चौराहा सुखेर निवासी गुंजन दूदानी, भतीजा प्रतापनगर निवासी रवि पुत्र किशनचंद्र, मुम्बई निवासी परमेश्वर पुत्र दुलाल व्यास, अतुल पुत्र दिलीप म्हात्रे को गिरफ्तार किया था। इसके अलावा राजस्थान हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सी क्लास प्रतापनगर निवासी अनिल पुत्र नानकराम मलकानी और वड़ोदरा गुजरात निवासी संजय पुत्र रतीलाल पटेल को भी गिरफ्तार किया था।

इस मामले में एनडीपीएस की विभिन्न धाराओं मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपियों के खिलाफ जांच पूर्ण कर विशेष लोक अभियोजक डॉ. प्रवीण खंडेलवाल, एसपी शर्मा और अधिवक्ता राजेश वसीटा ने प्रभावी पैरवी की। अभियोजन की तरफ से 49 गवाह, 559 दस्तावेज और 3148 आर्टिकल पेश किए गए। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद एडीजे-1 न्यायालय के पीठासीन अधिकारी मनीष कुमार वैष्णव ने सभी आरोपियों को एनडीपीएस की विभिन्न धाराओं में दोषी करार दिया। हाई प्रोफाइल मामले के निर्णय के दौरान पूरी कोर्ट अधिवक्ताओं से खचाखच भरी थी।

ज्योतिराव फूले गुरुकुल के 20 छात्र माउंट एवरेस्ट बेस कैंप में चयनित

मंत्री ने प्रशिक्षण पूरा कर बेस कैंप जाने वाले छात्रों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा ज्योतिराव फूले गुरुकुल स्कूल के 20 छात्रों का चयन माउंट एवरेस्ट बेस कैंप में एडवेंचर कैंप के लिए किया गया है। वे 25 मई से 10 जून तक एवरेस्ट बेस कैंप पर ट्रैकिंग करेंगे। एवरेस्ट बेस कैम्प चयन के लिए कोरुकुला स्कूल से 100 लड़कियों और 100 लड़कों का चयन किया गया और उन्हें भुवनगिरी लोनी में दो दिनों का रॉक क्लाइम्बिंग प्रशिक्षण दिया गया। उसमें से 20 लोगों का चयन किया गया।

सचिवालय में परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर और गुरुकुल सैदुलु के सचिव ने उन्हें पदक देकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मालावत पूर्णा और राकेश के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लिया, जो छोटी उम्र में एवरेस्ट पर चढ़ चुके थे। इस एवरेस्ट बेस कैंप ट्रेक के माध्यम से, छात्र जीवित रहने की तकनीक और क्षेत्र की संस्कृति सीखते हैं।

यह शिविर शारीरिक शक्ति, सहनशक्ति और मानसिक लचीलेपन को बढ़ावा देता है। मंत्री ने एवरेस्ट बेस कैंप जाने वाले छात्रों को पदक और शॉल देकर सम्मानित किया। कल सुबह एवरेस्ट बेस कैंप के लिए रवाना होने वाले छात्रों को शुभकामनाएं।

उन्होंने सलाह दी कि सफलता पाने के लिए सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। महात्मा ज्योतिराव फुले ने सलाह दी कि व्यक्ति को गुरुकुल, माता-पिता, क्षेत्र और राज्य का नाम रोशन करना चाहिए। मंत्री ने कहा कि कठिन परिश्रम से सफलता मिल जाती है। शिक्षा ही सफलता की कुंजी है। शिक्षित व्यक्ति परिवार के साथ ही पूरे देश का भला कर सकता है। इसलिए शिक्षा पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें इस अवसर का उपयोग रिकार्ड बनाने के लिए करना चाहिए। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने ट्रैकिंग छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उनसे भविष्य में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में महात्मा ज्योतिराव फुले गुरुकुल के सचिव सैदुलु, संयुक्त सचिव तिरुपति और प्रशिक्षक मलावतपूर्णा और राकेश ने भाग लिया।

हरीश राव ने राज्य की निष्क्रियता पर उठाए सवाल

राज्य के लिए महंगा साबित होगा आंध्र प्रदेश सरकार का कदम

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तेलंगाना के जल अधिकारों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए, बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि विवादास्पद बनकचर्ला परियोजना के माध्यम से गोदावरी नदी के पानी को मोड़ने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार का कदम राज्य के लिए महंगा साबित होगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने तेलंगाना सरकार की निष्क्रियता की आलोचना की और केंद्र की भाजपा सरकार पर आंध्र प्रदेश का पक्ष लेने और तेलंगाना के हितों को कमजोर करने का आरोप लगाया। राव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आंध्र प्रदेश की प्रस्तावित गोदावरी-बनकचर्ला लिंक परियोजना, जिसकी अनुमानित लागत 80,000 करोड़ रुपये है, का उद्देश्य गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी) या सीडब्ल्यूसी से आवश्यक मंजूरी के बिना गोदावरी के 200 टीएमसी से अधिक पानी को मोड़ना है।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 का उल्लंघन करके क्रियान्वित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि अधिनियम में कृष्णा या गोदावरी नदियों पर किसी भी नई परियोजना के लिए नदी प्रबंधन बोर्डों से मंजूरी लेना अनिवार्य किया गया है, जिसकी आंध्र प्रदेश ने कथित तौर पर अनदेखी की है।

राव ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार पुनर्गठन अधिनियम के प्रावधानों को रौंद रही है और हस्तक्षेप करने के बजाय, केंद्र सरकार धनराशि मंजूर करके उनकी सहायता कर रही है। उन्होंने एफआरबीएम सीमा से परे ऋण के माध्यम से परियोजना के वित्तपोषण का 50 प्रतिशत सुरक्षित करने के लिए आंध्र प्रदेश को अनुमति देने के लिए केंद्र की आलोचना की। इसे 'अन्यायपूर्ण और अनैतिक' बताते हुए राव ने कहा कि जब तेलंगाना ने कालेश्वरम परियोजना के लिए पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन से ऋण मांगा, तो एफआरबीएम मानदंडों के तहत वसूली लागू की गई।

एक्टर मुकुल देव का निधन

'सन ऑफ सरदार' से मिली थी पॉपुलैरिटी

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक्टर मुकुल देव का 54 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनका पार्थिव शरीर दिल्ली के दयानंद मुक्ति धाम लाया गया है, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। दिवंगत अभिनेता के बड़े भाई राहुल देव उनका अंतिम संस्कार करेंगे। वहीं, मुकुल देव के अंतिम दर्शन के लिए उनके करीबी दोस्त भी पहुंचे हैं।

पिछले कुछ समय से मुकुल बीमार चल रहे थे और हाल ही में उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था। हालांकि अस्पताल और परिवार की तरफ से निधन की वजह नहीं बताई गई है। मुकुल देव हिंदी, पंजाबी और साउथ फिल्मों के साथ-साथ टेलीविज़न इंडस्ट्री में भी सक्रिय थे।

मुकुल देव ने कई बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया। फिल्म "सन ऑफ सरदार" में उन्होंने टोनी सिंह संधू का किरदार निभाया था। इस रोल से उन्हें खास पहचान मिली। उन्होंने "यमला पगला दीवाना", "आर.आर राजकुमार" और "जय हो" जैसी फिल्मों में भी अहम भूमिकाएं निभाईं।

राहुल देव के भाई थे मुकुल

मुकुल देव एक्टर राहुल देव के छोटे भाई थे। राहुल ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि बीती रात, नई दिल्ली में उनके भाई मुकुल देव ने अंतिम सांस ली। मुकुल की एक बेटी है, जिसका नाम सिया देव है। मुकुल देव का अंतिम संस्कार 24 मई, शनिवार शाम 5 बजे दयानंद मुक्ति धाम में किया गया।

मुकुल के जाने से टूट गया हूं- मुकेश ऋषि

एक्टर मुकेश ऋषि ने बताया, साउथ में मैंने मुकुल के साथ तीन-चार फिल्में की हैं। अक्सर हम दोनों की मुलाकात होती थी। उनके निधन से मुझे काफी दुख पहुंचा। अभी मेरे उनके बड़े भाई राहुल देव से बात हुई। वह बहुत ज्यादा दुखी थे। यह खबर हम सबके लिए काफी दुख देने वाली है।

'सन ऑफ सरदार' फिल्म में मुकुल देव के साथ काम कर चुके एक्टर विंदु दारा सिंह ने उनके निधन पर शोक जताया है। उन्होंने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि मुकुल देव पिछले दस दिनों से दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती थे और शुक्रवार रात दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। दरअसल, कोविड के बाद वे काफी डरे हुए थे और उनके मन में हमेशा कोविड का डर बना रहता था। हालांकि हमने मुकुल देव को पूरी तरह समझाया था और एक महीने तक उनके साथ एक्सरसाइज भी की थी।

जब मुकुल देव हमारे पास आए थे, तब उनका वजन लगभग 125 किलो था, जिसे उन्होंने एक महीने में 120 किलो तक कम कर लिया था और उन्हें फिट करके भेजा था। लेकिन वापसी के बाद वे फिर से अपनी पुरानी दिनचर्या पर लौट गए।

इसके अलावा विंदु ने एक्स पर मुकुल को श्रद्धांजलि देते हुए उनके साथ एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें दोनों हंसी-ठिठोली करते नजर आ रहे हैं। कैप्शन में लिखा, "आपकी आत्मा को शांति मिले, मेरे भाई मुकुल देव। आपके साथ बिताया गया समय हमेशा संजोकर रखा जाएगा। "सन ऑफ सरदार 2' में आपका अंतिम गाना होगा, जिसमें आप दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान लाते हुए उन्हें हंसी से लोटपोट कर देंगे।'

भारत गौरव डीलक्स एसी ट्रेन से भारत-भूटान मिस्टिक माउंटेन टूर करने का मौका

नई दिल्ली/हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से भारत-भूटान मिस्टिक माउंटेन टूर की एक अनोखी और अविस्मरणीय यात्रा 28 जून 2025 से प्रारंभ हो रही है। यह विशेष यात्रा दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी और पूर्वोत्तर भारत की आध्यात्मिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को समेटते हुए भूटान के शांत और सुरम्य स्थलों तक यात्रियों को लेकर जाएगी। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार इस यात्रा का पहला पड़ाव गुवाहाटी होगा, जहां यात्री नीलाचल पहाड़ियों में स्थित प्राचीन और पवित्र कामाख्या मंदिर के दर्शन करेंगे। यह मंदिर भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है और देवी उपासकों के लिए श्रद्धा का केंद्र है। गुवाहाटी से आगे यात्रा शिलांग की ओर बढ़ेगी, जिसे "पूर्व का स्कॉटलैंड" कहा जाता है। यहां यात्री प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता का आनंद लेंगे। इसके बाद चेरापूंजी की एक दिवसीय यात्रा कराई जाएगी, जहां 'सेवन सिस्टर्स जलप्रपात', 'नोहकलिकाई फॉल्स' और 'एलिफेंट फॉल्स' जैसे विख्यात प्राकृतिक स्थल यात्रियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसके बाद समूह शिलांग वापस लौटेगा। इसके बाद यात्रा अपने अंतर्राष्ट्रीय चरण में प्रवेश करेगी। पश्चिम बंगाल के हासीमारा रेलवे स्टेशन पर उतरने के पश्चात यात्री सड़क मार्ग द्वारा भूटान में प्रवेश करेंगे, जहां वे फुंटशोलिंग के रास्ते थिंपू पहुंचेंगे। थिंपू पहुंचने के बाद यात्रियों को आसपास के वातावरण को जानने और स्थानीय संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिलेगा, रात्रि विश्राम की व्यवस्था वहीं होगी। थिंपू में स्थानीय महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण कराया जाएगा, जिसमें मोतीथांग चिड़ियाघर, नेशनल लाइब्रेरी, पारंपरिक चित्रकला विद्यालय, हस्तशिल्प बाज़ार और भव्य चोए द्ज़ोंग जैसे स्थल शामिल हैं। इसके बाद यात्रा हिमालय की बर्फीली चोटियों से होते हुए ऐतिहासिक दोचू ला दर्रा के माध्यम से पुनाखा की ओर बढ़ेगी। पुनाखा में यात्री प्रसिद्ध पुनाखा द्ज़ोंग देखेंगे, जो फो चू (पुरुष नदी) और मो चू (स्त्री नदी) के संगम पर स्थित है और भूटान के सबसे सुंदर व विशाल द्ज़ोंग में से एक माना जाता है। भूटान यात्रा का अंतिम चरण पारो में सम्पन्न होगा, जो अपनी सीढ़ीनुमा धान के खेतों, पारंपरिक फार्महाउसों और गहन आध्यात्मिक वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। पारो में यात्रा के दौरान यात्रियों को लामपेरी रॉयल बॉटनिकल पार्क, भूटान की यूनिस्को टेंटेटिव सूची में शामिल तामचोग ल्हाखांग आयरन ब्रिज, विश्वप्रसिद्ध टाइगर्स नेस्ट मठ (तकत्संग ल्हाखांग) और भूटान का राष्ट्रीय संग्रहालय देखने को मिलेगा, जो इस हिमालयी राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक प्रदान करता है।

साइबराबाद सीपीओ में यातायात समीक्षा बैठक आयोजित

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद संयुक्त पुलिस आयुक्त यातायात डॉ. गजराव भूपाल शनिवार को साइबराबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय में अन्य यातायात अधिकारियों के साथ यातायात समीक्षा बैठक की। बैठक में साइबराबाद आयुक्तालय में यातायात विनियमन, प्रवर्तन रणनीतियों और दुर्घटना रोकथाम को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने यातायात के सुचारू प्रवाह के लिए लगातार मूल्यांकन और सुधार सुनिश्चित करने के लिए दोनों यातायात प्रभागों के साथ मासिक समीक्षा बैठकों की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की गई। जनवरी से अप्रैल 2024 और 2025 तक दुर्घटना के आंकड़ों का विस्तृत विश्लेषण किया गया। आउटर रिंग रोड (ओआरआर) सहित दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों को लगातार दुर्घटनाओं के आधार पर ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित किया गया। अधिकारियों को इन ब्लैक स्पॉट पर उचित साइनेज और सुरक्षा उपाय लगाने का निर्देश दिया गया ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। पैदल यात्रियों से संबंधित दुर्घटनाओं में वृद्धि देखी गई और इस पर गंभीरता से चर्चा की गई। पैदल यात्रियों के लिए क्रॉसिंग को बेहतर बनाने और जहां आवश्यक हो वहां बैरिकेड्स लगाने की योजनाएं बनाई गईं। पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ को साफ और सुलभ रखने के लिए कदम उठाए जाएंगे। जंक्शनों पर सिग्नल टाइमिंग को पैदल यात्रियों की आवाजाही को समर्थन देने के लिए समायोजित किया जाएगा। पैदल यात्रियों की मृत्यु को कम करने के लिए, ज़ेबरा क्रॉसिंग पर सख्त प्रवर्तन सुनिश्चित किया जाएगा। गलत साइड ड्राइविंग उल्लंघनों की समीक्षा की गई और उन्हें संपर्क और गैर-संपर्क घटनाओं में विभाजित किया गया। दोहराए गए स्थानों और अपराधियों की पहचान करने के लिए पुलिस स्टेशन-वार और महीने-वार डेटा का विश्लेषण किया गया। निगरानी और यातायात निगरानी में सुधार के लिए सीसीटीवी कैमरा प्रदर्शन की समीक्षा की गई। जिन स्थानों पर नए कैमरे लगाने की आवश्यकता है, उनकी पहचान की गई है और उन्हें प्राथमिकता दी गई है। जंक्शनों और फुटपाथों के पास अवैध संरचनाओं और सड़क किनारे अतिक्रमणों को हटाने के लिए पहचाना गया। जीएचएमसी के साथ समन्वय स्थापित कर इन अतिक्रमणों को हटाने की सलाह दी गई, खास तौर पर भीड़भाड़ वाले इलाकों में फुटपाथों से पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने और अधिक यातायात वाले क्षेत्रों में लेन अनुशासन को बढ़ावा देने के लिए चर्चा की गई। अधिक घनत्व वाले क्षेत्रों में यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए योजनाएं बनाई गईं। वरिष्ठ अधिकारियों को नियमित समीक्षा और क्षेत्र निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि ब्लाइंड स्पॉट को चिन्हित करने के लिए हाई-राइज कैमरे लगाए गए हैं। उन्होंने पैदल यात्रियों और दोपहिया वाहनों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के महत्व पर बल दिया। मानसून के मौसम के करीब आने के साथ ही, खुले मैनहोल को ढकने और यातायात के उचित प्रवाह को बनाए रखने पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने भीड़भाड़ से बचने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दोपहिया, चार पहिया और पैदल यात्रियों के लिए अलग-अलग रास्ते उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी बल दिया। सभी पैदल यात्रियों के लिए ज़ेबरा क्रॉसिंग चिह्नित करें और जहां भी ज़ेबरा चिह्न मौजूद हैं, वहां पैदल यात्रियों के लिए क्रॉसिंग निर्धारित करें। सुनिश्चित करें कि सभी ज़ेबरा क्रॉसिंग स्पष्ट रूप से दिखाई दें और उनका उचित रखरखाव हो। पैदल यात्री क्रॉसिंग पर सीसीटीवी कैमरे लगाएं और प्रवर्तन उपायों को लागू करें। बैठक में संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात डॉ. गजराव भूपाल, सड़क सुरक्षा डीसीपी एल.सी. नाइक, मेडचल यातायात डीसीपी गुनाशेखर, मेडचल यातायात एडीसीपी वीरन्ना, माधापुर यातायात एसीपी के. सत्यनारायण, राजेंद्रनगर यातायात एसीपी ए. बालाजी, कुकटपल्ली यातायात एसीपी गिरिप्रसाद, बालानगर यातायात एसीपी एस. श्रीनिवासुलु, मेडचल यातायात एसीपी वेंकट रेड्डी, यातायात निरीक्षकों और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

हैदराबाद को 800 अतिरिक्त ईवी बसें आवंटित की जाएं

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री कुमारस्वामी से अपील

नई दिल्ली, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने हैदराबाद को 800 अतिरिक्त इलेक्ट्रिक बसें (ईवी) आवंटित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शनिवार को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि हाल ही में हैदराबाद को 2000 ईवी बसें आवंटित की गई हैं और शहर की मौजूदा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पीएम-ई ड्राइव योजना के तहत अतिरिक्त 800 बसें आवंटित की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री को हाइब्रिड जीसीसी मॉडल पर विचार करने का सुझाव दिया ताकि आरटीसी चालक और मैकेनिक बसों का संचालन कर सकें। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के ध्यान में लाया कि तेलंगाना आरटीसी डीजल बस का नवीनीकरण सफल रहा है और यह बस शहर में चल रही है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री से मौजूदा डीजल बसों में रेट्रो-फिटमेंट सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

तेलंगाना में इन छात्रों को कॉलेज में प्रवेश नहीं

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इस वर्ष से, तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईएपीसीईटी) सहित प्रवेश परीक्षाओं में टॉप करने पर भी आंध्र प्रदेश (एपी) और अन्य राज्यों के छात्रों को राज्य के कॉलेजों में सीट सुरक्षित करने में मदद नहीं मिलेगी। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से नए प्रवेश नियम लागू होने के साथ, टीजी ईएपीसीईटी 2025 इंजीनियरिंग स्ट्रीम के टॉपर पल्ला भरत चंद्रा और तीसरे रैंक वाले पी हेमा साई सूर्या कार्तिक सहित एपी छात्र और अन्य राज्यों के उम्मीदवार तेलंगाना के इंजीनियरिंग और अन्य पेशेवर कॉलेजों में प्रवेश सुरक्षित नहीं कर सकते हैं।

यह तब हुआ है, जब उच्च शिक्षा विभाग ने हाल ही में एक आदेश जारी कर शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से 85 प्रतिशत सीटें तेलंगाना के स्थानीय लोगों (उस्मानिया विश्वविद्यालय क्षेत्र) के लिए आरक्षित करने का आदेश दिया है। शेष 15 प्रतिशत सीटें अनारक्षित श्रेणी में आएंगी। विश्वविद्यालय क्षेत्र के स्थानीय निवासी घोषित उम्मीदवार अनारक्षित श्रेणी की सीटों के लिए पात्र हैं। इसके अलावा, राज्य में 10 साल तक रहने वाले माता-पिता, केंद्र सरकार के कर्मचारी और विश्वविद्यालय के कर्मचारी के बच्चे भी अनारक्षित श्रेणी के तहत प्रवेश के लिए पात्र हैं।

यह आदेश इसलिए जारी किया गया क्योंकि एपी पुनर्गठन अधिनियम 2014 में निर्धारित तेलंगाना और एपी के बीच 10 वर्षीय सामान्य प्रवेश इस शैक्षणिक वर्ष यानी 2024-25 में समाप्त हो गया। सामान्य प्रवेश के कारण, तेलंगाना के कॉलेजों ने स्थानीय लोगों के लिए 85 प्रतिशत सीटें और शेष 15 प्रतिशत एपी छात्रों के लिए आरक्षित कीं। एपी ने भी यही नियम अपनाया। इस नियम के कारण हर साल 3,500 से 4,000 एपी छात्र 15 प्रतिशत कोटे के तहत इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिला ले पाते हैं।

अब, तेलंगाना के स्थानीय निवासी होने का दावा करने के लिए, उम्मीदवारों को राज्य में कक्षा छह से 12 तक 7 वर्षों में से लगातार चार साल अध्ययन करना चाहिए। उदाहरण के लिए, वे छात्र जिन्होंने कक्षा 6 से 9 या कक्षा 9 से 12 तक अध्ययन किया है, उन्हें स्थानीय माना जाता है।

बाघ के शिकार के आरोप में 14 और गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पेंचिकलपेट मंडल के येल्लूर गांव के निकट 10 दिन पहले एक बाघ के शिकार में कथित संलिप्तता के आरोप में शुक्रवार रात चौदह और लोगों को गिरफ्तार किया गया। वन अधिकारियों ने कहा कि तुम्माइड श्रीनिवास, एल्कारी सुगुनाकर, बुर्री तिरुपति, ओल्ड्रे नारायण, माडे मधुनैय्या, लीगा सत्यनारायण, एलुरी लचन्ना, मौलकर दिवाकर, बिनकारी तिरुपति, तुम्मीडे सत्तैया, पेद्दाला नीलैया, गावुडे शंकर, गोमासी राजन्ना और कुबिदे शंकर को 15 मई को बाघ के अवैध शिकार में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वे येल्लूर के रहने वाले थे। दहेगांव मंडल के पेंचिकालपेट मंडल, चिन्नारासपेल्ली, कारजी, ओड्डुगुडेम और गेरे गांव।

चौदह लोगों ने कुछ पैसे कमाने के लिए अपराध करने की बात कबूल की। उन्होंने नदियों और सिंचाई टैंकों पर बिजली के जाल लगाकर जंगली जानवरों का शिकार करना स्वीकार किया, जहां जानवर गर्मियों में अपनी प्यास बुझाने आते हैं। उन्होंने खुलासा किया कि वे खेतों और गांवों में बिजली की आपूर्ति के लिए बनाई गई लाइनों से बिजली खींच रहे थे।

गुरुवार रात को येल्लूर, अगरगुडा, कोट्टागुडा, चिन्नारासपेल्ली, अमरगोंडा और करजी गांवों से सोलह लोगों को शिकार के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया।

उनके पास से बाघ के शिकार में इस्तेमाल की गई खाल, नाखून, बाल, लोहे के तार जब्त किए गए। दो और आरोपी फरार हो गए। उन्हें पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चलाया गया। के8 नामक एक वयस्क निवासी बाघिन की हत्या कर दी गई। यह फालगुना की संतान थी। इसने अपने पहले बच्चे में तीन शावकों को जन्म दिया था।

मौलाली हाउसिंग बोर्ड स्थित उप्पल विधानसभा भाजपा कार्यकर्ताओं व देशभक्तों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर आयोजित भव्य तिरंगा रैली में उपस्थित सांसद इटेला राजेन्द्र, पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर, बी. सुभाष रेड्डी, पूर्व एमएलसी जनार्दन रेड्डी, पूर्व राज्यमंत्री टी. श्रीनिवास प्रजापति, मोहन रेड्डी, भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित, रमेश चौधरी, कैलाश शर्मा, नरेश माली व अन्य।

अनम ने हासिल किया देश में प्रथम स्थान

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय की छात्रा अनम जफर ने एम.एड चौथे सेमेस्टर में यूजीसी, नेट (राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, जेआरएफ) जूनियर रिसर्च फेलोशिप, परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक में पहला स्थान हासिल किया है। अनम की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए भाजपा के पूर्व राज्य प्रवक्ता मीर फिरासथ अली बाकरी ने उनसे मुलाकात कर बधाई देते हुए कहा कि उन्हें भविष्य में हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि अकादमिक क्षेत्र में अनम अपना नाम रोशन करती रहेंगी। बाकरी ने कहा कि बिहार से छात्रा अनम जफर की उपलब्धियों पर समाज को गर्व है। इस अवसर पर डॉ. मोहम्मद मुस्तफा अली सरवरी भी उपस्थित थे।

तीसरे पृष्ठ का शेष भाग...

मुख्यमंत्री रेवंत ने ...

चूंकि हैदराबाद आईटी क्षेत्र, फार्मा उद्योग, लॉजिस्टिक पार्क आदि के तेजी से विकास के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसलिए मौजूदा आउटर रिंग रोड अगले 5 वर्षों में संतृप्त हो जाएगा। पहले से ही यातायात घनत्व प्रति दिन एक लाख सीपीयू को पार कर गया है। इसके अलावा, यदि उत्तरी भाग के पूरा होने के बाद दक्षिणी भाग को लेने का प्रस्ताव है, तो दक्षिणी भाग के निर्माण लागत के अलावा भूमि अधिग्रहण की लागत में भी भारी वृद्धि होगी। जब तक उत्तरी और दक्षिणी दोनों भागों को एक साथ नहीं लिया जाता और पूरी तरह से पूरा नहीं किया जाता, तब तक दोनों सड़कों का कुशल उपयोग नहीं किया जा सकता है। तेलंगाना सरकार दक्षिणी भाग के लिए भूमि अधिग्रहण लागत का 50 प्रतिशत भी साझा करने को तैयार है क्योंकि इससे लोगों की आकांक्षाएं पूरी होंगी। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय रिंग रेलवे का मामला भी नरेंद्र मोदी के संज्ञान में लाया। उन्होंने कहा कि ड्राई पोर्ट से बंदर पोर्ट तक प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा और माल ढुलाई लागत को कम करेगा और क्षेत्र की औद्योगिक और निर्यात आवश्यकताओं का समर्थन करेगा। रेवंत रेड्डी ने कहा, प्रस्तावित पोर्ट हाईवे के साथ ग्रीन फील्ड रेलवे लाइन रणनीतिक संपर्क को बढ़ाएगी। प्रस्तावित परियोजना विनिर्माण क्षेत्रों में सुधार और बढ़ावा देगी तथा तेलंगाना में नए रोजगार सृजित करेगी। मुख्यमंत्री ने भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में तेलंगाना की स्थिति को मजबूत करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि राज्य भारत के सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ है तथा इसका लक्ष्य उन्नत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए एक प्रमुख केंद्र बनना है। रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना में रक्षा परियोजनाओं के लिए भी समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि हैदराबाद एयरोस्पेस और रक्षा के लिए सबसे बड़े मेक इन इंडिया केंद्र के रूप में उभरा है, जिसे डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और एक दर्जन से अधिक रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों का समर्थन प्राप्त है। इस इकोसिस्टम में 1,000 से अधिक एमएसएमई शामिल हैं जो वैश्विक और राष्ट्रीय रक्षा ओईएम को घटक आपूर्ति करते हैं तथा लॉकहीड मार्टिन, बोइंग, जीई, सफ्रान और हनीवेल जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियों को आकर्षित करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षा संयुक्त उद्यम और ऑफसेट के लिए त्वरित मंजूरी की आवश्यकता है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

श्रीकांत छह साल बाद किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के फाइनल में
जापान के युशी को सीधे गेमों में हराया

कुआलालंपुर, 24 मई (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने शनिवार को मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जापान के युशी टनाका पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर छह साल में पहली बार बीडब्ल्यूएफ टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश किया। 2023 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सटीक नेट प्ले और आक्रामक खेल की बदौलत दुनिया के 23वें नंबर के खिलाड़ी टनाका को 21-18, 24-22 से शिकस्त दी।

किदांबी श्रीकांत

श्रीकांत 2019 इंडिया ओपन में उपविजेता रहे थे और इसके बाद से इस 32 वर्षीय खिलाड़ी का बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर में पहला फाइनल है। उन्होंने 2017 में चार खिताब जीते थे। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत पिछले कुछ सत्र में खराब फॉर्म और फिटनेस के दौर से गुजर रहे हैं जिससे अब वह विश्व रैंकिंग में 65वें स्थान पर मौजूद हैं।

मलयेशिया मास्टर में श्रीकांत का सफर

इससे पहले श्रीकांत ने अपने से ऊंची रैंकिंग के फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव पर तीन गेम में जीत दर्ज कर अंतिम चार का टिकट कटाया था। 65वीं रैंकिंग पर काबिज श्रीकांत ने क्वार्टर फाइनल में दुनिया के 18वें नंबर के पोपोव को कड़ी टक्कर देते हुए एक घंटे 14 मिनट में 24-22, 17-21, 22-20 से शिकस्त दी। उससे पहले श्रीकांत ने दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी गुयेन के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल में 59 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 21-17 से जीत हासिल की थी। वहीं, मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए, श्रीकांत ने चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को 9-21, 21-12, 21-6 से हराया था।

इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का हुआ ऐलान
शुभमन गिल बने नए कप्तान

मुंबई, 24 मई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के साथ होने वाली 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का स्क्वाड सामने आ चुका है। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब शुभमन गिल को टेस्ट टीम इंडिया का नया कप्तान बनाया गया है। गिल टीम इंडिया के चौथे सबसे युवा कप्तान बन गए हैं। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टीम का उपकप्तान बनाया गया है।

मोहम्मद शमी-श्रेयस अय्यर को नहीं मिला मौका

इंग्लैंड दौरे के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मौका नहीं मिला है। शमी का प्रदर्शन आपीएल 2025 में कुछ खास नहीं रहा है। वहीं अय्यर ने आईपीएल 2025 में अच्छा प्रदर्शन किया है बावजूद इसके उनको टीम में शामिल नहीं करना थोड़ा हैरान करता है।

टीम इंडिया को मिला नया कप्तान

साई सुदर्शन-करुण नायर की चमकी किस्मत

आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के लिए धमाल मचाने वाले साई सुदर्शन को टीम में चुना गया है। सीजन-18 में अभी तक साई सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले करुण नायर को 7 साल के बाद टीम इंडिया में चुना गया है।

इंग्लैंड दौरे के लिए 16 सदस्यीय भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान) यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत, करुण नायर, नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप, कुलदीप यादव।

भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज का पूरा शेड्यूल

पहला टेस्ट मैच (20-24 जून)
दूसरा टेस्ट मैच (2-6 जुलाई)
तीसरा टेस्ट मैच (10-14 जुलाई)
चौथा टेस्ट मैच (23-27 जुलाई)
पांचवा टेस्ट मैच (31 जुलाई-4 अगस्त)

आईपीएल में रहा अनसोल्ड, फिर भी नहीं मानी हार, 5 महीने में लिया नया अवतार

खेल डेस्क, 24 मई (एजेंसियां)। क्रिकेटरों के जीवन में उतार-चढ़ाव आता रहता है, लेकिन जो खिलाड़ी लगातार मेहनत करते रहते हैं, उनके सफल होने की संभावन की ज्यादा रहती है। टीम इंडिया के खिलाड़ी सरफराज खान भी इसी मंत्र को फॉलो करते हैं. अक्सर आईपीएल में नहीं बिकने के बाद खिलाड़ी दुखी होकर रास्ता भटक जाते हैं. लेकिन सरफराज ने आईपीएल 2025 में अनसोल्ड रहने के बाद खाली समय को अवसर में बदल दिया. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद अपने आइडल विराट कोहली को फॉलो किया. 5 महीने तक अपने फिटनेस और खेल पर जमकर मेहनत की और अब वो इंग्लैंड दौरे के लिए

पूरा तरह से तैयार है. सरफराज खान ने घरेलू क्रिकेट में लगातार धमाकेदार प्रदर्शन करने के बाद पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था. हालांकि, सरफराज ने कुछ अच्छी पारियां खेली लेकिन उन्हें लगातार मौके नहीं मिले. न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में फ्लॉप होने के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें मौका नहीं मिला था. वो बिना कोई मैच खेले लौट आए थे. इसके अलावा आईपीएल 2025 में भी अनसोल्ड रहे और अगले 4-5 महीने के लिए खाली हो गए. सरफराज ने निराश होने के बजाय इस खाली समय का इस्तेमाल करने के बारे में सोचा और खुद को इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए तैयार करने में जुट गए.

स्लो-ओवर-रेट: *आरसीबी के पाटीदार और एसआरएच के कमिंस पर जुर्माना*

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान अपनी-अपनी

टीमों की धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया क्योंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध था। पाटीदार पर दूसरी बार अपराध करने वाली आरसीबी की प्लेइंग इलेवन के सदस्य होने के कारण 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

आईपीएल से जारी बयान के मुताबिक, 'पाटीदार पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है क्योंकि यह आईपीएल की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के तहत उनकी टीम का इस सत्र में दूसरा अपराध था।' इसके मुताबिक, 'इम्पैक्ट प्लेयर सहित टीम एकादश में शामिल के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से या तो छह लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया।' इस बयान कहा गया ,'यह आईपीएल आचार संहिता की धारा 2 . 22 के तहत इस सत्र में एसआरएच का धीमी ओवर गति से जुड़ा पहला अपराध था जिसके लिये कमिंस पर 12 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया ।' खिताबी दौड़ से बाहर एसआरएच ने प्लेऑफ में पहुंच चुकी आरसीबी के खिलाफ इस मैच में 42 रन की शानदार जीत दर्ज की।

विराट कोहली के संन्यास पर वीरेंद्र सहवाग ने कहा : जिस तरह से वह अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं, वह आसानी से दो साल तक खेल सकते थे

मुंबई, 24 मई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर अभी भी कुछ फैंस को यकीन नहीं होता है, ज्यादातर लोग चाहते है कि विराट अपना संन्यास वापस लेकर फिर से टेस्ट क्रिकेट में लौट आए। वहीं कुछ पूर्व भारतीय क्रिकेटर का भी मानना है कि विराट ने कुछ जल्दी ही संन्यास ले लिया है। जिसमें वीरेंद्र सहवाग का भी नाम शामिल है। सहवाग का कोहली के संन्यास पर एकबार फिर से बड़ा बयान सामने आया है।

वीरेंद्र सहवाग का बड़ा बयान

आईपीएल 2025 में बीती रात सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के बीच खेले गए मैच में विराट कोहली ने 43 रन की अच्छी पारी खेली थी। जिसको देखकर एक बार फिर से सहवाग ने कहा कि वे अभी 2 साल तक टेस्ट क्रिकेट खेल सकते थे। सहवाग ने कहा "निश्चित रूप से। मुझे लगता है कि

विराट के संन्यास पर सहवाग का बड़ा बयान

उन्होंने टेस्ट प्रारूप से बहुत जल्दी संन्यास ले लिया। जिस तरह से वह अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं, वह आसानी से दो साल तक खेल सकते थे। लेकिन केवल विराट कोहली ही इस फैसले के पीछे के कारणों के बारे में बता सकते हैं। यह खिलाड़ी का निजी फैसला होता है जो उसकी इच्छा पर आधारित होता है या वह थका हुआ महसूस करता है।"

आईपीएल 2025 के बाद टीम इंडिया को जून में इंग्लैंड का दौरा करना है। जहां भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज से पहले ही विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

12 मई को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करके कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। वहीं विराट से पहले रोहित शर्मा ने 7 मई को सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। इन 2 दिग्गजों के संन्यास से फैन काफी हैरान थे।

मिशन ओलंपिक: अंतरराष्ट्रीय आयोजन के लिए आर्थिक मदद एक से दो करोड़
खेल संघों को मिलेंगे 51 की जगह 90 लाख रुपये

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। वर्ष 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल संघों को दी जाने वाली आर्थिक मदद को बढ़ा दिया है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने देश में किसी भी अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय चैंपियनशिप को आयोजित करने के लिए मंत्रालय की ओर से की जाने वाली आर्थिक मदद दोगुनी कर दी है। मांडविया ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए अब एक की बजाय दो करोड़ और राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए 51 की बजाय 90 लाख रुपये की राशि दी जाएगी। यही नहीं मंत्रालय ने खिलाड़ियों के खाने की राशि बढ़ाकर एक हजार रुपये प्रति दिन कर दी है। पहले यह 690 रुपये थी। जूनियर खिलाड़ियों को 480 की बजाय 850 रुपये प्रति दिन के हिसाब से खाना दिया जाएगा। साथ ही खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने वाले प्रशिक्षकों के वेतन में भी बढ़ोतरी कर दी गई है। अब

भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षक को पांच की बजाय साढ़े सात लाख रुपये प्रति माह का वेतन मिलेगा, जबकि अन्य प्रशिक्षकों को दो की बजाय तीन लाख रुपये प्रति माह का वेतन दिया जाएगा।

20 प्रतिशत राशि युवाओं पर खर्च करनी होगी

मांडविया के अनुसार उच्च प्राथमिकता वाले खेलों की राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए 90 लाख और प्राथमिकता वाले खेलों के लिए 75 लाख रुपये दिए जाएंगे। खेल संघों को अब अपने वार्षिक बजट का 20% हिस्सा जमीनी स्तर पर खेल के विकास के लिए तय करना होगा। खेल संघ को यह राशि जूनियर और यूथ खिलाड़ियों के विकास पर खर्च करनी होगी। इन खिलाड़ियों को मान्यता प्राप्त अकादमियों में ट्रेनिंग दी जाएगी, जिसकी निगरानी हाई परफॉर्मेंस निदेशक (एचपीडी) की ओर से की जाएगी। 10 करोड़ के वार्षिक बजट वाले खेल संघ को एचपीडी रखना अनिवार्य होगा।

13 खेलों में शुरू कराई जाएगी लीग

खेल मंत्री ने बताया कि सरकार देश में लीग संस्कृति को विकसित करने जा रही है। इसके तहत 13 खेलों में लीग शुरू करने की योजना है। ये लीग फ्रेंचाइजी आधारित होंगी और इनसे कारपोरेट घरानों को जोड़ा जाएगा। शूटिंग, योगासन, कबड्डी और हॉकी में लीग शुरू कराई जा रही है। इसके बाद साइक्लिंग और रग्बी में लीग होगी। खेल मंत्री मांडविया के अनुसार बास्केटबाल, बैडमिंटन, तीरंदाजी, मुक्केबाजी कुश्ती, वाटर स्पोर्ट्स और पोलो में भी जल्द लीग शुरू कराई जाएगी।

नीरज चोपड़ा कुसोसिन्स्की मेमोरियल में दूसरे स्थान पर रहे
जूलियन वेबर बने विजेता

चोरजोव (पोलैंड), 24 मई (एजेंसियां)। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर रहे, जबकि जर्मनी के जूलियन वेबर शीर्ष पर रहकर विजेता बने। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स तीसरे स्थान पर रहे। हाल ही में दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर की बाधा पार करने वाले नीरज इस टूर्नामेंट में लय में नजर नहीं आए और उन्होंने 84.14 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से दूसरा स्थान हासिल किया। वेबर 86.12 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ विजेता बनने में सफल रहे। नीरज के छह में से तीन प्रयास फाउल करार दिए गए और उन्होंने आखिरी प्रयास में जाकर वापसी की। दोहा डायमंड लीग में अपने करियर का शानदार प्रदर्शन करने वाले नीरज पोलैंड में उस प्रदर्शन को नहीं दोहरा सके। जूलियन वेबर ने यहां भी नीरज को पीछे छोड़ा और शुरुआत से लेकर अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा।

नीरज की फाउल से शुरुआत

नीरज चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में फाउल किया। हालांकि, नीरज अपने पहले प्रयास से खुश भी दिखे। दोहा डायमंड लीग में नीरज को पछाड़ने वाले जूलियन वेबर ने अच्छी शुरुआत की और पहले प्रयास में 80 मीटर की दूरी पर भाला फेंकने में सफल रहे। जर्मनी के वेबर ने पहले प्रयास में 80.77 मीटर का थ्रो किया। वहीं, पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स ने 80.72 मीटर के थ्रो के साथ शुरुआत की। इस तरह वेबर पहले प्रयास के बाद शीर्ष पर रहे।

दूसरे प्रयास में नीरज ने की वापसी

नीरज ने खराब शुरुआत के बाद दूसरे प्रयास में वापसी की और 81.28 मीटर का थ्रो किया। नीरज इसके साथ ही शीर्ष तीन में शामिल हुए। हालांकि, नीरज अपने प्रयास से खुश नजर नहीं आए। वह बड़ा थ्रो मारना चाहते थे, लेकिन उनका थ्रो 81 मीटर के पार नहीं जा सका। ग्रेनाडा के पीटर्स ने दूसरे प्रयास में 81.48 मीटर का थ्रो किया। जूलियन वेबर हालांकि, दूसरे प्रयास में भी सब पर भारी पड़े और उन्होंने 86.12 मीटर का थ्रो किया जो जीत हासिल करने के लिए काफी रहा।

नीरज की लय गड़बड़ाई

तीसरे प्रयास में एक बार फिर नीरज ने फाउल किया, जूलियन ने 83.72 मीटर का थ्रो किया। वहीं, पीटर्स 83.24 मीटर का थ्रो करने में सफल रहे। नीरज लगातार तीसरे स्थान पर बने रहे। जूलियन ने अपने पहले तीन प्रयास में भी काफी प्रभावित किया और शीर्ष पर अपनी बढ़त बनाए रखी। नीरज का निराशाजनक प्रदर्शन चौथे प्रयास में भी जारी रहा और उन्होंने एक बार फिर फाउल किया। वह अपने इस प्रयास से काफी निराश दिखे और स्टैंड्स पर बैठे कोचिंग सदस्य के साथ कुछ चर्चा करते नजर आए। चौथे प्रयास में वेबर 81.63 मीटर और पीटर्स 81.16 मीटर का थ्रो करने में सफल रहे।

नीरज ने इसके बाद पांचवें प्रयास में 81.90 मीटर का थ्रो किया जिससे वह शीर्ष तीन पर बरकरार रहे। वेबर ने पांचवें प्रयास में भी शानदार प्रदर्शन किया और 85.03 मीटर का थ्रो किया। वहीं, पीटर्स ने 79.70 मीटर का थ्रो किया। पांचवें प्रयास के बाद भी वेबर शीर्ष पर रहे, जबकि पीटर्स दूसरे और नीरज तीसरे स्थान पर थे।

आखिरी प्रयास में आया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

नीरज ने अपने छठे और आखिरी प्रयास में 84.14 मीटर का थ्रो किया जो उनका इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा। नीरज इस टूर्नामेंट में 84 मीटर को पार नहीं कर सके, लेकिन तीसरे से दूसरे स्थान पर आने में सफल रहे। एंडरसन पीटर्स ने आखिरी प्रयास में फाउल किया। इस तरह नीरज उन्हें पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचने में सफल रहे। नीरज 2021 के बाद से कभी किसी टूर्नामेंट में दूसरे स्थान से नीचे नहीं रहे हैं और उन्होंने यहां भी इस लय को बरकरार रखा। वेबर ने छठे प्रयास में 85.11 मीटर का थ्रो किया।

कुश्ती में बेटियों का दबदबा : 18 में से छह पुरुष, सात में से पांच बालिकाओं ने जीते मेडल

वाराणसी, 24 मई (एजेंसियां)। वाराणसी मुज्जफरनगर में हो रही प्रादेशिक कुश्ती प्रतियोगिता में बेटियों ने बेटों को पीछे छोड़ दिया है। वाराणसी के कुल 25 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। पुरुष वर्ग में 18 ने मैट पर दांव आजमाए। छह ने पदक जीता जबकि बालिका वर्ग में 7 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें पांच ने पदक जीता। पुरुष वर्ग में 45 प्रतिशत जबकि महिला वर्ग में 98 प्रतिशत खिलाड़ियों ने सफलता हासिल की है।

बालिका वर्ग के 46 किलो में आंचल यादव ने स्वर्ण पदक, 49 किलो में अन्नू यादव ने कांस्य, 53 किलो में रंजना यादव ने रजत, 69 किलो में पलक यादव ने कांस्य और 73 किलो में जाह्नवी रजत पदक जीता। पुरुष वर्ग में सौरभ ने लगातार पदक जीते हैं। पटना में खेले इंडिया यूथ गेम्स में रजत जबकि प्रादेशिक में स्वर्ण पदक जीत कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया है।

अंडर-17 सब जूनियर बालक वर्ग की फ्री स्टाइल के 51 किलो भारवर्ग में बलराम यादव ने रजत पदक, 80 किलो में सौरभ यादव ने स्वर्ण और 92 किलो में सतपाल यादव ने रजत पदक जीता है। ग्रीको रोमन बालक वर्ग के 110 किलो भारवर्ग में विकास ने स्वर्ण, विशाल यादव ने रजत और अवधेश यादव ने कांस्य परक जीता।

यूपी कुश्ती संघ के महासचिव सुरेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि अंडर-17 कुश्ती प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में सात में पांच ने पदक जीता। फ्री स्टाइल में नौ खिलाड़ियों ने वाराणसी का प्रतिनिधित्व किया। तीन ने पदक जीतने में सफलता हासिल की।

ग्रीको रोमन में नौ खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और तीन ने पदक जीते। सब जूनियर बालक-बालिका प्रादेशिक कुश्ती 19 से 21 मई तक मुजफ्फरनगर में खेली गई। प्रतियोगिता में छह खिलाड़ी गया सेठ अखाड़े, सिगरा के तीन और अखाड़ा स्वामीनाथ, बरेका, अजगरा और निवेदिता के दो-दो जबकि अन्य अखाड़ों के एक-एक खिलाड़ी शामिल हुए।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलेंगे तीन खिलाड़ी

तीन खिलाड़ियों ने कुश्ती की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया है। स्वर्ण पदक जीतकर सौरभ यादव ने चंडीगढ़ राष्ट्रीय सब जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश कुश्ती टीम में जगह बनाई है। खिलाड़ी फ्री स्टाइल, ग्रीको रोमन और महिला वर्ग में अलग-अलग स्पर्धा में खेलेंगे।

87 खिलाड़ियों ने किया अभ्यास

विश्व कुश्ती दिवस पर सिगरा के डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में खिलाड़ियों ने अभ्यास किया। कुश्ती कोच गोरखनाथ यादव ने बताया कि बालक-बालिका वर्ग में 87 खिलाड़ी अभ्यास कर रहे हैं। विश्व कुश्ती दिवस 23 मई को मनाया जाता है।

सरकार तीन चरणों में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी : भट्टी

डिप्टी सीएम ने मेगा जॉब फेयर का उद्घाटन किया

वायरा, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि जनता की सरकार तीन चरणों में बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका के अवसर सुनिश्चित कर रही है।शनिवार को उन्होंने वायरा निर्वाचन क्षेत्र में सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी द्वारा आयोजित एक मेगा जॉब फेयर का उद्घाटन किया। युवाओं से बात करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार का लक्ष्य सामाजिक लाभ के लिए प्रत्येक शिक्षित व्यक्ति की प्रतिभा का दोहन करना है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पूरा मंत्रिमंडल रोजगार के अवसर पैदा करने पर केंद्रित है। रोजगार सृजन के तीन चरणीय दृष्टिकोण में, पहला चरण तेलंगाना लोक सेवा आयोग के माध्यम से सरकारी क्षेत्र में युवा व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पहले वर्ष में लगभग 56,000 व्यक्तियों को सरकारी पदों पर नियुक्त किया है और अतिरिक्त 30,000 पदों को भरने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरा चरण निजी क्षेत्र में रोजगार प्रदान करना है। बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित करके लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए जा रहे हैं। तीसरा स्रोत स्वरोजगार के साथ रोजगार के अवसर प्रदान करना है। राजीव युवा विकास योजना के माध्यम से स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए 9,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 2 जून को 5 लाख युवाओं को स्वीकृति पत्र मिलेंगे। भट्टी विक्रमार्क ने पिछली बीआरएस सरकार की उनके 10 साल के शासन के दौरान 2 लाख रिक्तियों को नहीं भरने और एक भी ग्रुप-1 परीक्षा आयोजित करने में विफल रहने के लिए आलोचना की। कई योग्य युवा बेरोजगार रह गए, जिससे परिवारों में भावनात्मक और वित्तीय संकट पैदा हो गया। उन्होंने कहा कि लेकिन वर्तमान कांग्रेस सरकार अब इंदिरा राज्यम के तहत तीन चरणीय योजना के माध्यम से अवसर प्रदान करने के लिए काम कर रही है।

बीआरएस ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से की पद छोड़ने की मांग

तेलंगाना को कांग्रेस पार्टी का एटीएम बनाने का आरोप

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए उन पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने और तेलंगाना को कांग्रेस पार्टी का एटीएम बनाने का आरोप लगाया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने शनिवार को रेड्डी से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रामा राव ने कहा कि ईडी के निष्कर्ष इस बात की पुष्टि करते हैं जो बीआरएस वर्षों से कह रहा है- रेवंत रेड्डी पदों और उपकारों के बदले में कांग्रेस के लिए भारी मात्रा में चंदा इकट्ठा कर रहे हैं।

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के आरोपपत्र का हवाला देते हुए, जिसमें रेड्डी का नाम धन जुटाने के लिए लिया गया था, उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी ने नेशनल हेराल्ड और यंग इंडिया के खातों में धन के लेनदेन में मदद की। उन्होंने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के साथ तुलना की, जिन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते पद छोड़ दिया था, और मांग की कि रेड्डी को भी ऐसा ही करना चाहिए या फिर कांग्रेस आलाकमान द्वारा उन्हें बाहर कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि भ्रष्टाचार कांग्रेस के डीएनए में है। अगर

येदियुरप्पा इस्तीफा दे सकते हैं, तो रेवंत रेड्डी अभी भी सत्ता से क्यों चिपके हुए हैं?

उन्होंने मांग की कि कांग्रेस नेतृत्व नेशनल हेराल्ड मामले सहित कई भ्रष्टाचार घोटालों में कथित संलिप्तता के लिए उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई करे। रामा राव ने रेवंत पर आरोप लगाया कि जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम लिया तो उन्होंने स्पष्ट रूप से चुप्पी साध ली। उन्होंने कहा कि वित्तीय अनियमितताओं में उनकी मिलीभगत के कारण रेवंत ने यह चुप्पी साधी।

रामा राव ने आरोप लगाया कि जब सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम नेशनल हेराल्ड मामले में आया तो लगभग हर कांग्रेस नेता ने प्रतिक्रिया दी, लेकिन रेवंत रेड्डी ने चुप रहना ही बेहतर समझा। उन्हें पता है कि वह इसमें शामिल थे।

मिल्ला मैगी ने मां के स्वास्थ्य से जुड़ी स्थिति के कारण प्रतियोगिता छोड़ी: जूलिया

मिल्ला मैगी

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की चेयरमैन और सीईओ जूलिया मोर्ले सीबीई ने कहा, "मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन मिस इंग्लैंड 2025, मिल्ला मैगी और भारत में वर्तमान में आयोजित 72वें मिस वर्ल्ड फेस्टिवल से उनके हटने के बारे में ब्रिटिश प्रेस में प्रसारित हाल की मीडिया रिपोर्टों पर टिप्पणी करना चाहेगी। इस महीने की शुरुआत में, मिल्ला मैगी ने अपनी मां के स्वास्थ्य से जुड़ी एक कथित पारिवारिक आपात स्थिति के कारण प्रतियोगिता छोड़ने का अनुरोध किया था। एक मां और दादी के रूप में, मिस वर्ल्ड की अध्यक्ष जूलिया मोर्ले सीबीई ने मिल्ला की स्थिति पर सहानुभूतिपूर्वक प्रतिक्रिया व्यक्त की और प्रतियोगी और उसके परिवार की भलाई को प्राथमिकता देते हुए तुरंत इंग्लैंड लौटने की व्यवस्था की। उनके जाने के बाद, मिस इंग्लैंड की प्रथम रनर-अप शार्लोट ग्रांट ने अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए विनम्रतापूर्वक कदम बढ़ाया। शार्लोट बुधवार को भारत पहुंचीं और तब से मिस वर्ल्ड सिस्टरहुड में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया है। दुर्भाग्य से, यह हमारे ध्यान में आया है कि कुछ यूके मीडिया आउटलेट्स ने भारत में अपने अनुभव के बारे में मिल्ला मैगी द्वारा कथित रूप से दिए गए झूठे और अपमानजनक बयान प्रकाशित किए हैं। ये दावे पूरी तरह से निराधार हैं और हमारे साथ बिताए गए उनके समय की वास्तविकता से मेल नहीं खाते। जवाब में, मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन मिल्ला के भारत प्रवास के दौरान रिकॉर्ड किए गए असंपादित वीडियो जारी कर रहा है, जिसमें वह अपने अनुभव के लिए आभार, खुशी और प्रशंसा व्यक्त करती है। ये वीडियो उसके अपने शब्दों और भावनाओं को दर्शाते हैं, और हाल ही में फैलाई गई झूठी कहानियों के सीधे विरोधाभास के रूप में काम करते हैं।[मिस वर्ल्ड सच्चाई, गरिमा और ब्यूटी विद अ परपज के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है। हम मीडिया आउटलेट्स से पत्रकारिता की अखंडता को बनाए रखने और भ्रामक सामग्री प्रकाशित करने से पहले अपने स्रोतों को सत्यापित करने का आग्रह करते हैं।

कांग्रेस में पनप रहा है असंतोष

बीआरएस के दलबदलुओं को प्रतिरोध का करना पड़ रहा है सामना

कोमाराम भीम असिफाबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से कांग्रेस में शामिल हुए विधायकों और नेताओं को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में उनके और वफादार कांग्रेस सदस्यों के बीच मतभेद बढ़ रहे हैं। 2024 के संसदीय चुनावों के दौरान कांग्रेस में शामिल हुए सिरपुर के पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा ने आरोप लगाया कि पार्टी में आंतरिक स्थिति 'खराब और असहनीय' है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो

कोनेरू कोनप्पा

रहे एक वीडियो में कोनप्पा अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए नज़र आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब हम कांग्रेस में शामिल हुए, तो इस निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी का वोट शेयर 8,000 से बढ़कर 63,000 हो गया, फिर भी हमारे लिए कोई महत्व नहीं था।' उन्होंने आगे दावा किया कि पार्टी के प्रति उनकी सेवा के बावजूद, निर्वाचन क्षेत्र को सरकार से पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि नेताओं के प्रति कोई सम्मान नहीं दिखाया गया और धन का आवंटन नहीं किया गया। रिपोर्ट के अनुसार कोनप्पा ने कहा, 'पार्टी में गुटबाजी हो रही है और कुछ नेता हमें गाली दे रहे हैं।' मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कोउटाला पुल निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत करने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक धनराशि जारी नहीं की गई।'

तेलंगाना पॉलिटेक्निक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के नतीजे घोषित

लड़कों को लड़कियों ने पछाड़ा

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पॉलिटेक्निक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट 2025 के नतीजे शनिवार को घोषित किए गए, जिसमें एमपीसी और एमबीआईपीसी स्ट्रीम में क्रमशः 81.88 प्रतिशत और 84.33 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। परिणाम वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। कुल 98858 उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए और एमपीसी में 80949 तथा एमबीआईपीसी में 83364 उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए। एक बार फिर लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया। 45773 लड़कियों ने परीक्षा दी और एमपीसी में 85.26 प्रतिशत तथा एमबीआईपीसी में 88.54 प्रतिशत उत्तीर्ण हुईं, जबकि 53085 लड़कों ने एमपीसी में 78.97 प्रतिशत तथा एमबीआईपीसी में 80.69 प्रतिशत उत्तीर्णता दर्ज की। तकनीकी शिक्षा विभाग शीघ्र ही प्रवेश काउंसलिंग कार्यक्रम की घोषणा करेगा।

टीजी पॉलिसेट का आयोजन एसबीटीईटी द्वारा प्रस्तावित इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग डिप्लोमा तथा कृषि, पशु चिकित्सा और बागवानी विश्वविद्यालयों में डिप्लोमा में प्रवेश के लिए किया जाता है।

अज्ञात लोगों ने व्यक्ति पर चाकुओं से किया हमला

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात लोगों ने शुक्रवार रात चत्रिनाका राजन्ना बाउली में एक व्यक्ति पर चाकुओं से हमला किया। जंगममेट निवासी मोहम्मद आमिर (36) कथित तौर पर राजन्ना बाउली स्थित बालाजी वाइन शॉप पर गए थे, जब कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने उन पर धारदार वस्तुओं से हमला कर दिया। हमले में आमिर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

जबरन वसूली और ब्लैकमेल के आरोप में दो गिरफ्तार

आदिलाबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज कराकर जनता से जबरन वसूली और ब्लैकमेल करने के आरोप में शुक्रवार को इंद्रवेल्ली मंडल केंद्र में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। उत्नूर इंस्पेक्टर जी मोगिली ने एक बयान में कहा कि गुडीहाथनूर मंडल के गवंडे बिपिन कुमार उर्फ विपिन और आदिलाबाद शहर के शांतिनगर के मेसराम आनंद राव को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की खामियों का फायदा उठाकर गैर-आदिवासियों से जबरन वसूली और ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

कथित तौर पर दोनों ने इंदरवेल्ली मंडल केंद्र में एक वाणिज्यिक परिसर के निर्माण के लिए अदापा चेमपथ राव नामक व्यक्ति को धमकाने के लिए आईटीडीए-उटनूर को एक याचिका प्रस्तुत की। उन्होंने याचिका वापस लेने के लिए राव से 2 लाख रुपये वसूले। उन्होंने इंदरवेल्ली के एक स्कूल के मालिक से भी 2 लाख रुपये वसूले। उन पर आरोप है कि उन्होंने कुछ गैर-आदिवासियों से एजेंसी में शिकायत दर्ज कराने की धमकी देकर 20 लाख रुपए मांगे थे। उनके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कडप्पा में ट्रक और कार की टक्कर में 4 लोगों की मौत

गुव्वलाचेरुवु (आंध्र प्रदेश), 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बताया कि शनिवार को कडप्पा जिले में एक ट्रक और कार के बीच टक्कर हो जाने से दो बच्चों सहित चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बेंगलुरु निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्रीकांत अपने परिवार के साथ चिंतापुट्टायपल्ले गांव जा रहे थे, तभी सुबह साढ़े नौ बजे गुव्वलाचेरुवु घाट रोड पर यह घटना घटी।

अधिकारी ने बताया कि वे कार में सवार होकर कडप्पा की ओर आ रहे थे। फर्नीचर ले जा रहा एक ट्रक उनका पीछा कर रहा था। मोड़ पर ट्रक ने कार को टक्कर मार दी और कार में सवार छह लोगों में से चार की मौत हो गई। मृतकों में श्रीकांत, उनकी पत्नी, बेटी और एक भतीजा शामिल हैं, जबकि दुर्घटना में घायल हुए दो वयस्क खतरे से बाहर हैं। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है।

स्नैचिंग के दो आरोपी गिरफ्तार, वाहन और एक सेलफोन जब्त

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वृंदावन कॉलोनी रोड, टोलीचौकी में वाहन चेकिंग करते समय, टोलीचौकी पुलिस स्टाफ ने एक स्नैचिंग केस का पता लगाया। घटना के दो आरोपियों सरगंदला शिवा और बोडु भारत को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से एक दो पहिया वाहन और एक सेलफोन जब्त किया। अभियुक्त व्यक्तियों का विवरण इस प्रकार है। बीते 14 मई को मोहम्मद आलम निवासी नीरजा कॉलोनी, टोलीचौकी, हैदराबाद ने शिकायत दर्ज कराई कि 14 मई को शिकायतकर्ता मच्छर कॉइल लाने के लिए सक्सेस स्कूल के पास, जौहरी ज्वेलर्स के सामने, टोलीचौकी रोड के बाहर गया था। इसी बीच दो अज्ञात व्यक्ति बिना रजिस्ट्रेशन के दो पहिया बाइक पर आए और शिकायतकर्ता के बाएं हाथ से उसका मोबाइल फोन छीन लिया और भाग गए। शिकायत प्राप्त होने पर, मार्ग में लगे सीसीटीवी फुटेज को सत्यापित करने और क्षेत्र के सुरागों पर वाहन जांच करने के स्पष्ट निर्देश के साथ टीमें गठित की गईं। टीमों ने एक-दूसरे के साथ समन्वय किया और स्नैचिंग मामले का सफलतापूर्वक पता लगाया और दो आरोपियों को सरगंदला शिवा बोडु भारत को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान 23 मई की शाम अधिकारी राघवेंद्र होटल, वृंदावन कॉलोनी रोड, टोलीचौकी में वाहन जांच कर रहे थे तो उन्होंने देखा कि दो संदिग्ध बिना नंबर प्लेट की एक काले और लाल रंग की ग्लैमर बाइक पर सवार होकर मौके से भागने की कोशिश कर रहे थे, तब तुरंत उन्हें बाइक के साथ पकड़ लिया गया और पूछताछ करने पर दोनों आरोपी वाहन के कोई भी वैध दस्तावेज दिखाने में विफल रहे। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों ने हैदराबाद के टोलीचौकी रोड पर सक्सेस स्कूल के सामने जोहरी ज्वेल्स में मोबाइल छीनने की घटना को स्वेच्छा से स्वीकार किया। उनके बयान के आधार पर गिरफ्तारी की गई।

अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी विभाग समन्वय से काम करें : नागिरेड्डी

दुर्घटनाओं को रोकने के बारे में संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य अग्निशमन सेवा के महानिदेशक नागी रेड्डी ने कहा कि आग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी विभागों को समन्वय से काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी मुख्यालय स्थित पंवार हॉल में आग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पहले से बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में संबंधित विभागों को निर्देश दिए जाएं।

वे एक बैठक में बोल रहे थे। बैठक में जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, जिला कलेक्टर अनुदीप दुरिसेट्टी, बिजली, नगर नियोजन, हाइड्रा और अग्नि सुरक्षा अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर नागी रेड्डी ने शहर में प्राचीन इमारतों में आग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विभाग द्वारा बरती जाने वाली सावधानियों पर स्पष्टीकरण मांगा। गुलजार हाउस में हाल ही में लगी आग से समुदाय के सदस्यों में गहरी चिंता उत्पन्न हो गई है, तथा उन्होंने संबंधित विभागों से ऐसी प्राचीन इमारतों में आग दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में निर्देश देने को कहा है। यह सुझाव दिया गया है कि विशेष रूप से जीएचएमसी में व्यावसायिक परिसरों और वाणिज्यिक भवनों में आग दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय पहले से ही बनाए जाने चाहिए और इसका पालन नहीं करने वाले प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। डिस्कॉम के सीईओ को निजी फिटिंग कर्मियों और लाइनमैनों को इस बारे में पूर्ण जागरूकता प्रदान करने के लिए कहा गया कि शॉर्ट सर्किट के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कौन से उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए, चाहे वह हेरिटेज इमारतों या अन्य इमारतों में हो, और बिजली की दुकानों के मालिकों के लिए चरण-दर-चरण जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कहा गया।

इसी प्रकार, नगर नियोजन अधिकारियों को भी अग्नि सुरक्षा के संबंध में सावधानी बरतने तथा सुरक्षा उपाय होने पर ही ट्रेड लाइसेंस या एनओसी जारी करने की सलाह दी गई है। नागी रेड्डी ने बताया कि महीने में एक दिन अग्नि सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार को सलाह दी जाएगी।इस अवसर पर बोलते हुए जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि जीर्ण-शीर्ण भवनों का सर्वेक्षण कराया जाएगा। महानिदेशक के निर्देशानुसार, व्यावसायिक परिसरों एवं व्यावसायिक संकल्पनाओं में अग्नि सुरक्षा के संबंध में सख्त कदम उठाए जाएंगे तथा विशेष रूप से नगर नियोजन अधिकारियों को नए निर्माण के लिए अनुमोदन देते समय आने वाली योजनाओं में अग्नि सुरक्षा को प्राथमिकता देने को कहा गया है।

उन्होंने कहा कि व्यावसायिक परिसरों और व्यावसायिक भवनों में अग्नि सुरक्षा के उपाय किए जाएंगे। हैदराबाद के जिला कलेक्टर अनुदीप ने कहा कि आग दुर्घटना की स्थिति में केवल अग्निशमन और पुलिस विभाग को ही सूचना मिलती है और जिला प्रशासन को राजस्व से संबंधित विभागों को ऐसी जानकारी देनी चाहिए ताकि समय पर एम्बुलेंस, अस्पताल उपचार, बिस्तर और डॉक्टर उपलब्ध कराने जैसे उपाय किए जा सकें, जिला कलेक्टर ने अपनी राय व्यक्त की। 15 मीटर के दायरे में स्थित इमारतों, अस्पतालों, शॉपिंग मॉल, कार्यालय भवनों, आवास, होटल, बिजनेस मॉल और भंडारण भवनों में उचित अग्नि सुरक्षा उपाय किए जाने चाहिए।

उन्होंने शहरवासियों से आग्रह किया कि वे ध्यान रखें कि धूम्रपान डिटेक्टर और अलार्म अवश्य लगाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री नायडू ने राज्यों के 3 उप-समूहों का रखा प्रस्ताव

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को तेजी से बढ़ाया जा रहा आगे

अमरावती, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 204% तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में प्रगति में तेजी लाने के लिए राज्य सरकारों के तीन उप-समूहों के गठन का शनिवार को प्रस्ताव रखा और कहा कि उनका राज्य इस राष्ट्रीय आकांक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में बोलते हुए नायडू ने पिछले दशक में भारत के उल्लेखनीय आर्थिक परिवर्तन की प्रशंसा की, जिसके तहत भारत दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख ने डिजिटल इंडिया, जीएसटी,

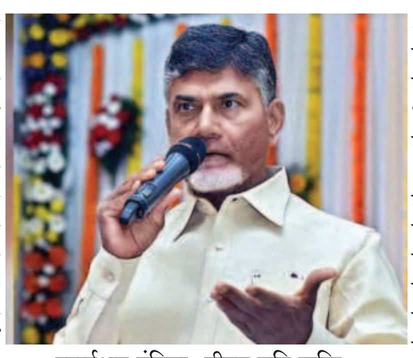

स्टार्टअप इंडिया, पीएम गति शक्ति और जल जीवन मिशन सहित परिवर्तनकारी सुधारों को स्वीकार किया, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत के विकास परिदृश्य को फिर से परिभाषित किया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत की मजबूत हुई वैश्विक छवि पर जोर देते हुए नायडू ने कहा कि सही समय पर सही नेतृत्व का होना देश को उसके महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण रहा है।

नायडू ने केंद्र सरकार और नीति आयोग के सहयोग से राज्यों के तीन केंद्रित उप-समूहों का प्रस्ताव रखा, ताकि विकसित भारत की दिशा में प्रगति को गति दी जा सके।

जीडीपी वृद्धि पर पहला उप-समूह पीपीपी परियोजनाओं के लिए केंद्रीय व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण द्वारा समर्थित निवेश, विनिर्माण, निर्यात और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखेगा। जनसंख्या प्रबंधन पर दूसरा उप-समूह भारत को वृद्धावस्था और कम प्रजनन क्षमता जैसी भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हुए अपने जनसांख्यिकीय लाभ का लाभ उठाने में मदद करेगा। तीसरा उप-समूह प्रौद्योगिकी-संचालित शासन पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें वास्तविक समय और नागरिक-केंद्रित प्रशासन के लिए एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, ड्रोन और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाएगा।

वाईएस जगन ने सड़क हादसे पर जताया शोक

ताड़ेपल्ली, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने वाईएसआर जिले के चिंताकोम्मादिन्ने मंडल में गुव्वलाचेरुवु घाट रोड के पास हुए दुखद सड़क हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है, जहां एक लॉरी और कार की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई।

मृतकों की पहचान बडवेल मंडल के चिंतापुत्तयपल्ले के निवासियों के रूप में की गई है, जो सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। दुर्घटना उस समय हुई जब पीड़ित कथित तौर पर एक

स्थानीय त्यौहार के सिलसिले में रायचोटी से कडपा जा रहे थे।

वाईएस जगन ने इस विनाशकारी घटना में एक पूरे परिवार के मारे जाने पर गहरा दुख व्यक्त किया और इसे अत्यंत दुखद बताया।

उन्होंने सरकार से दुर्घटना में घायल हुए लोगों के लिए सर्वोत्तम संभव चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने और शोक संतप्त परिवारों को सहायता प्रदान करने का आग्रह किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.